कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, रविवार, 22 सितंबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 130

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

www.koylanchalsamvad.com

शाह बोले- फारूक ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद लाए:90 के दशक... | अब इंडिया में लड्डू पॉलटिक्स का दौर | खूबसूरती का खजाना आपके रसोईघर में ही उपलब्ध है | मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

जियो का नया रिचार्ज प्लान, अनलिमिटेड 5जी के साथ मिलेगी फ्री कॉलिंग!

मुंबई (ईएमएस)। देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी जियो अपने ग्राहकों के लिए नवरात्रि से पहले नया प्लान लेकर आया है। जियो ने 364 दिन वाला 3599 रुपए का रिचार्ज प्लान फ्री में देने का ऐलान किया है। हालांकि इसके लिए कंपनी ने कुछ शर्तें रखी है, जिसके यूजर्स को पूरा करना होगा। जियो यूजर्स इस ऑफर का फायदा उठा सकते हैं, जिससे पूरे साल रिचार्ज कराने का झंझट खत्म हो जाएगा। बता दें कि ये ऑफर देश के सभी कोनों में लागू होगा। जानकारी के अनुसार जियो ने अपनी इंटरनेट सेवा यानि जियो फाइबर को प्रमोट करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। जियो यूजर्स नए एयरफाइबर प्लान के लिए साइन अप करके फ्री मोबाइल रिचार्ज का मजा ले सकते हैं। जियो की वेबसाइट के मुताबिक, यूजर्स को 3599 रुपये का कॉम्प्लीमेंट्री सालाना मोबाइल रिचार्ज प्लान मिलेगा, जो 365 दिनों के लिए वैलिड होगा। इस प्लान में रोजाना 2.5जीबी हाई-स्पीड डेटा का फायदा शामिल है। जियो यूजर्स कंपनी की वेबसाइट और माय जियो ऐप के जरिए नया एयरफाइबर बुक कर सकते हैं। कंपनी ने एयर फाइबर ब्रॉडबैंड के लिए सिर्फ 50 रुपये का बुकिंग चार्ज तय किया है। इसके अलावा एयर फाइब्रर आफर के तहत 3 महीने के प्लान पर यूजर्स को 30 फीसदी की छूट दी जा रही है, जो 2121 रुपये में उपलब्ध है। इस प्लान में 800 से ज्यादा डिजिटल टीवी चैनल, 13 से ज्यादा ओटीटी ऐप और अनलिमिटेड वाई-फाई का एक्सेस शामिल है।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह वायु सेना के नए चीफ:30 सितंबर से जिम्मेदारी संभालेंगे

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह भारतीय वायु सेना के नए चीफ होंगे। वे 30 सितंबर को पदभार संभालेंगे। अमर प्रीत सिंह एयर मार्शल विवेक राम चौधरी की जगह लेंगे, जो 30 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। अमर प्रीत सिंह अभी तक

वायुसेना के वाइस चीफ के पद पर थे। एयरफोर्स में यह दूसरी सबसे अहम पोजिशन है। अमर प्रीत सिंह को रोटरी विंग विमानों पर 5 हजार घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने का अनुभव है। उन्होंने वाइस चीफ बनने से पहले ऑपरेशनल फाइटर स्क्वाड्रन और फ्रंटलाइन एयर बेस की भी कमान संभाली है। एयर मार्शल अमरप्रीत सिंह का जन्म 27 अक्टूबर को साल 1964 में हुआ था। अमर प्रीत सिंह 21 दिसंबर 1984 को वायुसेना एकेडमी डुंडीगल से इंडियन एयरफोर्स में तैनात हुए थे। वे 40 साल से वायुसेना की सेवा कर रहे हैं। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ने नेशनल डिफेंस एकेडमी खडकवासला और एयरफोर्स एकेडमी डुंडीगल से ट्रेनिंग ले चुके हैं। अमर प्रीत सिंह डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन के भी छात्र रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने नई दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से भी ट्रेनिंग ली है। उन्होंने हाल ही में 59 साल की उम्र में तेजस उड़ाया था। विवेक राम चौधरी सितंबर 2023 में एयर मार्शल के चीफ बने थे। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) के छात्र रहे और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज से भी ग्रेजुएट हैं। 1 जुलाई 2023 को एयर मार्शल हरजीत सिंह अरोड़ा के स्थान पर उन्हें वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ बनाया गया था।

रसिया : रूस के दो नागरिकों ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में सबसे लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया

रूस के दो नागरिकों ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में सबसे लंबे समय तक लगातार रहने का रिकॉर्ड बनाया। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी 'रॉसकॉस्मोस' ने कहा कि ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब ने 370 दिन, 21 घंटे और 22 मिनट का पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जो सितंबर 2023 में रूस के सर्गेई प्रोकोपीव और दमित्री पेटेलिन तथा अमेरिकी फ्रांसिस्को रुबियो द्वारा स्थापित किया गया था। चूब और कोनोनेंको के रिकॉर्ड में सोमवार को पृथ्वी पर लौटने से पहले कई दिन और जुड़ जाएंगे। कोनोनेंको (59) के नाम अंतरिक्ष में बिताए गए समय के अन्य रिकॉर्ड भी हैं। अगले सप्ताह कजाकिस्तान पहुंचने तक वे पांच अभियानों के दौरान 1,110 दिन अंतरिक्ष में बिता चुके होंगे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने माता भद्रकाली मंदिर में दर्शन-पूजन कर परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की

झारखंड में आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगी बीजेपी: राजनाथ सिंह

चतराः केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एक दिवसीय दौरे पर आज झारखंड के चतरा पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। माता भद्रकाली मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद उन्होंने झारखंड सरकार के खिलाफ परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। इसके बाद राजनाथ सिंह ने इटखोरी हाई स्कूल मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) झारखंड में आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगी. घुसपैठियों को झारखंड से बाहर निकाला जाएगा. ये बातें शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहीं.

इटखोरी में भाजपा के परिवर्तन रथ को दिखाई हरी झंडी

इटखोरी के हाई स्कूल मैदान में हजारीबाग प्रमंडल के भाजपा के परिवर्तन रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद राजनाथ सिंह ने परिवर्तन सभा को संबोधित किया. परिवर्तन सभा में उन्होंने राहुल गांधी से लेकर हेमंत सोरेन तक पर हमला बोला. कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी को भी निशाने पर लिया. राजनाथ सिंह ने झारखंड के मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन पर हमला बोलते हुए कहा कि भारत किसी भी दागी व्यक्ति को कभी स्वीकार नहीं करेगा. उन्होंने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन को सत्ता से हटाने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में लाने का वक्त आ गया है.

हेमंत सोरेन ने लोकतंत्र से खिलवाड़ किया

रक्षा मंत्री ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रथाओं के साथ खिलवाड़ किया है. वह भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं. इस बार के विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंकेगी. झारखंड में इस बार भाजपा की सरकार बनेगी. हमारी सरकार बनते ही विकास के काम शुरू होंगे और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होगी.

राहुल गांधी ने सिखों को उकसाया है : राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने कहा कि झारखंड के विकास की राह में तीन रोड़े हैं – झामुमो, कांग्रेस और राजद. उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोला. कहा कि राहुल गांधी ने विदेश में भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की. उन्होंने सिखों को उकसाया है.

रक्षा मंत्री ने भद्रकाली मंदिर में की पूजा-अर्चना: हजारीबाग प्रमंडल के परिवर्तन रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने से पहले इटखोरी स्थित प्रसिद्ध मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की. यहां से वह सड़क मार्ग से हाई स्कूल मैदान इटखोरी पहुंचे और विशाल जनसभा को संबोधित किया.

केंद्रीय मंत्री ने दावा करते हुए कहा कि झारखंड में इस बार बीजेपी की सरकार बनेगी। बीजेपी की सरकार बनते ही यहां विकास के काम शुरू होंगे और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

शिवराज सिंह ने कहा- माँ भद्रकाली मंदिर परिसर के जीर्णोद्धार का कार्य करेगी भाजपा: केंद्रीय कृषि मंत्री एवं झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो सबसे पहले माँ भद्रकाली मंदिर परिसर के जीर्णोद्धार का कार्य करेगी जिसे हेमंत सरकार द्वारा रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर रोक लगाने वाली सरकार, पाँच लाख नौकरी देने वाली हेमंत सरकार युवाओं को दौड़ा दौड़ा कर मार रही है। जुल्म की पराकाष्ठा है। बेईमान और भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हुए कहा कि परिवर्तन यात्रा झारखंड को नया परिवर्तन देगी।

बाबूलाल मरांडी बोले- एमपी, छग, ओडिसा के तर्ज पर माँ बहनों के सम्मान में देगी भाजपा: प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि युवाओं को हेमंत सोरेन ने जॉब नहीं मौत दिया है। ऐसी निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा की हेमंत की सरकार ने पाँच वर्षों तक झारखंड के खनिज संपदा को लूटने का कार्य किया है। बालू कोयला, पत्थर यहाँ तक की सेना की जमीन भी लूट लिया। उन्होंने कहा कि गिना गूथा नौकरी भी हेमंत सरकार ने पैसे लेकर बेंच दिया। सरकार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनी तो छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उड़ीसा के तर्ज पर प्रदेश की माँ बहनों का सम्मान किया जाएगा और जेएमएम से बेहतर योजना लागू किया जायेग। उन्होंने कहा कि परिवर्तन यात्रा का प्रचार प्रसार ना हो इस कारण नेट बंद कर दिया गया है।

झारखंड में इंटरनेट बंद करने का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

रांचीः झारखंड में जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के कारण इंटरनेट सेवा बंद किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गयी है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की बेंच में इस मामले की शनिवार को सुनवाई की गयी. खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से पूछा कि इंटरनेट बंद करने के लिए क्या पॉलिसी है? क्या सभी परीक्षाओं में इसी तरह इंटरनेट बंद कर दिया जाएगा? हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया.

अवकाश के बावजूद हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

प्रार्थी अधिवक्ता राजेंद्र कृष्ण ने आज शनिवार को ही हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी. इसे शनिवार को अवकाश के बावजूद अधिसूचित किया गया और खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की. जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई के बाद राज्य सरकार को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है.

इंटरनेट शुरू होते ही लोगों ने ली राहत की सांस

झारखंड में इंटरनेट सेवा शनिवार को दोपहर पौने दो बजे से बहाल हो गयी है. इंटरनेट सेवा शुरू होते ही राज्य के लोगों ने राहत की सांस ली. झारखंड स्टेट सर्विस कमीशन (जेएसएससी) की ओर से आयोजित जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर सुबह 5 बजे से इंटरनेट सेवा ठप थी. पौने दो बजे के बाद इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गयी है.

जसवंत सिंह हत्याकांड

अमर, वंश नारायण और रणधीर को उम्रकैद

रांची सिविल कोर्ट ने ठाकुर जसवंत सिंह हत्याकांड के दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने दोषियों के पर पांच-पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है. अदालत ने इस केस में अमर सिंह, वंश नारायण सिंह और रणधीर सिंह को 11 सितंबर को दोषी करार दिया था. शनिवार को कोर्ट ने दोषियों की सजा की बिंदु पर सुनवाई की. बता दें कि 9 अक्टूबर 2015 को धुर्वा थाना क्षेत्र ठाकुर जसवंत सिंह की धुर्वा इलाक़े में दिनदहाड़े गोली कर हत्या कर दी गई थी. जिसके बाद मृतक के पिता राणा संग्राम सिंह ने धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी. जिसका कांड संख्या 262/2016 है. प्राथमिकी में अमर सिंह, वंश नारायण सिंह, रणधीर सिंह समेत दो अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया था.

11 आईएएस का ट्रांसफर, सुलोचना मीना पलामू और श्रुति राजलक्ष्मी चक्रधरपुर की नयी एसडीओ

रांचीः झारखंड सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 11 पदाधिकारी का स्थानांतरण पदस्थापन किया है. इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दिया है. अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर देवघर आशीष अग्रवाल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक परियोजना निदेशक समेकित जनजातीय विकास अभिकरण सरायकेला खरसावां के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है. अनुमंडल पदाधिकारी खूंटी अनिकेत सचान को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के पद पर नियुक्त एवं पदस्थापित किया गया है. अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद पीयूष सिन्हा को स्थानांतरित करते हुए अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था धनबाद के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है.

अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर रीना हंसदा को स्थानांतरित करते हुए परियोजना निदेशक समेकित जनजातीय विकास अभिकरण गुमला के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है. अवर सचिव वित्त विभाग शताब्दी मजूमदार को स्थानांतरित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम के पद पर नियुक्त किया गया है. प्रतीक्षारत श्रुति राज लक्ष्मी को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी चक्रधरपुर के पद पर नियुक्त किया गया है. प्रतीक्षारत रवि कुमार को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी देवघर के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है. प्रतीक्षारत दीपेश कुमारी को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी खूंटी के पद पर नियुक्त किया गया है. प्रतीक्षारत कृष्णकांत कांवरिया को अगले आदेश तक हुसैनाबाद का अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया है. सुलोचना मीणा को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी मेदिनी नगर सदर के पद पर नियुक्ति एवं पदस्थापित किया गया है. प्रतीक्षारत प्रांजल ढाडा को अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी जगन्नाथपुर के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है.

नक्सली जया मांझी की रिम्स में मौत, एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग उर्फ विवेक की थी पत्नी, कैंसर से थी पीड़ित

रांचीः एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक की पत्नी जया मांझी की इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गयी है. वह गॉल ब्लैडर के कैंसर से पीड़ित थी. उसका इलाज ओंकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ अजीत कुशवाहा की यूनिट में चल रहा था. रिम्स के पीआरओ डॉ राजीव रंजन ने बताया है कि पहले उनको सर्जरी वार्ड में भर्ती कराया गया था. लेकिन कैंसर डिटेक्ट होने के बाद ओंकोलॉजी में शिफ्ट कर दिया गया था. करीब डेढ़ माह पहले मेडिकल बोर्ड गठित कर उनके स्वास्थ्य की जांच की गई थी. मेडिकल बोर्ड ने उच्चतम मेडिकल संस्थान में रेफर करने की अनुशंसा की थी. रिम्स प्रबंधन ने मेडिकल बोर्ड के इस अनुशंसा को एक सप्ताह पहले भी रिमाइंडर के रूप में जेल प्रशासन को भेजा था. पीआरओ ने बताया कि गॉल ब्लैडर का कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल गया था.

25 लाख की इनामी नक्सली जया मांझी को 16 जुलाई 2024 को गिरिडीह पुलिस ने धनबाद के एक निजी अस्पताल से गिरफ्तार किया था. तब वह नाम बदलकर इलाज करवा रही थी. जया मांझी भाकपा माओवादी संगठन के महिला विंग का कामकाज देखती थी. कुछ समय से जया की तबीयत खराब चल रही थी. इसी वजह से गुपचुप तरीके से उसे धनबाद के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था. लेकिन पुलिस को इसकी भनक लग गयी.

जया का पति भाकपा माओवादी के सेंट्रल कमेटी का सदस्य है. उसपर एक करोड़ का इनाम है. वह धनबाद के टुंडी प्रखंड स्थित दलूबेडा का रहने वाला है. जया के खिलाफ भी गिरिडीह के अलग-अलग थानों में करीब दर्जन भर मामले दर्ज हैं. वह मधुबन थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में भी शामिल थी.

आतिशी दिल्ली की सबसे युवा सीएम बनीं: शपथ के बाद आतिशी ने केजरीवाल के पैर छुए, 5 मंत्रियों ने शपथ ली, मुकेश अहलावत नया चेहरा

नई दिल्लीः आतिशी ने शनिवार को दिल्ली की 17वीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजनिवास में उन्हें एलजी विनय सक्सेना ने शपथ दिलाई। शपथ के बाद आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के पैर छुए। वे दिल्ली की सबसे युवा और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं। उनसे पहले सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित सीएम रह चुकी हैं। आतिशी के बाद सौरभ भारद्वाज. गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट में मुकेश अहलावत एकमात्र नया चेहरा हैं।

43 साल की आतिशी कालकाजी सीट से तीन बार की विधायक हैं। आतिशी दिल्ली की सबसे युवा सीएम होने का केजरीवाल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। आतिशी 43 साल की हैं, जबकि 2013 में पहली बार सीएम बनने के समय केजरीवाल 45 साल के थे। आप

विधायकों ने 17 सितंबर को केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी का नाम सीएम के रूप में फाइनल किया था। आतिशी के शपथ ग्रहण समारोह में आम आदमी पार्टी कन्वेनर अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और पंजाब सीएम भगवंत मान शामिल रहे।

कैबिनेट में ये 6 चेहरे ही क्यों

1. **आतिशीः** केजरीवाल और सिसोदिया की भरोसेमंद केजरीवाल और सिसोदिया के जेल में रहते हुए पार्टी का मजबूती से स्टैंड रखती रहीं हैं। स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने के लिए भी केजरीवाल ने आतिशी के नाम की सिफारिश की थी। 2013 के विधानसभा चुनावों के लिए आप का घोषणापत्र तैयार करने वाली समिति की प्रमुख सदस्य थीं। उसके बाद से ही पार्टी को विस्तार में अहम भूमिका निभाती रही हैं।

2. **सौरभ भारद्वाजः** पार्टी का मजबूती से पक्ष रखते हैं 2013 से विधायक और मंत्री हैं। केजरीवाल के भरोसेमंद नेता हैं। केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह के जेल में रहने के दौरान आतिशी के साथ भाजपा पर लगातार हमलावर रहे हैं। मनीष सिसोदिया के जेल जाने पर आतिशी के बाद महत्वपूर्ण मंत्रालय सौरभ को ही सौंपे गए।

3. **गोपाल रायः** वर्किंग क्लास कम्युनिटी के बीच अच्छी पकड़ 2013 में पहली बार सत्ता में आने के बाद से आप सरकार का हिस्सा रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। केजरीवाल के भरोसेमंद माने जाते हैं। दिल्ली की वर्किंग क्लास कम्युनिटी के बीच अच्छी पकड़ है। कई मौकों पर पार्टी के लिए संकटमोचक बनकर उभरे हैं। मौजूदा दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री हैं। मंत्री पद संभालने का लंबा अनुभव है।

4. **कैलाश गहलोतः** जाट परिवार से हैं, पॉलिटिकल फंडिंग के लिए महत्वपूर्ण एलजी विवेक सक्सेना के साथ अच्छे रिश्ते हैं। एलजी ने 15 अगस्त पर आतिशी की जगह झंडा फहराने के लिए गहलोत को चुना था। जाट परिवार से हैं। हरियाणा में जाट बीजेपी से नाराज हैं। हरियाणा चुनाव में पार्टी उन्हें कैबिनेट से ड्रॉप नहीं करना चाहती। वे 2017 से लगातार परिवहन मंत्रालय संभाल रहे हैं।

5. **इमरान हुसैनः** अकेला मुस्लिम चेहरा, दिल्ली में करीब 11.7% मुस्लिम पॉपुलेशन केजरीवाल की कैबिनेट में अकेले मुस्लिम चेहरा थे, इसलिए आतिशी की कैबिनेट में भी पार्टी उन्हें रिटेन करना चाह रही है। दिल्ली में करीब 11.7% मुस्लिम पॉपुलेशन है। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी अल्पसंख्यक वोटबैंक पर पकड़ बनाए रखना चाहती है।

6. **मुकेश अहलावतः** दलित समुदाय से आते हैं, दिल्ली में 12% दलित पॉपुलेशन दलित समुदाय से आने वाले मुकेश अहलावत राजकुमार आनंद की जगह लेंगे। दिल्ली में 12% दलित पॉपुलेशन है। पहली बार के विधायक अहलावत को मंत्री बनाकर पार्टी दलित वोटबैंक साधना चाहती है।

पत्रकार रवि प्रकाश को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन

कहा-पत्रकारिता जगत ने प्रतिभावान साथी को खो दिया

रांचीः वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश का पार्थिव शरीर शनिवार को रांची के प्रेस क्लब में दर्शनार्थ रखा गया था. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे और अपनी संवेदना जताई. हेमंत सोरेन परिवार के लोगों से भी मिले और अपने संदेश में कहा कि यह पत्रकारिता जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है, रवि प्रकाश जैसा युवा और प्रतिभावान पत्रकार अब इस दुनिया में नहीं है. उन्होंने उनकी आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की. निधन से मात्र तीन दिन पहले रवि प्रकाश अमेरिका से अवार्ड लेकर लौटे थे. उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटा है.

कांके प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने विधानसभा चुनाव के लिए दस नामों का सूची प्रदेश अध्यक्ष क़ो भेजा

कांके(मोहसीनआलम):कांके प्रखंड कांग्रेस कोर कमिटी की बैठक शनिवार क़ो कांग्रेस प्रखंड कमेटी के अध्यक्ष संजर खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई, बैठक में मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सह कांके विधानसभा के पर्यवेक्षक शाहिद अहमद शामिल हुए, बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत हासिल करने पर चर्चा की गई. वहीं कांके विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए जमा किये 65 लोगों के आवेदनों पर गहन चिंतन करते हुए क्षेत्र में सक्रिय रहने वाले और सामाजिक कार्यों में हमेशा जुड़े रहने वाले दस लोगों के नामों का सूची बनाकर पर्यवेक्षक शाहिद अहमद के हाथों प्रदेश अध्यक्ष को भेजा गया,दस नामों में सुरेश बैठा का नाम सबसे ऊपर रखा गया जिन्होंने पिछले दो बार कांके विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुकें हैं, दोनों बार उन्हें भले ही हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन इस बार वह बड़े रेस में हैं,वहीं कांके विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार पर जीत हासिल करने वाले विधायक रामचंद्र बैठा का पुत्र चंदन बैठा का नाम कोर कमेटी ने दूसरे नंबर पर रखा है,अगर चंदन बैठा पर भरोसा जताकर पार्टी ने उम्मीदवार बनाया तो निश्चित तोर पर कांग्रेस के झोली में एक सीट आ सकती है,वह बड़े सक्रिय युवा नेता के रूप में क्षेत्र में उभर कर आए हैं,वहीं दस नामों में एक महिला नेत्री इन्दा देवी का नाम प्रखंड कोर कमेटी ने चयन किया हैं, इसके अलावा क्षेत्र के युवाओं के दिलो में जगह बनाने वाले शिव टहल नायक का नाम भी सूची में रखा गया है,शिव टहल नायक के अलावा दिल रंजन पासवान, महेश कुमार मनीष,सहदेव राम,किशोर नायक, प्रेम कुमार,सुरेन राम का नाम पर कोर कमेटी ने हस्ताक्षर युक्त सूची लिफाफे में बंद करके प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया.बैठक में कोर कमेटी के सदस्य सह मंडल अध्यक्ष मो.नसीम अंसारी,अर्जुन मुंडा,मुस्ताक आलम मो.अशरफ,राधा नायक,अफजाल अंसारी पप्पू खान,फिरोज अहमद उपस्थित थे।

बरकट्ठा : दिव्यांगों के बीच ट्राई साइकिल का वितरण

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड मुख्यालय परिसर में दिव्यांगों के बीच ट्राई साइकिल वितरण किया गया। छह दिव्यांग के बीच मुख्य अतिथि बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, प्रखंड प्रमुख रेणू देवी, बीडीओ रोशमा डुंगडुंग, सीओ श्रवण कुमार झा ने ट्राई साइकिल वितरण किया।इस मौके पर विधायक अमित यादव ने कहा कि दिव्यांगो को ट्राई साइकिल के मिलने से कहीं आने जाने में सहुलियत होगी। ट्राई साइकिल प्राप्त करने वालों में छोटी भुइयां, श्रीराम कुमार, विजय यादव, संजय यादव, धौलवा कुमारी, शांति कुमारी शामिल हैं।इस अवसर पर सीडीपीओ नीलू रानी, झारखंड आंदोलन कारी धीरेंद्र पांडेय, सांसद प्रतिनिधि केदार साव, समीम अंसारी, डेगलाल साव, रमेश कुमार, प्रेमलता कुमारी, राजकुमार यादव समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

आदिवासी बहुत क्षेत्र सिजुआ में मुखिया रीता देवी ने अपने खर्च पर करवाया सड़क मरम्मत

संवाददाता सहबाज़ खान , बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आदिवासी बहुत क्षेत्र सिजुआ में मुखिया ने अपनी खर्च पर सड़क मरम्मत करवाया है। जानकारी हो कि एक सप्ताह पूर्व लगातार हुई बारिश के कारण सड़क टूट जाने के कारण ग्रामीणों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। गांव में एक और सड़क से आवागमन का रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका था। जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने चेचकप्पी मुखिया रीता देवी और मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव को दिया। मुखिया ने सड़क कि समस्या पदाधिकारी को अवगत कराया लेकिन समस्या का निदान नहीं हुआ। जिसके बाद मुखिया ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर अपने निजी खर्चे से सीमेंट व बालू देकर ग्रामीणों के सहयोग से श्रमदान कर सड़क को बनाया गया। ग्रामीणों ने मुखिया के इस नेक कार्य पर आभार व्यक्त किया। मौके पर श्रमदान कर सड़क बनाने में वार्ड सदस्य रिंकी देवी, कामेश्वर सिंह, अरुण सिंह, नारायण सिंह, विशनुधारी सिंह, विद्या देवी, कौशल्या देवी समेत अन्य कई लोग शामिल रहे।

गांव के सैकड़ों ग्रामीणों का मिलन समारोह के दौरान

तमाड़ - तमाड़ दर्जनों गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने तमाड़ स्थित कोमिडा कासा में एक मिलन समारोह के दौरान बिरसा विकास समिति की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर बिरसा विकास समिति के महासचिव पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर एवं उनके धर्मपत्नी संरक्षक आरती पीटर मुख्य रूप से उपस्थित थे। प्रखंड के पेड़ाईडीह, परासी,सुन्दरडीह चाडवाडीह, जामडीह, हेपसेल, विनसाईडीह, दुलमी, डिम्बुडीह,बारेडीह उलीलोहर, आदि गाँव के सैकड़ों लोगों ने बिरसा विकास समिति में आस्था व्यक करते हुए सदस्यता ली। इस दौरान उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए राजा पीटर ने कहा तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के ज्वलंत समस्याओं को लेकर विरसा विकास समिति संघर्ष करते आ रही है। अब आप लोगों के सहयोग से यह संघर्ष ज्यादा धारदार हो जाएगा। आप सबों ने बिरसा विकास समिति का दामन थामा इसका में तहे दिल से आप लोगों का स्वागत करता हूं। तमाड़ के नहर रास्ता को चलने लायक में अपने प्रयास से करूँगा। इस अवसर पर धनंजय स्वांसी, सत्यनारायण मुंडा, मिलन चटजी,आशीष पांडे, अमित गागुली,दिपक शाहदेव,राजा कर्मकार आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का तहफ्फुज़ अवकॉफ कांफ्रेंस 6 अक्टूबर को हज़ हाउस रांची मे

रांची : ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सलन लॉ बोर्ड के द्वारा एक राज्य स्तरीय तहफ्फुज अवकॉफ कान्स्स' का आयोजन कडरू स्थित हज हाउस, राँची में दिनांक 6 अक्टूबर, 2024 (रविवार) को होना सुनिश्चित है। कार्यक्रम से संबंधित पूर्व जानकारी उपलब्ध कराते हुए बोर्ड के सदस्यों ने प्रेस प्रतिनिधियों से बताया कि कॉन्फ्रेन्स की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष हजरत मौलाना खालिद सैफुल्ला रहमानी साहब के द्वारा किया जाएगा। इस कॉन्फ्रेन्स में मुख्य अतिथि के रूप में मौलाना फजलुर रहीम मुज्जद्दी के अतिरिक्त अन्य इस्लामिक स्कॉलर द्वारा सभा को

सम्बोधित किया जाएगा। आयोजकों व बोर्ड के सदस्यों ने यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल 2024 पर देश के पाँच करोड़ से अधिक समुदाय विशेष के लोगों ने ऑन लाईन के माध्यम से लोकसभा के स्पीकर द्वारा गठित जे०पी०सी० के समक्ष मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर अपना विरोध दर्ज कराया है, और ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी इस संशोधन बिल के विरोध में देशगर में इस तरह का आयोजन कर मुस्लिम समाज के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। विदित हो कि ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का प्रतिनिधिमंडल लगातार जे०पी०सी० से सम्पर्क में है और अपने मंतव्य से अवगत करा रहे है कि उक्त बिल मुस्लिम समुदाय के हित में नहीं ये मुस्लिम समुदाय की आस्था का मामला है, इसपर किसी भी तरह का हस्तक्षेप समुदाय विशेष (मुस्लिमों) को बर्दाश्त नहीं होगा, इसे तत्काल प्रभाव से केन्द्र सरकार वापस ले। आज के इस प्रेस वार्ता में मौलाना अबू तालिब रहमानी, डॉक्टर मजीद आलम, डॉ० मौलाना मोहम्मद यासीन कासमी, मुफ्ती नजर तौहिद, मुफ्ती अनवर कासमी, वरीय अधिवक्ता अब्दुल अल्तान साहब, मौलाना शम्शुल हक सल्फी सभी सदस्य ऑल इण्या मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में ऑल इण्डिया मिल्ली काउंसिल, झारखण्ड के महासचिव रियाज शरीफ एवं मुफ्ती तल्हा कासमी भी उपस्थित रहे।

डेंटल सर्जन डॉ.ललित किशोर हुए सम्मानित

रांचीः किशोर डेंटल क्लिनिक,रांची एवं बोकारो के प्रबंध निदेशक एवं छात्र क्लब चिकित्सक मंच के संरक्षक प्रख्यात डेंटल सर्जन डॉ.ललित किशोर जी को बिजनस इन भारत संस्था ने विगत दिनों रांची जिमखाना क्लब मे एक भव्य सम्मान समारोह आयोजन कर दंत चिकित्सा के क्षेत्र मे 12 वर्षों से सफल एवं उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए आइकॉनिक डेंटिस्ट ऑफ द ईयर इंटरनेशनल विजियोनरी अवॉर्ड - 2024 से मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया।उन्हें यह अवॉर्ड मुख्य अतिथि देश की मशहूर फिल्म अभिनेत्री भाग्यश्री के हाथों द्वारा प्रदान किया गया।इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी रमेश सिंह,छात्र क्लब चिकित्सक मंच के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांस सहित डॉ. ललित किशोर जी के माता जी यशोदा देवी, पिताजी जगदीश चंद्र महतो,पत्नी स्मित किशोर आदि मौजूद थे। इस अवार्ड शिरोमणि कार्यक्रम के मुख्य आयोजक श्रीकांत जी, आलोक सिंह एवं रणधीर जी थे।उन्हें यह अवार्ड मिलने पर छात्र क्लब चिकित्सक मंच,अनेक मित्रगण एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

ओरमांझी के भाजपा कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन यात्रा को लेकर की बैठक

ओरमांझी(मोहसीनआलम):भारतीय जनता पार्टी ओरमांझी मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता की अध्यक्षता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी परिसर में परिवर्तन यात्रा को सफल बनाने क़ो लेकर बैठक कि गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू उपस्थित थे उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा हेमंत सरकार के कुशासन को समाप्त करने और झारखंड में विकास सुशासन और समृद्धि लाने के उद्देश्य से परिवर्तन यात्रा 30 सितंबर को भाजपा द्वारा तमाड़ से सुरूवात किया जाएगा। और देवड़ी मंदिर में पूजा अर्चना के पश्चात सिली में जन सभा को सम्बोधित करेंगे।साथ ही सिल्ली से मोटर साइकिल जुलूस के साथ रुपडू होते हुए खिजरी विधानसभा स्तरीय सम्मेलन टाटी सिलवे मैदान पहुंचेंगे इसमें भारी संख्या में कार्यकर्ताओ से भाग लेने का आह्वान किया,साथ ही साहू ने कहा हेमंत सोरेन ने चुनाव में कहा था मेरी सरकार बनी तो बेरोजगारी दूर करेंगे. लोगों को रोजगार देंगे.नहीं देने सके तो बेरोजगारी भत्ता प्रत्येक महीना 7500 हजार रुपए यानी 5 साल में चार लाख 450000 रुपए देंगे। नहीं देने सके तो राजनीति से सन्यास ले लेंगे। अब चुनाव के समय में एक 1हजार देकर महिलाओं को ठकने का कार्य कर रही है। अपनी नाकामी छुपाने के लिए इस तरह का योजना आन फान में लाया जा रहा है। पूरे प्रदेश में बालू की मंहगाई से जनता त्रस्त है सरकार परस्त है।पर सरकार को कोई मतलब नहीं है।ऐसी निकम्मी सरकार को जनता उखाड़ने के लिए दृढ़ संकल्प है इसी निमित्त परिवर्तन यात्रा पूरे झारखंड में किया जा रहा है. बैठक में सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मृतक युवक क़ो न्याय दिलाने क़ो लेकर गणेशपुर के ग्रामीणों की बैठक

ओरमांझी(मोहसीन आलम):ओरमांझी प्रखंड के जयडीहा पंचायत रहने वाले गणेशपुर निवासी देवन बेदिया का पुत्र नीलमोहन बेदिया उम्र 27 वर्ष का शव पिछले सात दिन पुव कुएं से सन्दिग्ध स्थिति में बरामद हुआ था जिसपर परिजनों व ग्रामीणों ने अज्ञात लोगों द्वारा उक्त युवक की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से कुएं में फेंकने का आशंका व्यक्त किया था और इसकी गहराई से जांच करने की पुलिस प्रशासन से मांग किया गया था किन्तु ग्रामीणों के मुताबिक घटना के सात दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा इस पर गम्भीरता से नहीं लिया गया स्थानीय पुलिस प्रशासन पर ग्रामीणों ने यह आरोप लगाते हुए इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने को लेकर पंचायत के ग्रामीण गोलबंद होकर गणेशपुर गांव में अखरा के पास शनिवार को पंचायत समिति सदस्य प्रवेश भोक्ता की अध्यक्षता में पंचायत बैठक हुई जिसमें पुव विधायक रामकुमार पहान पुव मुखिया बिनोद बेदिया वाड सदस्य कुलेश्वर करमाली जगरनाथ बेदिया ग्राम प्रधान शंकर करमाली सीताराम मुण्डा घनेनाथ करमाली समाजिक कार्यकर्ता कामेश्वर बेदिया प्राणेश्वर गझु बालकिशोर मुण्डा मोहित करमाली मिलाम्बर खरवार सेवाराम बेदिया घुमेश्वर बेदिया रमेश महतो उपमुखिया जगेश्वर बेदिया मनीराम बेदिया कुलेश्वर करमाली बिशुन बेदिया चन्द्रदेव मुण्डा रामराज महतो सहित काफी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे सभी ने घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा युवक की मौत आकस्मिक नहीं है इसकी हत्या कर घसिटते हुए कुएं मा डाल दिया गया है पर प्रशासन कोई रुचि नहीं दिखा रहीं हैं. इसी को लेकर आज रविवार को पुरे पंचायत के लोगों का गणेशपुर में महापंचायत बुलाने का निर्णय लिया गया है जिसमें रांची सांसद सह केन्द्रीय मंत्री संजय सेठ विधायक राजेश कच्छप पुव सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पहान,जिप सदस्य से लेकर वार्ड सदस्य को महापंचायत में आमंत्रित किया गया है.वहीं बैठक में ही मौके पर पूर्व विधायक रामकुमार पहान ने सिल्ली डीएसपी से फोन पर बात कर घटना की जानकारी देते हुए इसकी गम्भीरता पूर्वक जांच करवाने की बात कही।

बेलकप्पी में आजीविका महिला मंडल का द्वितीय वार्षिक आमसभा आयोजित

संवाददाता सहबाज़ खान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेलकप्पी में आजीविका महिला मंडल का द्वितीय वार्षिक आमसभा आयोजित किया गया।कार्यक्रम संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के बैनर तले किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, मुखिया ललिता देवी, पंसस विकास पांडेय, झारखंड आंदोलन कारी धीरेंद्र पांडेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता क्लस्टर अध्यक्ष निलम हेंब्रम ने की व संचालन लेखापाल प्रतिमा पांडेय ने किया। कार्यक्रम में बेलकप्पी महिला संकुल संगठन अंतर्गत गोरहर, शिलाडीह, बरकट्ठा उत्तरी एवं बेलकप्पी पंचायत कि जेएसएलपीएस की 186 महिला समूह की महिलाओं ने भाग लिया। इस मौके पर विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि जेएसएलपीएस के द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास काफी सराहनीय है। इससे जुड़कर महिला ऋण प्राप्त कर अपना रोजगार शुरू कर अपने परिवार का भरन पोषण कर रही हैं।कोर्डिनेटर प्रदीप कुमार ने बताया कि क्लस्टर में चार पंचायत के 17 गांव, 2505 सदस्य और 12 ग्राम संगठन जुड़ा है. इस अवसर पर सचिव सोनिका कुमारी, आईपीआरपी सरस्वती देवी, अंजली देवी, प्रकाश कुमार, नारायण प्रसाद समेत बड़ी संख्या में महिला सदस्य मौजूद रहीं।

डिवाडर से टकराने से मोटरसाईकील सवार युवक की मौत

तमाड़ -तमाड़ थाना क्षेत्र के रांची -टाटा मार्ग पर खक्सीडीह के समीप सड़क किनारे लगा डिवाडर से टकराने से मोटरसाईकील सवार एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गया जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, घटना शनिवार 5बजे शाम की है घटना के सम्बन्ध मे बाताया जाता है की बुंडू आराडीह निवासी अलिन्द्र सिंह मुंडा व जगाईसिगु निवासी सत्येंद्र सिंह मुंडा दोनों मोटरसाईकल मे सवार सालगाडीह मे कुछ कार्यक्रम देखकर तेजगति से तमाड़ की और आ रहे थे जिससे मोटरसाईकील संतुलन खो बैठे और सड़क किनारे बना डिवाइडर को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे अलिन्द्र सिंह मुंडा की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गया जबकि सत्येंद्र सिंह मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गया पुलिस शव को अपने कब्जे कर थाना ले आई जबकि घायल युवक को तमाड़ अस्पताल में प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज के लिए रांची भेज दिया, इधर दूसरी सड़क दुर्घटना थाना क्षेत्र के देवड़ी पेट्रोल पम्प के समीप घटी घटना के सम्बन्ध मे बताया जाता है की अलकापुरी रांची निवासी धीरज कुमार अग्रवाल बुलेट से जमशेदपुर की ओर जा रहे थे इसी दौरान देवडी पेट्रोल पंप के निकट बुलेट का अगला चक्का फट जाने से सड़क पर गिर कर घायल हो गया जिसको प्राथमिक इलाज के लिए तमाड़ अस्पताल भेज दिया गया.

केंद्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में ओ0 बी0 सी0 एकता अधिकार मंच के प्रतिनिधि मंडल, केंद्रीय कृषी मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर 11 सूत्री माँग पत्र सौपा

रांचीः केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव (बी० डी०) प्रसाद के नेतृत्व में ओ० बी० सी० एकता अधिकार मंच के प्रतिनिधि मंडल, केंद्रीय कृषी मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर 11 सूत्री माँग पत्र सौपा जातीय जनगणना कराकर देश में सभी क्षेत्रों में राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक एंव् नौकरी में आरक्षण बढ़ाने का माँग किया तथा झारखंड में लगभग 85% किसानों की आबादी है जिसमें 50% ओ० बी०सी० किसान परिवार निवास करते है । झारखंड के किसानों के हीत में केंद्रीय सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर बाज़ार की व्यवस्था उनके उत्पाद का उचित समर्थन मूल्य देने का माँग किया तथा किसानों के लिए सभी प्रखंड मुख्यालय में उनके उत्पाद के लिए प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने का माँग किया एंव् राज्य में ओ०बी०सी० की हालत व उनके उत्थान कैसे होगा उस विषय पर विस्हेतु रूप से चर्चा हुआ एंव् ओ०बी०सी० एकता अधिकार मंच का 11 सूत्री माँग को चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करने का माँग किया । जिसमें केंद्रीय महासचिव श्रवण कुमार, केंद्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष शकुंतला जयसवाल, केंद्रीय सदस्य पंकज साहू, केंद्रीय सदस्य शुभम् कुमार, अम्बर कुमार, पवन साहू केंद्रीय कार्यालय प्रभारी हिमालय कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
जिला खेल पदाधिकारी, कार्यालय, गुमला
(जिला पर्यटन,कला–संस्कृति,खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा), रूम –04 एवं 05 नया समाहरणालय, गुमला –835207, Email id- sportsgula@gmail.com

आम–सूचना

निःशुल्क **Water Sports** आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि गुमला जिला के स्थानीय नाविक या वर्त्तमान में बिना लाईसेंस के नौका संचालन से जुड़े हुए इच्छुक व्यक्ति पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा खेलगाँव कॉके डैम, राँची तथा पतरातू डैम, रामगढ़ में National Institute of Water Sports, Panji, Goa के सहयोग से Life Saving Technique – Water Sports एवं Power Boat Handling- Tiller का निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अक्टूबर 2024 के प्रथम सप्ताह में किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें इच्छूक अभ्यार्थी जिनकी आयु दिनांक– 15.02.2024 को न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 50 वर्ष के मध्य हो प्रशिक्षण में भाग ले सकेंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30.09.2024 है। आवेदन ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों माध्यम से कर सकते है। जिसकी जानकारी झारखण्ड पर्यटन की Website:- https://tourism.jharkhand.gov.in या जिला के खेलकूद व पर्यटन कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

जिला खेल पदाधिकारी,
गुमला

PR 336513 District(24-25)#D

शिक्षक दिवस सह स्थापना दिवस समारोह आयोजित

तमाड़ - तमाड़ इंटर कॉलेज सलगाड़ीह में शनिवार को शिक्षक दिवस सह स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह की शुरुवात जिला परिषद सदस्य मांनकी विजय सिंह मुंडा के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर व सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य कृष्णा सिंह मुंडा व संचालन प्रोफेसर घनश्याम महतो, राजकुमार मांझी ने किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज की उपलब्धि के बारे में शिक्षक प्रतिनिधि रंजीत कुमार मोदक ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम में झारखंड आंदोलनकारी और झारखंड अधिविध परिषद के सदस्य डॉ राधा रमन साहू, अमर इंटर कॉलेज प्रबंधन समिति के सचिव मूची राम अहीर, पूर्व अध्यक्ष शत्रुघ्न उरांव, पेडाईडिह मुखिया अनीता देवी सहित कॉलेज के सभी शिक्षक, कर्मचारी छात्र-छात्राएं आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, चतरा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० –05/2024–25
Call No. 1

टेन्डर रेफरेन्स नं०: प०नि०वि० / चतरा / 794 दिनांक : 20.09.2024

1.	कार्य का नामः	चतरा बस स्टैण्ड (NH-100) से चौपारण–चतरा (MDR-66) नगवाँ बाईपास पथ का साधारण मरम्मति कार्य। (वर्ष 2024–25)
2.	प्राक्कलित राशि :	रू0 95,00,000=00 (पन्चानबे लाख रूपये) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि :	2 (दो) माह
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि / समय	30.09.2024 12:00 बजे दोपहर तक
5.	बेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :	21.09.2024 10:30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, चतरा।
7.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :	06541–224540
8.	ई0 प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या :	0651–2446007

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि०, पथ प्रमण्डल, चतरा।

PR 336519 Road(24-25)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
MINOR IRRIGATION DIVISION, HAZARIBAG.

Very Short e-Procurement Tender Notice
3rd Call
Tender Reference No. :- WRD/MID/HAZARIBAG/F2-17/2024-25
Letter no - 1021 Date:-.20.09.2024

1.	Name of the work	Construction of Checkdam at Ghadsari Nala Block- Chouparan, District- Hazaribag
2.	Estimated Cost (Rs.)	**Rs.- 55,80,027.09**
3.	Time of Completion	11 Months
4.	Date of Publication of e-Tender on website	24.09.2024 at 3:00 P.M **(e-Procurement Portal- http://jharkhandtenders.gov.in)**
5.	Last date/Time for Submission of e-Tender bids Online	01.10.2024 up to 5:00 P.M
6.	Last Date for Online Submission of Tender Fee and EMD	01.10.2024 up to 5:00 P.M
7.	Date of opening of e-Tender	04.10.2024 at 03:00 P.M
8.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Hazaribag
9.	Contact no. of e-Procurement officer	06546-270485
10.	E-mail of e- Procurement officer	eemidhbg-cemr-jhr@nic.in

Note:- 1). Published Estimated Cost May be Increased or Decreased.
2). Mode of Submission of Online Tender/Tender Fee/EMD Through http://jharkhandtenders.gov.in

PR 336539 Minor Irrigation(24-25).D

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,Hazaribag.

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, लोहरदगा

अति–अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना
नेशनल कम्पेटेटिभ बिडिंग
(1st Call) गैर–योजना मद
ई–टेण्डर रेफ्रेंस नं० : प०नि०वि० / लोहरदगा–619 / 2024–25
दिनांक : 20.09.2024

1.	कार्य का नाम	कचहरी मोड़ से लोहरदगा रेलवे स्टेशन पथ का सतह नवीकरण कार्य।
2.	प्राक्कलित राशि (रू० लाख में)	रू० 70.00 लाख।
3.	अग्रधन की राशि (रू० लाख में)	रू० 1.40 लाख।
4.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 माह।
5.	वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	01.10.2024 (पूर्वाह्न 10:30 बजे)
6.	वेबसाईट में निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	05.10.2024 (अपराह्न 12:30 बजे)
7.	वेबसाईट में निविदा खोलने की तिथि	07.10.2024 (अपराह्न 03:00 बजे)
8.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, लोहरदगा।
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	7541078156
10.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2403007

1. प्राक्कलित एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है जिसे Tender Online Upload में देखा जा सकता है।
2. किसी भी प्रकार का बदलाव / नियम एवं शर्तें http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

PR 336547 Lohardaga(24-25).D

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल, लोहरदगा

अग्निवीर भर्ती रैली का रिजल्ट जारी, 23 सितंबर से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

रांची : रांची के खेलगांव में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली का रिजल्ट जारी कर दिया गया है. अंतिम रूप से चयनित उम्मीदवारों की सूची ज्वाइन इंडियन आर्मी वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर देख सकते हैं. बता दें कि रांची में 27 जुलाई से 8 अगस्त तक जनरल ड्यूटी (जीडी), अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं और 8वीं) के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया गया था. सभी चयनित अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन को 23 से 25 सितंबर को सुबह आठ बजे रांची सेना भर्ती कार्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया है.

23 को बोकारो, चतरा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, खूंटी, पाकुड़ में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

23 को बोकारो, चतरा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, खूंटी, पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां, 24 को कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, धनबाद, ईस्ट सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, सिमडेगा, रामगढ़, 25 सितंबर को रांची, हजारीबाग, गिरिडीह और पलामू के अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जायेगा. अभ्यर्थियों को शिक्षा प्रमाण पत्र, निवास (जन्म) प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र संबंधित दस्तावेज के दो सेट लाने को कहा गया है.

8 अधिकारियों की सेवा भू-राजस्व विभाग को दी गई

रांचीः झारखंड प्रशासनिक सेवा के आठ पदाधिकारी की सेवा पदस्थापन के लिए राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग को दी गई है. मनोज कुमार गोप, मनोज कुमार, मनोज कुमार चौरसिया, मोहम्मद हुसैन, खोप लाल राम, संजय कुमार शुक्ला, मुरारी नायक, दीपक कुमार मिश्रा.

एमवीआई से डीटीओ में प्रमोशन के लिए सदस्य राजस्व पर्षद की अध्यक्षता में गठित समिति अनुशंसा करेगी

रांचीः झारखंड सरकार ने झारखंड मोटरयान निरीक्षक संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं सेवा की अन्य शर्तें) संशोधन नियमावली 2024 का गठन कर दिया है. परिवहन विभाग ने इस संबंध में संकल्प जारी किया है. इसके तहत प्रोन्नति के पूर्व के प्रावधानों में संशोधन किया गया है. अब मोटरयान निरीक्षक के पद से जिला परिवहन पदाधिकारी (तकनीकी संवर्ग) एवं जिला परिवहन पदाधिकारी (तकनीकी संवर्ग) से उप परिवहन आयुक्त, क्षेत्रिय परिवहन प्राधिकार के पद पर प्रोन्नति के लिए अनुशंसा करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति नये सिरे से गठित की गयी है. इसके तहत सदस्य, राजस्व पर्षद झारखंड अध्यक्ष होंगे. अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव कार्मिक विभाग, सदस्य, अपर मुख्य सचिव कल्याण विभाग व परिवहन विभाग सदस्य होंगे. वहीं, संयुक्त सचिव, उप सचिव परिवहन विभाग, एससी, एसटी पदाधिकारी कार्मिक विभाग से सदस्य होंगे. पहले की नियमावली में मोटरयान निरीक्षक कोटि पद से वरीय मोटरयान निरीक्षक के पद पर प्रोन्नति की अनुशंसा के लिए राज्य परिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित थी. वहीं वरीय मोटरयान निरीक्षक के पद से जिला परिवहन पदाधिकारी बेसिक ग्रेड के पद पर प्रमोशन के लिए कार्मिक विभाग समिति गठित करता था, अब इसमें संशोधन किया गया है.

चैंबर चुनाव आज, सुबह 9 से शाम 5 बजे तक मतदान कर सकते है मतदाता

रांचीः फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के सत्र 2024-25 का चुनाव 22 सितंबर को होना है. चुनाव का आयोजन गुरूनानक स्कूल के हॉल में होगा. मतदाता सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान करेंगे. 5 बजे तक कतार में खड़े होनेवाले मतदाता मतदान दे सकेंगे. इस बार कुल 3909 मतदाता चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे. मतदाता सूचि के अनुसार कुल 83 सम्बद्ध संस्थाएं हैं. सम्बद्ध संस्थाओं को दो वोट देने का अधिकार है. अन्य सभी मतदाताओं को एक वोट देने का अधिकार है. कार्यकारिणी समिति के लिए चुनाव में कुल 35 उम्मीदवार हैं. प्रत्येक मतदाता को 21 उम्मीदवार का चयन करना है. कार्यकारिणी समिति के साथ ही पलामू प्रमंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का चुनाव भी रविवार को ही मतदान स्थल पर होगा. 21 सितंबर से 30 दिन पूर्व बने लाइफ, कॉरपोरेट लाइफ और पैट्रोन सदस्य तथा 90 दिन पूर्व बने जेनरल एफिलियेटेड, कॉरपोरेट जेनरल कैटगरी के सदस्य ही मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं. मतदान से पूर्व कॉरपोरेट जेनरल, जेनरल और एफिलियेटेड बॉडी के सदस्यों का किसी प्रकार का बकाया नहीं होना चाहिए. पूर्व की भांति इस चुनाव में सीए और सीएस एसोसियेशन का सहयोग रहेगा. मतदान के उपरांत देर रात्रि तक मतगणना और रिजल्ट की घोषणा रविवार को ही की जायेगी. मतगणना के रिजल्ट से असंतुष्ट प्रत्याशी पुर्नमतगणना शुल्क के साथ 23 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक पुर्नमतगणना की अपील कर सकते हैं.

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने बनायी, प्रदेश चुनाव कमेटी, घोषणापत्र कमेटी और कैंपेन कमेटी

रांचीः आगामी चुनाव को लेकर कांग्रेस की तरफ से भी तैयारी शुरू हो गयी है. ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल की तरफ से प्रदेश चुनाव कमेटी, घोषणापत्र कमेटी और कैंपेन कमेटी बनायी है. 20 सितंबर देर रात पार्टी की तरफ से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है.

प्रदेश चुनाव कमेटी : झारखंड प्रदेश चुनाव कमेटी में कुल 31 सदस्य हैं. यह कमेटी प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में काम करेगी. कमेटी में सदस्य के तौर पर अजय कुमार, रामेश्वर उरांव, सुबोध कांत सहाय, राजेश ठाकुर, पीके बालमुचू, सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा, प्रदीप यादव, बन्ना गुप्ता, दीपिका पांडे सिंह, इरफान अंसारी, अंबा प्रसाद समेत कुल 31 सदस्य हैं.

घोषणापत्र कमेटी : इस कमेटी में कुल 25 सदस्य हैं. कमेटी की अध्यक्षता बंधु तिर्की करेंगे. वहीं सदस्य के तौर पर बन्ना गुप्ता, प्रदीप यादव, जय प्रकाश गुप्ता, केएन त्रिपाठी, अनादी ब्रह्म समेत 25 सदस्य हैं.

कैंपेन कमेटी : इस कमेटी में कुल 37 सदस्य हैं. कमेटी की अध्यक्षता सुबोध कांत सहाय कर रहे हैं. सदस्य के तौर पर अजय कुमार, रामेश्वर उरांव, राजेश ठाकुर, पीकेबालमुचू, कालीचरण मुंडा, प्रदीप यादव, बन्ना गुप्ता, दीपिका पांडे सिंह, इरफान अंसारी, अंबा प्रसाद, पूर्णिमा नीरज सिंह, फुरकान अंसारी, आलमगीर आलम समेत 37 सदस्य हैं.

आरडीसीए का एजीएम 28 सितंबर को जेएससीए में

रांचीः 28 सितंबर को रांची जिला क्रिकेट संघ (आरडीसीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) जेएससीए परिसर में होगी. बैठक शाम 4 बजे से जेएससीए परिसर के अकादमी भवन स्थित फ़ोयर हॉल में होगी. बैठक में छह बिंदुओं पर चर्चा होगी. आरडीसीए के सचाव शैलेंद्र कुमार ने सभी मेंबर को सूचना के जारी किया.

इन बिंदुओं पर होगी चर्चा

पिछली वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही की पुष्टि करना
2023-24 के लिए वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त करना
वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ऑडिटेड स्टेटमेंट प्राप्त करना
वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ऑडिटर की नियुक्ति करना
पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति का चुनाव करना
अध्यक्ष की अनुमति से कोई अन्य कार्य करना.

कड़ी निगरानी में 823 केंद्रों पर जेएसएससी सीजीएल परीक्षा संपन्न

रांचीः झारखंड में कड़ी निगरानी के बीच 823 केंद्रों पर शनिवार को जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा संपन्न हुई. कहीं भी किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ. सीजीएल परीक्षा को लेकर बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती की गई थी. परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी भी तैनात थे. सुबह 5:30 से ही केंद्रों पर अभ्यर्थी पहुंचना शुरू हो गए थे. इस दौरान हजारों की संख्या में अभ्यर्थियों की भीड़ देखने को मिली. कड़ी सुरक्षा और जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को केंद्र के अंदर दाखिल कराया गया. अभ्यर्थियों की एक-एक चीज की जांच की जा रही थी. इसके बाद उन्हें केंद्र के अंदर प्रवेश कराया गया. देवघर में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संचालित JSSC परीक्षा को लेकर डीसी विशाल सागर ने विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने आर.एल.सर्राफ +2 विद्यालय, आर.मित्रा+2 विद्यालय सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा कार्य में लगे सभी केंद्र अधीक्षकों, दंडाधिकारियों उड़न दस्ता दल के दंडाधिकारियों, पुलिस बल के जवानों आदि को परीक्षा के दौरान संयुक्त जिला आदेश का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया. साथ ही परीक्षा केंद्र पर उपस्थित व अनुपस्थिति बच्चों की जानकारी के अलावा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा दृष्टिकोण से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों आदि का जायजा भी लिया.

आज भी झारखंड में 5 घंटे बंद रहेगी इंटरनेट सेवा

जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा होने वाली है. निष्पक्ष और कदाचारमुक्त परीक्षा कराने को लेकर सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है. राज्य में 21 और 22 सितंबर को सुबह 8 बजे से लेकर 1:30 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी. गृह विभाग ने इस संबंध में शुक्रवार की देर रात आदेश जारी कर दिया गया था. आदेश की कॉपी में इस बात का जिक्र किया गया है, कि 21 और 22 सितंबर को राज्य के सभी 24 जिलों में 823 परीक्षा केंद्रों पर करीब 6 लाख 40 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे. इस परीक्षा के जरिए राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों के लिए महत्वपूर्ण रिक्त पद भरे जाने हैं. लिहाजा राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि यह परीक्षा निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संपन्न हो. रविवार को भी सुबह 7.00 बजे से इंटरनेट सेवा बंद कर दी जायेगी और दिन के 3.00 बजे के बाद ही इंटरनेट सेवा बहाल की जायेगी. उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार ने परचा लीक को रोकने के लिए यह कदम उठाया है. शुक्रवार को सरकार ने मोबाइल कंपनियों को पत्र लिख कर परीक्षा के दौरान इंटरनेट सेवा को बंद करने का निर्देश दिया था. शनिवार की सुबह पांच से सात बजे के बीच राज्य भर में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गयी थी. लेकिन दिन के तीन बजे के बाद ही इंटरनेट सेवा बहाल हो सकी. इंटरनेट सेवा बंद होने की वजह से झारखंड में जन जीवन प्रभावित रहा. ऑनलाइन काम करने वालों को दिक्कत हुई. वहीं सोशल मीडिया पर सक्रिय लोग दिन भर निराश दिखे. जिन घरों में स्मार्ट टीवी लगा है, उन घरों के बच्चे परेशान रहे. शहरी क्षेत्र में लोगों को आने जाने में भी परेशानी हुई. क्योंकि तमाम तरह के कैब इंटरनेट पर ही बुक होते हैं. कार और बाइक राइड की बुकिंग लोग नहीं कर सके. परीक्षा देने वालों को भी परेशानी झेलनी पड़ी. इंटरनेट सेवा बंद होने का असर जोमेटो, स्विगी पर भी पड़ा. नेट बहाल होने के बाद भी कई घंटों तक ऑनलाइन खाना ऑर्डर नहीं हो पा रहा था...

बार काउंसिल ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की

बार काउंसिल के चेयरमैन राजेंद्र कृष्णा ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की, जिस पर शनिवार को सुनवाई हुई. हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि इंटरनेट बंद करने की पॉलिसी क्या है. कोर्ट ने यह भी पूछा है कि अगर एक महीने में बार-बार परीक्षा होगी, तो क्या हर बार राज्य के लोगों के लिए इंटरनेट बंद कर दिया जायेगा. कोर्ट ने राज्य सरकार से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है.

सीजीएल परीक्षा पर इंटरनेट बैन को बाबूलाल ने बताया तुगलकी फरमान

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में दो दिनों के लिए इंटरनेट बैन को तुगलकी फरमान बताया है. इसे लेकर राज्य सरकार के फैसले की खिंचाई की है. एक्स पर पोस्ट करते कहा कि हेमंत सरकार द्वारा झारखंड में दो दिनों के लिए सुबह से दोपहर तक (8:00-1:30 बजे दिन तक) इंटरनेट बंद किए जाने का निर्णय अव्यवहारिक और हास्यास्पद है. जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की परीक्षा देने के लिए कई राज्यों के अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं. इंटरनेट बंद कर देने के फैसले दूसरे राज्यों से आए अभ्यर्थियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि इंटरनेट हमारी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुका है.

रेल सेवा... हवाई सेवा... इंटरनेट हर जगह जरूरत बन चुका है

बच्चों की पढ़ाई लिखाई से लेकर बैंकिंग कार्यों तक, सरकारी दफ्तरों से लेकर गांवों के प्रज्ञा केंद्रों तक... स्कूल, कचहरी, अस्पताल, मकान, दुकान... सड़क यातायात...रेल सेवा... हवाई सेवा...इंटरनेट हर जगह की जरूरत बन चुका है. आपके द्वारा इंटरनेट बंद किए जाने के निर्णय से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. लोगों के काम-धंधे प्रभावित हो रहे हैं, राज्य की अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है. बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन से कहा कि सिर्फ इंटरनेट पर ही पाबंदी क्यों लगा रहे हैं? लोगों के घरों से बाहर निकलने पर ही पाबंदी लगा दीजिए. बाजार बंद करा दीजिए. कर्फ्यू की घोषणा कर दीजिए. अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए बिना पूर्व सूचना के अचानक से देर रात इंटरनेट बंद करने का मूर्खतापूर्ण फैसला वापस लीजिए.

आपके पास कदाचारमुक्त परीक्षा कराए जाने की क्षमता नहीं है

जनता समझ चुकी है कि आपके पास कदाचारमुक्त परीक्षा कराए जाने की क्षमता ही नहीं है. याद रखिए, जिन सलाहकारों की वजह से आप पांच माह के होटवार प्रवास से वापस आए हैं, वही सलाहकार आपको जगहंसाई का पात्र बनाने और आपसे एक के बाद तुगलकी फैसले करवा कर आपको रसातल में पंहुचाने पर तुले हुए हैं. बाबूलाल ने हेमंत सोरेन से अनुरोध करते कहा है कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा का पेपर लीक रोकने के नाम पर इंटरनेट बंदी के बेतुके और असंवैधानिक तुगलकी फरमान को अविलंब वापस लें.

झारखंड में जल्द लगेगी आचार संहिता, चुनाव आयोग की टीम 23 को आयेगी रांची

रांची : झारखंड में जल्द ही आगामी विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा होने के साथ-साथ आचार संहिता लागू होने वाला है. इसको लेकर तैयारी शुरू हो गयी है. विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने 23 सितंबर को भारत निर्वाचन आयोग की टीम रांची आयेगी. दो दिनों तक चलने वाले इस दौरे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार समेत तीनों चुनाव आयुक्त शामिल होंगे. गौरतलब है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड और आईजी अभियान ने संयुक्त रूप से जिले के एसपी और डीसी के साथ निर्वाचन आयोग के आने से संबंधित तैयारियों को लेकर शुक्रवार को समीक्षा बैठक की थी. इस दौरान आयोग की समीक्षा के लिए पीटी की तैयारी, सुरक्षा बलों के रहने व मूलभूत सुविधा की तैयारी और लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान दायर वादों की स्थिति की समीक्षा की गयी थी. झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर एक ही जिले में तीन साल से पदस्थापित पुलिस कर्मियों का तबादला किया जा चुका है. राज्य पुलिस स्थापना परिषद की बैठक में लिये गये निर्णय के बाद बीते 18 अगस्त को एक ही जिले की इकाई में तीन वर्ष या उसके अधिक समय अवधि तक पदस्थापित पुलिस निरीक्षक और परिचारी प्रभारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई थी. इसके अलावा एक ही जिले में तीन साल अधिक समय से पदस्थापित एसपी का भी तबादला किया जा चुका है. पदाधिकारियों का यह तबादला भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हुआ था. भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव से पूर्व स्थानांतरण-पदस्थापन कार्य पूरा करने संबंधित आदेश जारी किया था. उसी आदेश के आलोक में तबादले की यह कार्रवाई हुई है. अब संभावना जताई जा रही है कि आईपीएस और आईएएस रैंक के अफसरों का तबादला सरकार की ओर से नहीं किया जायेगा.

झारखंड प्रशासनिक सेवा के 52 अफसरों का तबादला

रांचीः राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के 52 पदाधिकारी का स्थानांतरण प्रतिस्थापन किया है. अनुमंडल पदाधिकारी पाकुड़ परवीन केरकेट्टा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर उपायुक्त पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के पद पद स्थापित किया गया. अंचल अधिकारी सोनाराय ठाढ़ी देवघर पुष्पक रजक को सेवा राजस्व भूमि सुधार से वापस लेते हुए उन्हें भू संपदा पदाधिकारी आरआरडीए रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है. उपनिर्वाचन पदाधिकारी सरायकेला-खरसावां गौतम प्रसाद साहू को अगले आदेश तक उपनगर आयुक्त रांची नगर निगम के पद पर स्थापित किया गया. उपसचिव वाणिज्कर विभाग राहुल जी आनंद जी को स्थानांतरित करती है अपर नगर आयुक्त आदित्यपुर नगर निगम के पद पर पदस्थापित किया गया. उप सचिव कृषि विभाग फिलबियूस बारला स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर नगर आयुक्त रांची के पद पर पदस्थापित किया गया. जिला परिवहन पदाधिकारी लोहरदगा संजय कुमार को स्थानांतरित करते हुए अपर नगर आयुक्त रांची नगर निगम, अपने कार्यों के साथ सचिव रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार अतिरिक्त प्रभार दिया गया. अपर नगर आयुक्त मांगो नगर निगम के पद पर पदस्थापित रणजीत लोहार को स्थानांतरित करते हुए उप सचिव स्वास्थ्य विभाग भूमि सुधार, उपसमाहर्ता देवघर प्रशांत कुमार लायक को स्थानांतरित करते हुए उपनगर आयुक्त गिरिडीह नगर निगम, विशिष्ट अनुभजन पदाधिकारी महेंद्र कुमार को स्थानांतरित करते हुए उपसचिव कृषि विभाग प्रतीक्षारत प्रेमलता मुर्मू को अगले आदेश तक का अपर समाहर्ता गोड्डा, निदेशक राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम जमशेदपुर अजय कुमार साहू को अगले आदेश तक सचिव प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कोल्हान प्रमंडल, प्रतीक्षारत लाल ज्योति नाथ शाहदेव वागले को आदेश तक उपनिदेशक राज्य ग्रामीण विकास संस्थान रांची के पद पर पदस्थापित किया गया. जिला परिवहन पदाधिकारी सरायकेला-खरसावां शंकराचार्य समाद की सेवा परिवहन विभाग से वापस लेते हुए उन्हें अगले आदेश तक जिला कल्याण पदाधिकारी जमशेदपुर के पद पर पदस्थापित किया गया. उपनिर्वाचन पदाधिकारी जामताड़ा अनीता केरकेट्टा की सेवा कार्मिक विभाग में दी गई. उपसचिव वित्त विभाग विजय कुमार को अगले आदेश तक सचिव प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार हजारीबाग भेजा गया.

पशु चिकित्सा सेवा नियमावली 2024 को मंत्रिपरिषद की स्वीकृति मिली

रांचीः राज्य सरकार ने पशु चिकित्सा सेवा नियमावली 2024 को झारखंड मंत्री परिषद ने स्वीकृति दी है. इस अवसर पर कृषि सह पशुपालन मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि इस कार्य से पशुपालन एवं पशु चिकित्सा के क्षेत्र में झारखंड में एक नई ऊर्जा का संचार होगा. संघ की इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा होते देखना उनके लिए खुशी की बात है. पशु चिकित्सा सेवा संघ ने अपने अध्यक्ष डा. सैमसन संजय टोप्पो तथा महामंत्री शिवानंद कांशी के नेतृत्व में माननीय विभागीय मंत्री से मिलकर पशु चिकित्सकों के प्रति सरकार के सकारात्मक रूप के लिए उनका आभार प्रकट किया है. संगठन के महामंत्री डॉ शिवानंद काशी ने आश्वास्त किया की हमारे पशु चिकित्सक सदैव आपके ऋणी रहेंगे और सरकार की सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर योग्य लाभुकों तक पहुंचाकर उनके आर्थिक सामाजिक स्तर को बढ़ाने में सकारात्मक सहयोग की भावना से कार्य करेंगे. झारखंड पशु चिकित्सा सेवा संघ के अध्यक्ष डा. सैमसन संजय टोप्पो ने बताया कि वर्तमान में पशु चिकित्सको के लिए मात्र दो पदसोपान है और प्रोन्नती का मात्र 9% है 777 स्वीकृत बल के विरुद्ध जिससे अधिकांश पशु चिकित्सक अपने मूल पद से ही सेवानिवृत हो रहे हैं जो नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध है! अन्य राज्य यथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश केरल, कर्नाटका, हरयाणा, पंजाब, आसाम मे निदेशक समवर्गीय और पशुचिकित्सको का पांच पदसोपान के साथ 50% प्रोन्नत पद है. संघ के महामंत्री डॉ शिवानन्द काशी ने बताया की संशोधित पशुचिकित्सको के सेवा नियमावली 2024 में पशुपालन आयुक्त का पद गैरसमवर्गीय, प्रोन्नती का चार पदसोपन का प्रावधान है जिसमें तीन निदेशक, 16 संयुक्त निदेशक एवं समकच्छ, 96 उपनिदेशक एवं समकक्ष, 279 वरीय पशुचिकित्सा एवं पशुपालन पदाधिकारी, 390 मूलस्तर पशु चिकित्सा एवं पशुपालन पदाधिकारी किया गया है. प्रखंड स्तर पर मॉडल पशुचिकित्सालय जिसमें दो पशुचिकित्सक होंगे.

शहीद देवेन्द्र मांझी चौक रांची में सफाई अभियान का आयोजन

रांचीः भारत सरकार द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत केनरा बैंक अंचल कार्यालय रांची के तत्वाधान 21.09.2024 को शहीद देवेन्द्र मांझी चौक रांची में सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक रामा नायक के, महाप्रबंधक श्री सुजीत कुमार साहू, उप महाप्रबंधक श्री संजय कुमार मिश्रा और बैंक के अन्य कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भागीदारी की।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)
कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, राँची

Pet Shops एवं Dog Breeding Centre पंजीकरण हेतु आवश्यक सूचना

राँची जिलान्तर्गत वैसे सभी Pet Shops एवं Dog Breeding Centre जो राज्य जीव–जन्तु कल्याण बोर्ड, झारखण्ड, राँची से बिना निबंधन कराए अपनी संस्था का संचालन कर रहे हैं या वैसे संस्थान जो पूर्व में निबंधित थे एवं वर्त्तमान में बिना नवीनीकरण के ही संस्था का संचालन कर रहे हैं। वैसे सभी Pet Shop एवं Dog Breeding Centre को सूचित किया जाता है कि एक माह के अन्दर अपने संस्था का पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु अपना आवेदन जीव–जन्तु कल्याण बोर्ड, झारखण्ड, हेसाग, राँची से कराना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा नियमानुसार उन पर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी
राँची

PR 336522 Animal Husbandry (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

शुद्धिपत्र /सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– BCD/EE/HAZARIBAG/ 15 /2024-25 ,PR संख्या– 335092 Building (24-25)-D द्वारा प्रकाशित निविदा , कार्य का नाम– Construction of HSC Medkuri, BLOCK-Daru Dist-:Hazaribagh को अपरिहार्य कारणवश रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

PR 336520 (Building) 24-25 (D)

कार्यालय, जिला परिषद, राँची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर–DOPR/DE/Ranchi/20/2024-25

S.No	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (रुपये में)	अग्रधन की राषि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
01	राँची जिला अंतर्गत सिल्ली प्रखण्ड में कला एवं सांस्कंतिक भवन निर्माण कार्य के अतिरिक्त निर्माण, कार्य यथा–ओपन एयर थियेटर का निर्माण, पी0सी0सी0 रोड का निर्माण, गार्डवाल का निर्माण, कम्पाउण्ड वॉल की उँचाई में वृद्वि तथा फैब्रीकेशन ऑफ स्टेज एरिया आदि।	**2,07,83,900.00**	**4,16,000.00**	**10,000.00**	12 माह

नोट :–केवल ई–टेण्डर ही स्वीकार होगें।
1.अधिक जानकारी के लिए बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि–27.09.2024
3. ई–निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय–28.09.2024 से 07.10.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. **निविदा खोलने की तिथि–08.10.2024 को 5.00 बजे अपराह्न।**
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, राँची।
ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं0– 7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. **निविदा डबल बीड प्रद्वति से होगा।**
10. **इस निविदा में जिला परिषद, राँची में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।**

जिला अभियंता,
जिला परिषद, राँची।

PR 336583 (Panchayati Raj) 24-25 (D)

मुजफ्फरपुर में मिशन मुस्कान के तहत खोया फोन मिला

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में शनिवार को मिशन मुस्कान के तहत पुलिस ने लोगों के खोए और चोरी हुए मोबाइल को वापस लौटा दिया है। एसएसपी कार्यालय में इसको लेकर कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस दौरान एसपी भानू प्रताप सिंह ने पीड़ितों को 14 मोबाइल वापस किया है। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र से आए लोगों ने फोन पाकर काफी खुश नजर आए। लोगों ने कहा कि विश्वास नहीं था कि खोया हुआ मोबइल मिलेगा। फोन गुम हुए काफी समय हो गया था। पुलिस द्वारा किए गए इस तरह के काम से हमलोग काफी खुश हैं। एसपी भानू प्रताप सिंह ने बताया कि मिशन मुस्कान के तहत पुलिस ने कड़ी मेहनत के साथ 14 फोन बरामद किए हैं। जो काफी समय पहले खो गए थे। जिन लोगों का मोबाइल खोया था, आज उन्हें वापस लौटा दिया गया है। इस मिशन में आगे भी तेजी से काम किया जाएगा। किसी भी व्यक्ति का फोन खो जाता है, तो थाना जाकर शिकायत दर्ज करवाएं। इस मिशन का उद्देश्य है कि खोए हुए मोबाइल को लोगों के पास पहुंचा दिया जाए। इससे पुलिस के प्रति भी लोगों को विश्वास जागेगा। मिशन मुस्कान के तहत फोन पाने के बाद महिला मौसम कुमारी ने बताया कि 12 फरवरी को सदर थाना क्षेत्र के रोड नम्बर चार के स्कूल से घर लौटते समय बाइक सवार बदमाश ने मेरा फोन झपट्टामार कर छीन लिया था। जिसको लेकर थाना जाकर एफआईआर दर्ज करवाया था। उम्मीद थी कि पुलिस मेरा फोन ढूंढकर ला देगी। इससे पहले भी बहुत लोगों का फोन पुलिस ने ढूंढकर दिया था। लेकिन काफी समय बीत गया तो धीरे उम्मीद खत्म हो रही थी। आज फोन मिला तो बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। पुलिस के प्रति मेरा विश्वास और बढ़ा गया है। इस काम को लेकर पुलिस की जितनी तारीफ की जाए कम है। प्रियंका कुमारी ने बताया की 9 मार्च को अपनी बहन के घर बाइक सवार हो कर जा रही थी। टावर चौक के समीप मेरा फोन खो गया। जिसके बाद पुलिस बताए। पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर लिया। आज फोन पुलिस ढूंढ कर दे दी है। मुझे काफी खुशी हो रही है कि मेरा खोया हुआ फोन मिल गया है।

1 महीने के भीतर जदयू में 3 बार फेरबदल

पटना. विधानसभा चुनाव से पहले जदयू ने बड़ा फेरबदल किया है। एक महीने के भीतर संगठन के तीन पावरफुल समितियों में बदलाव किए गए हैं। पहले राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बदला गया। इसके बाद प्रदेश कमेटी में बदलाव हुए हैं। अब पार्टी ने नई राज्य कार्यकारिणी का गठन किया है। कार्यकारिणी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह समेत समेत पार्टी के 68 बड़े नेताओं को जगह दी गई है। इसमें वशिष्ठ नारायण सिंह, विजेन्द्र प्रसाद यादव, विजय चौधरी, उमेश सिंह कुशवाहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री दशई चौधरी, पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी और पूर्व सांसद विजय कुमार जैसे नाम शामिल है। पार्टी के सीनियर लीडर के अलावा सांसदों को भी शामिल किया गया है। 24 अगस्त को प्रदेश कमेटी को भंग करने के एक घंटे के भीतर ही नई प्रदेश कमेटी की घोषणा की गई थी। पार्टी के 115 नेताओं को अहम जिम्मेवारी सौंपी गई थी। पिछली कमेटी में 550 सदस्य शामिल थे। लेकिन, नई कमेटी में संख्या को घटाकर 115 कर दिया गया था।

मछुआरे के जाल में फंसा मिला शव:भोजपुर में नदी में डूबने से फूल दुकानदार की मौत

आरा(भोजपुर). भोजपुर के बहोरनपुर थाना क्षेत्र के करजा गांव में बाढ़ के पानी में डूबे अधेड़ का शव दूसरे दिन बरामद किया गया है। उनका शव बिहिया थाना क्षेत्र के पहरपुर गांव से शनिवार को मिला। जानकारी के अनुसार मृतक बहोरनपुर थाना क्षेत्र के करजा गांव निवासी स्व. दुलारचंद भगत के 45 वर्षीय बेटा निर्मल भगत है। वह पेशे से फूल दुकानदार थे। करजा बाजार पर फूल दुकान चलाते थे। मृतक के छोटे भाई विमल भगत ने बताया कि शुक्रवार की शाम करीब छह बजे वह घर से सब्जी खरीदने के लिए करजा बाजार गए थे। सब्जी लेकर जब वह वापस लौट रहे थे। तभी उनका पैर फिसल गया, जिसके कारण वह बाढ़ के पानी में गिर पड़े। पानी के तेज बहाव के कारण वह कुछ दूर बह गए। देर शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने देर रात तक काफी खोजबीन की। लेकिन, कुछ पता नहीं चल पाया। शनिवार की सुबह एक मल्लाह ने बताया कि एक शव पहरपुर गांव के पास जाल में फंसा हुआ है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और शव को देख कर उनकी पहचान की। स्थानीय मल्लाह के सहयोग से उनके शव को पानी से बाहर निकाल गया।

7 साल का बच्चा बाढ़ में डूबा, मौत:खेलते वक्त गिरा

मुंगेर. मुंगेर में गंगा का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है। वहीं जलस्तर बढ़ने के कारण ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ अब शहरी क्षेत्रों में भी गंगा का पानी प्रवेश कर गया है। इससे लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। वहीं नगर निगम क्षेत्र के आधा दर्जन वार्ड में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। ताजा मामला जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोहली पंचायत के टिकारामपुर बुद्ध टोला गांव का है। घर के समीप खेलने के दौरान बाढ़ के पानी में डूबने से 7 साल के बालक की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक बालक की पहचान टीकारामपुर बुध टोला निवासी गागू सिंह के 7 वर्षीय पुत्र शीतल कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए परिजनों ने बताया कि हम लोग घर के बाहर थे। वहीं बच्चा बरामदे पर खेल रहा था। खेलने के दौरान बच्चा पानी में गिर गया। काफी खोजबीन की गई तो बच्चा पानी में गिरा हुआ था।

बाढ़ में तख्ती लेकर जमीन के लिए आंदोलन

पटना. बाढ़ के बिचली मलाही से अनुमंडल कार्यालय तक पैदल यात्रा कर भूमि अधिकार आंदोलन निकाला गया। बड़ी संख्या में लोग हाथ में तख्ती लेकर नारेबाजी करने पहुंचे। राष्ट्रीय एकता मिशन के बैनर तले आंदोलन निकाला गया। लोगों ने जय भीम की नारेबाजी भी की है। भूमिहीन लोगों ने सरकार से मांग की है कि उन्हें रहने के लिए पांच-पांच डिसमिल जमीन उपलब्ध कराई जाए। इसको लेकर अनुमंडल कार्यालय में एसडीएम शुभम कुमार को ज्ञापन भी सौंपा गया। राष्ट्रीय एकता मिशन के अध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि सरकार ने कई बार भूमिहीनों को दिलासा दिया है। भूमिहीनों को रहने के लिए जमीन की कमी है। कम जमीन में ही घर बनाकर संयुक्त परिवार रहने को मजबूर हैं। बड़ी संख्या में दलितों के पास रहने के लिए जमीन नहीं है। सरकार की ओर से जांच करवाकर भूमिहीनों को पांच-पांच डिसमिल जमीन मुहैया कराई जाए। यह आंदोलन बाढ़ से शुरू होकर पूरे बिहार के हर जिले में चलाया जा रहा है।

बहू की हत्या का ससुराल वालों पर आरोप

सीवान. सीवान के आंदर थाना क्षेत्र के भरौली गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। मृतक महिला 21 वर्षीय गीता देवी, धर्मेंद्र राम की पत्नी है, जिसकी शादी 2021 में हुई थी। मायके वालों ने ससुराल वालों के ऊपर शादी के बाद से ही गीता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और गला दबा कर हत्या कर देने का आरोप लगाया है। मृतक महिला के भाई राजकुमार राम ने बताया कि उन्होंने कई बार ससुराल वालों को समझाने की कोशिश की और पंचायत भी हुई, लेकिन ससुराल वाले अपनी मांग पर अड़े रहे। आज गीता के देवर ने फोन कर बताया कि उसकी तबीयत खराब हो गई है। सीवान में डॉक्टर ने उसे रेफर कर दिया। कुछ देर बाद यह जानकारी मिली की गीता की मृत्यु हो गई है। जब मायके के लोग ससुराल पहुंचे तो देखा कि गीता के अंतिम संस्कार की तैयारी हो चुकी थी। दाह संस्कार को रोकने का प्रयास करने पर ससुराल पक्ष के कुछ लोग आक्रोशित होकर मारपीट पर उतारू हो गए। इसके बाद मायके वालों ने स्थानीय थाना को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

अंबेडकर चौक से डीएम आवास तक चला बुलडोजर

जहानाबाद. जहानाबाद में अतिक्रमणकारियों पर एकबार फिर प्रशासन का बुलडोजर चला है। एनएच-83 के किनारे रह रहे कई फुटपाथी दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया है। नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि इनलोगों ने सड़क का अतिक्रमण कर दुकान लगा लिया है। जिसके कारण लोगों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण दुर्घटनाओं की भी संभावना बनी रहती है। इसी को देखते हुए जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अतिक्रमण हटाया गया है।

बाढ़ के पानी में डूबकर महिला समेत दो की मौत:दोनों गड्ढे में गिर गए थे

आरा(भोजपुर). भोजपुर में दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बाढ़ के पानी में डूब कर एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना भोजपुर जिले बिहिया क्षेत्र के बेलवनिया गांव स्थित टिकुलिया पुल के समीप की है। जहां एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के बेलवनिया गांव निवासी स्व. देव चरण गौड़ के 69 वर्षीय पुत्र सुदेश्वर साह है। पेशे से मजदूर थे। मृतक के बेटे प्रदुमन गौड़ ने बताया गुरुवार की शाम खेत घूमने के लिए निकले थे। इसी बीच बाढ़ के पानी में डूब गए।

देर शाम जब वे घर वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। एक स्थानीय ग्रामीणों ने दूसरे दिन शुक्रवार को उन्हें सूचना दी कि पिता का शव गांव में स्थित टिकुलिया पुल के समीप बाढ़ के पानी में पड़ा है। वहां पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से उनके शव को पानी से बाहर निकाला गया। परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने मां-पिता के इकलौते संतान थे। उनके परिवार में पत्नी मानको देवी, पंच पुत्र उदय गौड़, अजय गौड़, विजय गौड़, जितेंद्र गौड़, प्रदुमन गुण और तीन बेटियां सुनीता, अनीता और रानी है।

गड्ढे में पैर जाने से डूबी महिला

दूसरी घटना भोजपुर जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में बाढ़ के पानी मे डूबने से एक महिला की मौत गई। जिसका शव दूसरे दिन शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीणों के मदद से बरामद हुआ है। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका सिन्हा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी सुखदेव यादव की 43 वर्षीया पत्नी शशी प्रभा देवी है। इधर मृतका की बेटी प्रीति देवी ने बताया कि बाढ़ के कारण सभी लोगों का काम बंद हो गया है और मवेशी को खिलाने के लिए चारा नहीं था। जिसको लेकर मां शशी प्रभा देवी ने कुछ पैसे की मांग की थी। गुरुवार दोपहर वह उसे पैसा लेने के लिए गौसगंज आई थी। इसके बाद वह वापस पैसा लेकर गांव चली गई। बाढ़ के पानी में प्रवेश कर एक तरफ से दूसरी तरफ जा रही थी तभी गड्ढे में वो डूब गई। मौजूद लोगों ने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से उनके शव को पानी से बाहर निकला।

सेनेटरी पैड की फर्जी कंपनी खोल 50 युवाओं को ठगा:गोपालगंज-शिवहर के बाद पूर्णिया में 10 लाख की जालसाजी, मैनेजर को बनाया बंधक

पूर्णिया. पूर्णिया में नकली कंपनी खोलकर कसबा के युवाओं से ठगी की गई है। सेनेटरी पैड बनाने के लिए कंपनी में नौकरी देने की लालच दी थी। युवक-युवतियां 2 माह से नौकरी कर रहे थे, पर उन्हें सैलरी नहीं दी जा रही थी। आक्रोश में आकर युवाओं ने कंपनी के मैनेजर शुभम सिंह को बंधक बना लिया। जांच हुई तो पता चला जालसाज यूपी का अजय कुमार है। इसने नौकरी के नाम पर 50 से अधिक युवाओं से 10 लाख रुपए की वसूली की है। अजय ने चार आधार कार्ड बना रखे हैं। इसके अलावा सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) का फर्जी पहचान पत्र भी मिला है। फर्जी पहचान के आधार पर अजय कुमार ने कसबा में एकम किसान हट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई थी। पुलिस ने इसे गिरफ्तार कर लिया है। अजय गाजीपुर जिले के कादीपुर वार्ड-38 वीरबहादुर राम का बेटा है। जिसने गोपालगंज और

शिवहर में भी युवाओं को ठगा है।

अच्छी सैलरी देने का लालच दिया था

कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने कहा कि गुरुवार को सूचना मिली कि एकम किसान हट प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांच मैनेजर शुभम सिंह को कसबा नेमा टोल मोहल्ले में युवक-युवतियों ने बंधक बना रखा है। लोगों का आरोप था कि शुभम सिंह ने युवक और युवतियों से साक्षात्कार लिए। आकर्षक वेतन का लालच दिया गया। इसी बीच कसबा नगर परिषद उपाध्यक्ष समेत कई लोगों ने शुभम सिंह से पूछताछ की। सभी के पैसे दिलाए गए। पुलिस ने शुभम से को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो कई खुलासे हुए। पुलिस ने जांच में पाया कि शुभम सिंह नहीं है उसका नाम अजय कुमार है।

सीतामढ़ी और यूपी जांच के लिए जाएगी पुलिस

पुलिस के अनुसार अजय का संबंध साइबर क्राइम गिरोह के सदस्यों के साथ हो सकता है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। थाना अध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने कहा कि कसबा थाने में मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा जा रहा है। अजय के अलावा सीतामढ़ी और यूपी के कुछ जिलों के शातिर ठग भी शामिल हो सकते हैं। पुलिस जांच के लिए जल्द वहां जाएगी।

युवती का अपहरण, विरोध में बाजार बंदकर सड़क किया जाम:जमुई में पुलिस को करनी पड़ी लाठी चार्ज

जमुई. जमुई में शादी के नीयत से एक युवती का दूसरे समुदाय के युवक ने 18 सितंबर को अपहरण कर लिया था। नाराज स्थानीय लोगों ने शनिवार की सुबह सिकंदरा बाजार को बंद कर दिया और मुख्य चौक को जाम कर दिया। युवती की सकुशल बरामदगी की मांग करने लगे। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया है। तीन लोगों को मामूली चोट लगी है। दरअसल सिकंदरा बाजार की रहने वाली युवती को मो. तसलीम बैग के बेटे साहिल बैग ने अगवा किया। घटना के चार दिन बाद भी पुलिस ने अब तक मामले में कार्रवाई नहीं की है। इसको लेकर लोगों में आक्रोश है। युवती के पिता ने अपहरण का केस दर्ज करवाया है। शुक्रवार की देर रात सिकंदरा थाने में स्थानीय लोगों और परिजनों ने पुलिस से बात की थी। नाराज लोगों ने सिकंदरा थाने की पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर नारेबाजी की थी। सड़क जाम कर रहे स्थानीय रंजीत केसरी उर्फ जोशी जी ने बताया कि जबरन युवती का दूसरे समुदाय के लोगों ने अपहरण कर लिया। 4 दिन बीत जाने के बाद पुलिस कुछ कार्रवाई नहीं कर पाई है। वहीं, कुछ हिंदू संगठनों ने खास समुदाय के लोगों पर साजिश के तहत लव जेहाद करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इधर मामले की जानकारी के बाद सिकंदरा बाजार को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। एसडीपीओ सतीश सुमन, एसडीओ अभय तिवारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित तमाम पदाधिकारी मौके पर हैं। पूरे मामले पर नजर बनाए हैं। एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि दो अलग-अलग समुदाय के युवक-युवती के एक साथ कहीं जाने की सूचना है। पिता के लिखित शिकायत आवेदन के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया था। अब तक अनुसंधान में सूचना व साक्ष्य के अनुसार दोनों वयस्क के बीच लंबे समय से बातचीत होती आ रही थी। पीड़िता की बरामदगी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

पटना में पति ने की पत्नी की गला रेतकर हत्या:अफेयर का शक था, बेटी बोली- पापा अक्सर मां को पीटते थे

पटना. पटना के दानापुर में शनिवार को अफेयर के शक में पति ने पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति फरार हो गया। घटना नया टोला लालू खटाल के पास की है। मृतका की पहचान नौबतपुर के सरेरामपुर निवासी मधुरेश कुमार(42) की पत्नी रंजू देवी(40) के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। वहीं, आरोपी पति की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी पर शक करता था

पड़ोसियों ने बताया कि मधुरेश कुमार अपनी पत्नी रंजू देवी और बेटी के साथ किराये के मकान में सितंबर 2023 से रह रहे थे। पति-पत्नी के बीच हमेशा विवाद होता था। पत्नी पर वो शक करता था। किसी से बात करने पर भी उसकी पिटाई कर देता था।

पापा ने मां का गला रेत दिया

मृतका की छोटी बेटी सुप्रीया ने बताया कि पापा अक्सर मां को पीटते थे। बड़ी बहन बीएचयू में पढ़ाई करती है। मैं सुबह लाइब्रेरी गई थी। पड़ोसी किराएदार ने साढ़े 11 बजे घटना की सूचना दी। जब घर पहुंची तो देखा कि मां फर्श पर पड़ी है। पापा ने गला रेत दिया था। मृतका के चाचा गौरी शंकर शर्मा ने बताया कि रंजू निजी नर्सिंग होम में काम करती थी। एक दिन शराब पीकर मधुरेश ने पत्नी और बेटी के साथ मारपीट की थी। इस घटना के बाद वो लोग नया टोला आ गए। वहां भी उसका पति पहुंच गया। मधुरेश का अपने पिता से नहीं बनता था उसके साथ भी मारपीट करता था।

डूबती बहन को देख बचाने गया भाई, दोनों की मौत:बांका में खेलने के दौरान गड्ढे में डूबी थी, घर बनाने के लिए खोदा गया था गड्ढा

बांका. बांका के कटोरिया थाना क्षेत्र में खेलने के दौरान पोखरनुमा गड्ढे में डूबने से दो सगे भाई बहन की मौत से मचा को कोहराम। बताया जा रहा कि बहन को डूबता हुआ देखकर भाई बचाने गया तो दोनों की डूबकर मौत हो गई। गांव में निजी मकान बनाने को लेकर उक्त पोखर से मिट्टी निकालने के कारण अत्यधिक गद्दा हो गया था। सूचना के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना शनिवार संध्या की है। दोनों मासूम बच्चे गांव के बच्चों के साथ खेलने के लिए बोलकर घर से निकला था। कटोरिया प्रखंड अंतर्गत बड़वासनी पंचायत के फुलवरिया कला गांव निवासी भैरव यादव का 8 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार और 6 वर्षीय पुत्री प्रीती कुमारी दोनों भाई-बहन गांव स्थित पोखर की ओर खेलने के लिए गया हुआ था। साथ में अन्य बच्चे भी खेलने के लिए गया हुआ था। पोखर के किनारे खेलने के क्रम में अचानक का प्रीति कुमारी पानी भरे पोखरनुमा गहरे गद्दे में गिर गया। जिसे देखकर अंकुश कुमार अपनी बहन को बचाने के लिए पानी भरे पोखर में घुस गया। इस दौरान देखते ही देखते दोनों भाई-बहन डूबने लगा। आसपास खेल रहे हैं अन्य बच्चों ने इसे देखकर शोर मचाना शुरू कर दिया। लेकिन तब तक दोनों भाई-बहन गहरे पानी में डूब चुका था। शोर सुनकर आसपास के काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर दौड़ कर पहुंचा। काफी खोजने के बाद गहरे पानी से दोनों भाई-बहन को खोज कर बाहर निकाला

गया। लेकिन तब तक दोनों भाई-बहन की मौत हो चुकी थी। इसके बाद दोनों मासूम बच्चों के माता-पिता सहित पड़ी जान मौके पर ही दहाड़ मार कर रोने लगा। बताया जा रहा है कि उक्त जगह निजी मकान बनाने को लेकर मिट्टी निकाला जा रहा था जिसके कारण से काफी गड्ढा नुमा पोखर बन चुका था। बच्चों को इसका अंदाजा नहीं था। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि बच्चे उस जगह नहा रहे थे। सूचना के बाद स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। थाना अध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आंध्र प्रदेश की छात्रा ने किया सुसाइड

पटना. पटना में एनआईटी की एक छात्रा ने सुसाइड कर लिया। मृतका की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी पल्लवी रेड्डी के रूप में की गई है। वो कंप्यूटर इलेक्ट्रॉनिक की सेकंड ईयर की स्टूडेंड थी। पल्लवी के दोस्तों ने बताया कि वह दिन भर खुश थी। उसके चेहरे पर परेशानी नहीं दिख रही थी। कमरे में पल्लवी के अलावा और दो लड़कियां रहती हैं। दोनों लड़कियों को पल्लवी ने खाना खाने के लिए मेस भेज दिया। जब दोनों मेस से खाना खाकर लौटीं तो देखा कि पल्लवी फंदे से झूल रही हैं। इसके बाद दोनों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। घटना शुक्रवार देर रात की है। घटना की जानकारी मिलते ही एनआईटी के बिहटा और पटना कैंपस में छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। पटना में आक्रोशित छात्र एकेडमिक ब्लॉक के सामने पहुंच गए हैं और वी वांट जस्टिस के नारे लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

इधर, बिहटा कैंपस में छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा कि जानकारी मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने पल्लवी का कमरा बंद कर दिया। किसी ने उसका पल्स तक चेक नहीं किया। उसे डॉक्टर के यहां ले जाया जा सकता था। हम लोगों को भी अंदर जाने नहीं दिया गया और कमरे में बंद कर दिया गया। हंगामा की जानकारी मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। छात्र पुलिस की सुनने को तैयार नहीं थे। प्रदर्शन कर रहे फोर्थ ईयर के छात्र संतोष कुमार ने कहा कि हमलोगों को जबरन बिहटा कैंपस में शिफ्ट किया जा रहा है। बिहटा कैंपस में कोई सुविधा नहीं है। छात्रों के मना करने के बाद भी वहां 600 छात्रों को भेज दिया गया है। छात्रों ने एनआईटी के डायरेक्टर से इस्तीफा देने की मांग की है। बिहटा कैंपस के छात्रों ने भी प्रशासन पर डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। हंगामा कर रहे छात्रों ने कहा कि उन्हें मुंह बंद रखने को कहा जा रहा है। धमकी दी जा रही है कि करियर बर्बाद कर दिया जा एगा।

मगरमच्छ को पीट-पीटकर मार डाला, वन विभाग लेगा एक्शन:कैमूर में मछली पकड़ने के जाल में फंसा था; मारने के बाद नहर में ही फेंका

कैमूर. कैमूर के भगवानपुर थाना क्षेत्र के निबिया टाड़ गांव के पास नहर में मगरमच्छ का शव मिला है। वन विभाग ने शव को जब्त कर लिया है। टीम उसे अपने साथ ले गई है। आगे कार्रवाई करने की बात कही गई है। जानकारी के अनुसार चैनपुर थाना इलाके के स्थानीय लोगों ने नहर में मछली पकड़ने के लिए जाल डाला था। इसमें मगरमच्छ फंस गया। लोगों ने उसे बाहर निकाला और पीट-पीटकर मार डाला। फिर उसी नहर में फेंक दिया गया। मगरमच्छ का शव बहकर निबिया टाड़ गांव के नहर के फाटक के पास आ गया। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम मगरमच्छ का शव जब्त करते हुए अपने साथ ले गई। स्थानीय संजू कुमार ने बताया कि नहर के पास भीड़ लगी थी। जब हम लोग गए तो देखा कि नहर के फाटक में एक मरा मगरमच्छ फंसा है। जिसके बाद वन

विभाग को सूचना दी गई। फिर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मरे हुए मगरमच्छ को नहर से बाहर निकाला और अपने साथ ले गई।

जांच के बाद मारने वालों पर होगी कार्रवाई

कैमूर डीएफओ चंचल प्रशासन ने बताया कि सूचना मिली थी कि निबिया टांड़ गांव के बगल से एक नहर गुजरी है। जहां एक मगरमच्छ फाटक में फंसकर पड़ा हुआ है। वन विभाग के कर्मी पहुंचकर उस फटाक से मगरमच्छ को बाहर निकाला तो मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। उसपर चोट के भी निशान मिले थे। मगरमच्छ की लंबाई 4.5 फिट बताई गई है। ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला कि चैनपुर के इलाके में कुछ लोगों मगरमच्छ को मारकर नहर में डाल दिया। नहर में पानी के बहाव से बहते हुए वह निबिया टाड़ गांव के नहर के पास फाटक में फंस गया। जहां वन विभाग द्वारा मगरमच्छ का पोस्टमार्टम कराने के बाद दाह संस्कार किया गया है। इस घटना में जो भी संलिप्त पाया जाएगा उन पर वन अधिनियम एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की जांच की जा रही है।

समस्तीपुर में मुखिया के सीने में गोली मारकर हत्या:ग्रामीण के दाह संस्कार में युवक से हुआ था विवाद

समस्तीपुर. समस्तीपुर में एक मुखिया की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नारायण शर्मा (45) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि नारायण गांव के किसी शख्स की मौत के बाद दाह संस्कार में शामिल होने गया था। वहीं एक युवक से उसकी बहस हो गई। नारायण दाह संस्कार से अपनी बुलेट से घर लौट रहा था, रास्ते में उसके सीने में गोली मार दी गई। घटना शुक्रवार की रात हलई थाना क्षेत्र के दादनपुर डहिया पुल के पास की है। नारायण मोरवा प्रखंड के मुखिया संघ का अध्यक्ष भी था। वारदात के बाद आक्रोशित लोगों ने शनिवार

सुबह से पंचायत भवन के सामने शव को रखकर पटना-मुसरीघरारी एनएच-322 जाम कर दिया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। मौके पर हलई थाने की पुलिस और पटोरी के डीएसपी पहुंचे। लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे। लोग वरीय पुलिस पदाधिकारी को बुलाने और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

श्मशान पर गांव के युवक से हुआ था विवाद

बनवीरा पंचायत के रणजीत सहनी ने घरेलू कलह के कारण अपने घर में आग लगा ली थी। वो झुलस गया था। शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। इस मामले को मुखिया नारायण ग्रामीण स्तर पर निपटाना चाहते थे, लेकिन जिसने नारायण को गोली मारी वो चाहता था कि मामला पुलिस तक जाए। गोली मारने वाले का नाम अभी सामने नहीं आया है। आरोपी आग से झुलसे व्यक्ति रणजीत का विरोधी था। वो चाहता था कि रणजीत का परिवार थाने जाए, लेकिन मुखिया नारायण ये नहीं चाहता था। श्मशान में भी इस मामले को लेकर खूब विवाद हुआ था। जिसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन यहां अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। पुलिस की गश्ती पर भी गांव वालों ने सवाल उठाए हैं। गांव के लोगों का आरोप है कि पुलिस उगाही करने में जुटी है, इसलिए अपराध का ग्राफ बढ़ रहा है।

जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी

समस्तीपुर एसएसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि घटना की सूचना पर पटोरी के डीएसपी के साथ ही हलई थाना अध्यक्ष घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं। गोली चलाने वाले की पहचान कर ली गई है। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

एनसीएलटी ने दिवाला कार्यवाही की शुरुआत के बाद आरकॉम के खिलाफ कर दावे को खारिज किया

एनसीएलएटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) से बकाया का दावा करने वाली राज्य कर विभाग की याचिका को खारिज कर दिया है। कंपनी के खिलाफ बकाया का दावा दिवाला कार्यवाही शुरू होने के बाद किए गए आकलन पर आधारित था। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के आदेश को बरकरार रखा, जिसने राज्य कर विभाग के 6.10 करोड़ रुपये के दावे को खारिज कर दिया था। आरकॉम के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) 22 जून, 2019 को शुरू की गई थी। इसके बाद राज्य कर विभाग ने दो दावे दायर किए थे। पहला दावा 24 जुलाई, 2019 को 94.97 लाख रुपये के लिए और दूसरा दावा 15 नवंबर, 2021 को 6.10 करोड़ रुपये के लिए था। दूसरा दावा 30 अगस्त, 2021 के मूल्यांकन आदेश पर आधारित था। एनसीएलटी ने पहला दावा स्वीकार कर लिया था, जिसे सीआईआरपी की शुरुआत से पहले पारित किया गया था। हालांकि, इसने दूसरे दावे को स्वीकार नहीं किया जो 2021 में पारित मूल्यांकन आदेश पर आधारित था।

पंजाब पुलिस ने 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल के साथ दो संदिग्धों को पकड़ा

अमृतसर (ईएमएस)। पंजाब पुलिस को अमृतसर में एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। प्रदेश के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एक खुफिया आधारित ऑपरेशन में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा है। उनके पास से 4 ग्लॉक-26 पिस्तौल बरामद की गई है। डीजीपी ने लिखा आरोपी पाकिस्तान में मौजूद तस्करों के संपर्क में है, जो ड्रोन और अन्य माध्यमों से हथियारों और ड्रग्स की बड़ी खेप भारतीय क्षेत्र में भेज रहा है। बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने के लिए जांच चल रही है। वहीं, दूसरी ओर बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने तस्करी का प्रयास को भी असफल किया है। सुरक्षाबलों ने सीमा के पास से 2.8 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। तरनतारन जिले के डल गांव के पास सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस ने एक बाइक के साथ 2.8 किलोग्राम से अधिक वजन वाली संदिग्ध हेरोइन के पांच पैकेट जब्त किए। जानकारी के अनुसार बीएसएफ के जवान शुक्रवार को तरनतारन जिले के गांव डल के पास एक चौकी पर ड्यूटी पर थे। जब उन्होंने बाइक पर दो लोगों की संदिग्ध हरकत देखी। जैसे ही बीएसएफ जवानों ने उन्हें रुकने का इशारा किया, वे लोग बाइक छोड़कर मौके से भाग गए।

महेंद्रगढ़ में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विप्लव देव ने कांग्रेस पर साधा निशाना

महेंद्रगढ़,(ईएमएस)। अंबेडकर भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा सह प्रभारी और पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव देव, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और पूर्व शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा शामिल हुए। सभा में भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह और रामविलास शर्मा एक साथ मंच पर दिखाई दिए, जो भाजपा की एकता का प्रतीक था। इस दौरान विप्लव देव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा और तीखे कटाक्ष किए। विप्लव देव हेलीकॉप्टर से कॉलेज ग्राउंड पर पहुंचे, जहां भाजपा नेताओं ने उनका फूल-मालाओं और बुक्के से स्वागत किया। इसके बाद वे अंबेडकर भवन में कार्यकर्ताओं से रुबरु हुए और भाजपा की जीत के लिए कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया। अपने भाषण में, विप्लव देव ने कांग्रेस पर तीखा कटाक्ष किया, खासकर उन्होंने राव दान सिंह को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, कि काहे का राव? वो दागी है, साला चोर है। उसकी गिरफ्तारी भी तय है। उनके इस बयान से हंगामा खड़ा हो गया है। वहीं पूर्व शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उनके मन और जीवन में कमल का फूल होना चाहिए। उन्होंने विप्लव देव के निर्देशों का पालन करते हुए महेंद्रगढ़ में भाजपा के कमल को मजबूत करने की अपील की। भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह यादव ने भी सभा में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, कि उन्होंने पिछले 35 वर्षों से रामविलास शर्मा के साथ काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि अगले दस दिनों में मेहनत करें, फिर पांच साल तक भाजपा के साथ रहें। यह सभा भाजपा के लिए आगामी चुनावों में एकजुटता और संघर्ष के संकल्प को दर्शाती है।

पैलेस ऑन व्हील्स फिर दौड़ने को तैयार, सोने-चांदी से तैयार किए सुइट

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान की शाही ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स 25 सितंबर से फिर पटरियों पर दौड़ने को तैयार है। इस ट्रेन में कई बदलाव किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव महाराजा रेस्टोरेंट में किया गया है। इसे शीश महल की तरह तैयार बनाया गया है। इसे उन्हीं कारीगरों ने तैयार किया, जिनके पूर्वजों ने आमेर का शीश महल बनाया था। वहीं, शीशमहल, गोल्डन थीम, दीवारों में चांदी और पीतल का काम। इसके आगे फाइव स्टार होटल फैल है। ट्रेन में महारानी रेस्टोरेंट को गोल्डन थीम पर सजाया गया है। जिम को बदलकर प्रेसिडेंशियल सुइट बनाया है। इसका 7 दिन का किराया 39 लाख रुपए है। हर डिब्बे में स्मोक डिटेक्टर लगाए गए हैं। राजस्थान पर्यटन विकास निगम की ओर से ट्रेन की पहली ट्रिप दिल्ली के सफदरगंज स्टेशन से शुरू होगी। इस बार शाही ट्रेन से करीब 30 विदेशी सैलानी राजस्थान की अलग-अलग विरासत को देख सकेंगे। पांच महीने बाद ट्रैक पर उतरी ट्रेन का शुक्रवार को ट्रायल किया गया। पर्यटन निगम की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने बताया कि पैलेस ऑन व्हील्स ट्रेन को 25 सितंबर को दिल्ली से शुरु किया जाएगा। यह ट्रेन एक सप्ताह तक राजस्थान के प्रमुख हेरिटेज सिटी को कवर करते हुए आगरा तक जाएगी। ट्रेन का हर साल रेनोवेशन किया जाता है।

7वीं मंजिल से कूदकर मेडिकल कॉलेज की छात्रा ने दी जान

जयपुर,(ईएमएस)। जयपुर में एक अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल से कूदकर मेडिकल कॉलेज की छात्रा ने अपनी जान दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। वहीं छात्रा के मामा ने आरोप लगाया है कि हॉस्टल वार्डन उनकी भांजी को टॉर्चर करती थी जिससे परेशान होकर उसने अपनी जान दे दी। पुलिस ने सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को छात्रा के परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं। हॉस्टल के सीसीटीवी फुटेज निकलवाए गए हैं। यह घटना 29 अगस्त की बताई जा रहा है। एएसआई प्रवीण कुमार ने बताया कोटा के ओम अर्बन हाइट्स, सुभाष नगर निवासी दिव्यांशी नागर (19) ने 7वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली है। वह सांगानेर के साईपुरा स्थित डॉ. एमपीके होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। दिसम्बर 2023 से कॉलेज कैंपस में बने गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। 29 अगस्त की शाम करीब 7 बजे अपने मामा-मामी के साथ उनके महिंद्रा सेज स्थित घर आई थी।

शाह बोले- फारूक ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद लाए:90 के दशक में यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, मोदी गोली का जवाब गोले से देंगे

श्रीनगरः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। आज यहां उनकी पांच चुनावी रैलियां हैं। उन्होंने पहली चुनावी रैली मेंढर में, दूसरी थानामंडी में और तीसरी राजौरी में की। मेंढर में उन्होंने कहा- 90 के दशक में फारूक की मेहरबानी से आतंकवाद आया। तब यहां बहुत गोलीबारी होती थी, क्योंकि यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे। अब पाकिस्तान नरेंद्र मोदी से डरता है। पाकिस्तान की हिम्मत नहीं है कि वह गोलीबारी करे। अगर गोलीबारी की तो मोदी गोली का जवाब गोले से देंगे। ये चुनाव जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव है। तीनों परिवारों ने पूरे जम्मू-कश्मीर में 90 के दशक से 2014 तक दहशतगर्दी फैलाई। 40 हजार युवा मारे गए। शाह मेंढर, थानामंडी और राजौरी के बाद पूंछ और अखनूर में भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शाह का 5 दिन में यह दूसरा दौरा है। इससे पहले 16 सितंबर को उन्होंने पाडुर नागसेनी, किश्तवाड़ और रामबन में जनसभा की थी।

शाह की स्पीच की 5 बड़ी बातें...

- 1947 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ लड़े गए हर जंग में जम्मू-कश्मीर के सैनिकों ने भारत की रक्षा की है। 1990 के दशक में जब आतंकवाद आया, तो यह मेरे पहाड़ी, गुर्जर और बकरवाल भाई ही थे, जिन्होंने सीमाओं पर बहादुरी से गोलियों का सामना किया।
- हम हर घर में एक महिला को 18 हजार का चैक सालाना देंगे। सीधा बैंक अकाउंट में ये चैक जाएगा। ईद और मुहर्रम के मौके पर 2 गैस के सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। किसानों को मिल रहे 6 हजार रुपए 10 हजार में बदलेंगे। कृषि के बिजली बिल हम 50% कर देंगे। 500 यूनिट तक फ्री बिजली भी देंगे।
- जम्मू में मेट्रो लगाएंगे। तवी में रिवर फ्रंट लाएंगे और मेंढर, पूंछ-रजौरी में पर्यटन लाएंगे। 70 साल तक इन्होंने जम्मू के इस इलाके को अन्याय दिया है। हम 5 लाख सरकारी नौकरियां देंगे। हम बच्चों को लैपटॉप और टैबलेट भी देंगे। किश्तवाड़ में आयुसर्बल पार्क बनाएंगे। जम्मू में IT हब बनाएंगे।
- भाजपा ने तय किया है कि पहाड़ी, गुर्जर बकरवाल को सिर्फ नौकरी में ही आरक्षण नहीं देना है, बल्कि प्रमोशन में भी आरक्षण देना है। ये आपका अधिकार है। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और PDP ने आपको आरक्षण के अधिकार से वंचित रखा है।
- राहुल गांधी 'मोहब्बत की दुकान' की बात करते हैं, लेकिन आतंक का फरमान देते हैं। राहुल कहते हैं- पाकिस्तान के साथ बात करो। जब तक पाकिस्तान आतंक बंद नहीं करेगा, तब तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव

जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। 2019 में आर्टिकल-370 हटाने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव है। जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें 7 अनुसूचित जातियों के लिए और 9 अनुसूचित जनजातियों के लिए रिजर्व हैं। 18 सितंबर को पहले फेज की वोटिंग हो चुकी है। 25 सितंबर को दूसरे फेज और 1 अक्टूबर को तीसरे फेज की वोटिंग होगी। 8 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक यहां 88.06 लाख वोटर हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने 28 सीटें, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 15 और कांग्रेस ने 12 सीटें जीती थीं।

भाजपा 90 में से 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही

भाजपा ने जम्मू-कश्मीर की 90 में से 62 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जम्मू संभाग की सभी 43 सीटों पर भाजपा ने प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी कश्मीर में 47 में से 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बची हुई 28 सीटों पर भाजपा निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन करेगी।

पहले चरण में रिकॉर्ड 61.13% वोटिंग

18 सितंबर को पहले फेज में 7 जिलों की 4 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। इस दौरान 61.13% मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के मुताबिक किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.14% और पुलवामा में सबसे कम 46.65% वोटिंग हुई।

तिरुपति मंदिर प्रबंधन बोला- प्रसाद अब पवित्रः कहा- जांच में एनिमल फैट की पुष्टि, पूर्व राष्ट्रपति बोले- ऐसा हर मंदिर में हो सकता है

अमरावतीः आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के लड्डुओं की पवित्रता विवाद के बीच मंदिर प्रबंधन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कहा कि प्रसादम अब पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र है। इसे आगे भी रखने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। उधर टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने घी में जानवरों की चर्बी इस्तेमाल होने की बात मानी है। शुक्रवार, 20 सितंबर को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि लड्डू जिस घी से बनाए जा रहे थे, उसके सैंपल्स के 4 लैब रिपोर्ट्स में इसकी पुष्टि हुई है। राव ने कहा कि मंदिर प्रबंधन के पास अपनी लैब नहीं थी। घी सप्लायर एआर डेयरी फूड्स ने इसका फायदा उठाया।

इस बीच शनिवार को केंद्र और राज्य सरकार में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के अधिकारी तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एआर डेयरी फूड्स की फैक्ट्री में जांच करने पहुंचे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वाराणसी में कहा- 'कल रात

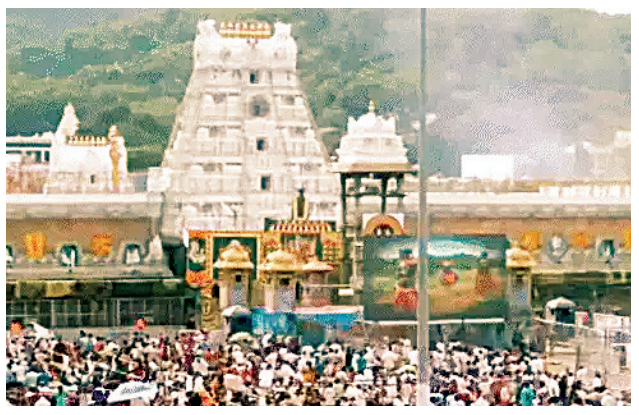

मेरे कुछ सहयोगी बाबा विश्वनाथ धाम गए थे। रात में मुझे बाबा का प्रसादम दिया, तो मेरे मन में तिरुमाला की घटना याद आई। मेरा मन थोड़ा खटका। हर तीर्थ स्थल में ऐसी घटिया मिलावट हो सकती है। हिंदू धर्म के अनुसार ये बहुत बड़ा पाप है। इसकी ढंग से जांच हो।'

प्रसादम विवाद कहां पहुंचा...

सुप्रीम कोर्टः वकील सत्यम सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। कहा, यह हिंदू धार्मिक रीति-रिवाजों के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। इस पर कोर्ट को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए।

हाईकोर्टः वाईएसआर ने लड्डू में चर्बी विवाद पर हाईकोर्ट का रुख किया। जगन रेड्डी की पार्टी ने इस मामले में मौजूदा जज की निगरानी में जांच का अनुरोध किया है। मामले में अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

स्वास्थ्य मंत्रालयः स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश सरकार से रिपोर्ट मांगी है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- मैंने सीएम चंद्रबाबू नायडू से बात की है। मंदिर के प्रसाद (लड्डू) की जांच कराई जाएगी।

सीबीआई जांच की मांगः टीडीपी, कांग्रेस और भाजपा ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। हालांकि केंद्र सरकार ने अभी यह केस जांच एजेंसी को नहीं सौंपा है।

यह विवाद कैसे सामने आया...

कर्नाटक कोऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन पिछले 50 साल से रियायती दरों पर ट्रस्ट को घी दे रहा था। हर छह महीने में 1400 टन घी मंदिर में लगता है। जुलाई 2023 में कंपनी ने कम रेट में सप्लाई देने से मना कर दिया, जिसके बाद जगन सरकार ने 5 फर्म को सप्लाई का काम दिया था। इनमें से एक तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एआर डेयरी फूड्स भी है। जिसके प्रोडक्ट में इसी साल जुलाई में गड़बड़ी मिली थी।

रक्तदान करने पहुंचे बीजेपी नेता, फोटो खिंचते ही बिस्तर से उठे और चल दिए

-खूब हो रहे ट्रोल, लोग लिख रहे- नकली रक्तदान का नाटक

लखनऊ,(ईएमएस)। राजनेताओं का खबरों और कैमरों से प्रेम जगजाहिर है, टीवी, अखबरों की सुर्खियों में बने रहने के लिए कुछ न कुछ करते रहे हैं। ऐसा ही एक मामला यूपी में सामने आया है यहां मुरादाबाद के महापौर और बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनोद अग्रवाल इस समय सोशल मीडिया खूब ट्रोल हो रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को बीजेपी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था।

बीजेपी नेता विनोद अग्रवाल ने बीजेपी आफिस में आयोजित इस शिविर का दौरा किया। उन्होंने रक्तदान करते हुए उन्होंने फोटो व वीडियो शूट करवाया लेकिन असल में उन्होंने रक्तदान किया ही नहीं। साथ ही वीडियो में यह भी दिख रहा कि खून लेने के लिए मौजूद स्वास्थ्यकर्मी भी फर्जी रक्तदान से बचने के लिए संघर्ष करता रहा। इस वीडियो के वायरल होने के बाद अब बीजेपी नेता अग्रवाल को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

वीडियो में मेयर विनोद अग्रवाल को रक्तदान शिविर में बिस्तर पर लेटे हुए दिखाया गया है, जबकि एक स्वास्थ्यकर्मी उनका रक्तचाप जांचने की तैयारी कर रहा है। बीजेपी नेता अग्रवाल ने इसके बाद डॉक्टर से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाने को कहा। जैसे ही पैरामेडिक सुई निकालता है, विनोद अग्रवाल अचानक बिस्तर से उठकर कमरे से बाहर आ जाते हैं यह देख वहां मौजूद सभी हैरान रह गए। जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, सोशल मीडिया यूजर्स ने बीजेपी नेता अग्रवाल की आलोचना शुरु कर दी। एक यूजर ने कहा कि कैमरे पर आने के लिए नकली रक्तदान का नाटक किया। क्या यही देश भक्ति है। इसी तरह कई यूजर्स ने उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद बीजेपी नेता विनोद अग्रवाल ने इसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुझे बदनाम करने के लिए वीडियो वायरल किया गया है।

गडकरी बोले- राजा ऐसा हो, जो आलोचना झेल सकेः उस पर आत्मचिंतन करें, यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा

पुणेः केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राजा (शासक) को ऐसा होना चाहिए कि कोई उसके खिलाफ बात करे, तो उसे बर्दाश्त करे। आलोचनाओं का आत्मचिंतन करे। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। गडकरी ने ये बातें पुणे में शुक्रवार को एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कही। गडकरी ने कहा कि साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों और कवियों को अपने विचार खुलकर और दृढ़ता से व्यक्त करने चाहिए। आजकल राजनीति में जो हो रहा है, वह दूसरी जगहों (विदेशों में) पर भी हुआ है। वहां पार्टियों का अस्तित्व तक खत्म हो गया।

14 सितंबर को कहा- विपक्षी नेता ने कहा था पीएम बनिए, समर्थन देंगे, मैंने ऑफर ठुकराया

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 14 सितंबर को कहा था कि एक बार एक नेता ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देने की पेशकश की थी। हालांकि गडकरी ने यह ऑफर यह कहकर ठुकरा दिया कि उनकी ऐसी कोई लालसा नहीं है। गडकरी ने कहा- 'मुझे एक घटना याद है। मैं किसी का नाम नहीं लूंगा... उस व्यक्ति ने कहा था कि अगर आप प्रधानमंत्री बनते हैं, तो हम समर्थन करेंगे। मैंने उनसे पूछा कि आप मेरा समर्थन क्यों करेंगे और मुझे आपका समर्थन क्यों लेना चाहिए? पीएम बनना मेरे जीवन का लक्ष्य नहीं। मैं अपने संगठन के प्रति वफादार हूं। मैं किसी भी पद के लिए समझौता नहीं करूंगा। मेरा निश्चय मेरे लिए सबसे अहम है।'

15 सितंबर को कहा- हमारे यहां न्यूटन के पिता हैं, फाइल पर वजन डालते ही आगे बढ़ जाती है

इससे पहले 15 सितंबर को गडकरी ने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे में इंजीनियर्स डे कार्यक्रम में कहा था- 'हमारे देश में किसी भी काम को पूरा करने के लिए पारदर्शिता की जरूरत होनी चाहिए। कई बार तो हालात ऐसे होते हैं कि सड़कों के गड्ढे भरने के लिए भी बॉस का आदेश चाहिए होता है। मैं अभी उनके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन कई बार पैसा हाथ में आते ही काम शुरू हो जाता है। हमारे यहां 'न्यूटन के पिता' हैं, जितना वजन फाइल पर डालोगे, उतनी ही तेजी से आगे बढ़ेगी।'

मुंबई में मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने को लेकर विवाद, क्षेत्र में तनाव

मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई के धारावी में एक मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने बीएमसी टीम पहुंची थी लेकिन भीड़ ने हंगामा कर दिया। लोग रास्ते पर बैठकर आंदोलन करने लगे। कार्रवाई करने पहुंची टीम की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई जिससे इलाके में तनाव फैल गया। हालात को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। धारावी में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस अधिकारी बीएमसी अधिकारियों के साथ मिलकर मुस्लिम समुदाय के नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। दरअसल मुंबई के धारावी के 90 फीट रोड पर 25 साल पुरानी मस्जिद को बीएमसी ने अवैध बताया था और इसे शनिवार को गिराने पहुंचे। बीएमसी के अधिकारियों की कार्रवाई से पहले ही मुस्लिम समाज के लोग रात से ही सड़कों पर आ गए और पूरा रास्ता जाम कर दिया। मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि यह मस्जिद बहुत पुरानी है और इस पर कार्रवाई करना गलत है। मुंबई नॉर्थ सेंट्रल की सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उन्हें धारावी के महबूब-ए-सुभानिया मस्जिद को मिले बीएमसी के डिमोलिशन नोटिस को लेकर लोगों की भावनाओं से अवगत कराया है। वर्षा ने कहा कि सीएम से सकारात्मक बातचीत हुई है।

कांग्रेस अपने दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो दूसरों का क्या करेगी

-बीजेपी नेता खट्टर बोले- शैलजा का हुआ अपमान, हम उन्हें साथ लाने को तैयार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारी कर रही हैं। वहीं कई पार्टियों में टिकट तो लेकर भी खींचतान जारी है। वहीं अब कांग्रेस की कुमारी शैलजा को लेकर राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने उन्हें आफर दे दिया है कि वह हमारी में शामिल जाएं। पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने एक कार्यक्रम में कहा कि बहन कुमारी शैलजा का कांग्रेस में अपमान हुआ है। कांग्रेस अपनी दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो वह प्रदेश के बाकी दलितों का क्या करेगी। हमने कई नेताओं को अपने साथ मिलाया है और हम तैयार हैं उन्हें भी अपने साथ लाने के लिए। खट्टर ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी की दलित नेता कुमारी शैलजा का अपमान हुआ है उन्हें गालियां तक दी गई हैं और अब वे घर बैठ गई हैं। खट्टर ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा और गांधी परिवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस अपमान के बावजूद उन्हें शर्म नहीं आई है। आज एक बड़ा वर्ग सोच रहा है कि क्या करें। मनोहरलाल खट्टर की इस टिप्पणी ने हरियाणा की चुनावी राजनीति में उबाल ला दिया है, खासकर तब जब शैलजा पिछले हफ्ते से पार्टी के प्रचार से दूर हैं। हालाँकि वे अपने घर पर समर्थकों से मिल रही हैं, लेकिन क्षेत्र में सक्रिय नहीं हैं। दलित वोट बैंक की राजनीति करने वाली पार्टियां भी शैलजा को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटी हैं। 13 सितंबर को शैलजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसके बाद से न ही वे हरियाणा के प्रचार अभियान में शामिल हुई हैं और न ही सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। इस बीच, बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि जब कांग्रेस अपनी दलित नेता का सम्मान नहीं कर पाई, तो वह प्रदेश के बाकी दलितों का क्या करेगी। शैलजा की नाराजगी ने हरियाणा की राजनीति में हलचल मचा दी है।

सीएसआर खर्च तय करेगा इंटर्नशिप योजना के लिए कंपनियों की पात्रता, एक करोड़ युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

कंपनी मामलों का मंत्रालय जल्द ही उन शीर्ष 500 कंपनियों की सूची जारी करेगा जो केंद्र सरकार की इंटर्न शिप योजना में भाग लेने के लिए पात्र होंगी। मामले से अवगत सूत्रों के अनुसार इन कंपनियों का चयन पिछले तीन वर्षों के दौरान उनके औसत वार्षिक कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च के आधार पर किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 में इस योजना की घोषणा की थी। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय इस महीने के अंत तक इंटर्नशिप योजना पोर्टल चालू कर देगा, जहां कंपनियां अपने पास उपलब्ध इंटर्नशिप का विवरण जारी कर करेंगी। इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन भी इसी पोर्टल के जरिये ऑनलाइन प्राप्त किए जाएंगे।

सूत्रों ने बताया कि कंपनियों की इंटर्न शिप के उम्मीदवारों तक सीधी पहुंच नहीं होगी। उम्मीदवार द्वारा इंटर्नशिप के लिए

आवेदन किए जाने के बाद मंत्रालय की समिति प्राप्त आवेदनों का चयन करेगी और संबं धित कंपनियों को भेजेगी। इसके तहत एक पद के लिए दो उम्मीदवारों के नाम भेजे जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनियां अपनी जरूरत के आधार पर उम्मीदवारों का चयन अथवा आवेदन को अस्वीकार कर सकती हैं। उन्होंने कहा, 'इस योजना के लिए काम जोरों पर है। तमाम कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है। यह कंपनियों और सरकार दोनों के लिए एक फायदेमंद योजना है। कंपनियां प्रतिभाओं को तैयार करना चाहती हैं और उसकी लागत की भरपाई सरकार कर रही है।'

वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2021-22 तक रिलायंस इंडस्ट्रीज सीएसआर मद में सबसे अ धिक खर्च करने वाली कंपनी रही है। मगर वित्त वर्ष 2022-23 में रिलायंस इस मद में 743.4 करोड़ रुपये के खर्च के साथ एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई। आईसीआईसीआई बैंक और टाटा स्टील भी देश में सबसे अधिक सीएसआर खर्च करने वाली कंपनियों में शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य इंटर्नशिप योजना के जरिये अगले 5 साल में देश की शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसके तहत युवाओं को 12 महीने तक वास्तविक कारोबारी माहौल और विभिन्न पेशेवर एवं रोजगार के अवसरों से परिचित कराया जाएगा। केंद्र सरकार इस योजना के तहत 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता और 5,000 रुपये प्रति महीने इंटर्नशिप भत्ता भी देगी।

कंपनियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे 10 फीसदी प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप लागत का वहन अपने सीएसआर कोष से करें। हालांकि यह योजना कंपनियों के लिए स्वैच्छिक है। इसलिए कंपनियां स्वैच्छिक आधार पर इसे अपना सकती हैं। मगर कंपनी अधिनियम के तहत सीएसआर अनिवार्य एवं सांवि धिक दायित्व है। इंटर्नशिप शीर्ष 500 कंपनियों के आपूर्तिकर्ताओं अथवा मूल्य श्रृंखला भागीदारों के जरिये प्रदान की जाएगी। अप्रैंटिस शिप के विपरीत इसमें प्र शिक्षुओं को स्थायी तौर पर नियुक्त करने की कोई बाध्यता नहीं है। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि इस योजना का उद्देश्य शैक्षणिक ज्ञान और उद्योग की जरूरतों के बीच की खाई को पाटना है।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, रविवार, 22 सितंबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

अब इंडिया में लड्डू पॉलटिक्स का दौर

कलियुग में सब कुछ बदल रहा है। सियासत भी। अब सियासत में बाक़ी तमाम मुद्दे पीछे चले गए हैं और अब लड्डू पॉलटिक्स शुरू हो गयी है। ये पॉलटिक्स तिरुपति में प्रसादम केलिए बनने वाले लड्डुओं में घी के नाम पर चर्बी के इस्तेमाल को लेकर शुरू हुई है। इस मामले में सूप तो सूँप छलनियाँ भी बोलने लगीं हैं ,जिसमें की सैकड़ों छेद होते हैं। लड्डू पॉलटिक्स में अब टीडीपी वायएसआर पार्टी ही नहीं बल्कि भाजपा और कांग्रेस भी कूद पड़ी है। दरअसल देश में नेताओं को जब राजनीति के लिए कुछ नहीं मिलता तो वे लड्डुओं तक का इस्तेमाल करने लगते हैं और इस तरह की पॉलटिक्स की शिक्षा भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को भी देना शुरू कर दी है। प्रसादम के लड्डुओं में चर्बी के इस्तेमाल का मुद्दा भाजपा की सहयोगी टीडीपी ने उठाया। टीडीपी की सरकार ने ही लड्डुओं की जाँच एक गुजराती प्रयोगशाला में कराई ,जबकि देश की सबसे बड़ी प्रयोगशाला हैदराबाद में मौजूद थी। लड्डू पॉलटिक्स के मामले में फांसी और सीबीआई जांच तक की मांग हो गई है. दरअसल, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के पिछली जगनमोहन रेड्डी सरकार पर मंदिर में प्रसाद में घी की जगह मछली का तेल और जानवरों की चर्बी मिलाई जाने के आरोपों के बाद से विवाद जारी है. वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष और आंध्र के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने नायडू पर पलटवार करते हुए कहा है कि अपनी सरकार के 100 दिन की नाकामी छुपाने के लिए चंद्रबाबू नायडू भगवान के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। क्योंकि, उनके सभी आरोप निराधार हैं. अब इस मामले में देश भर के संतों में भी नाराजगी देखी जा रही है. संत कह रहे हैं कि आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकते। आप भी जानते हैं और हम भी की इस देश में जब इंदिरा गाँधी और राजीव गाँधी के हत्यारों को फांसी नहीं हो पाती तो लड्डुओं में चर्बी और मछली का तेल मिलाने वालों को क्या ख़ाक फांसी होगी? हाँ ये तय है की इस मुद्दे पर अब पालटिक्स होगी ,क्योंकि टीटीडी यानि तिरुपति देवस्थानम के पास अकूत सम्पत्ति है। आंध्र प्रदेश की हर सत्ता इस सम्पत्ति का उपभोग करना चाहती है। लड्डू तो एक बहाना भर हैं। आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलते ही 12 जून को ही तिरुपति मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी की जांच के नमूने लिए गए थे। जांच रिपोर्ट 23 जून तक तैयार हो गई, लेकिन खुलासा सितंबर में हुआ जब नायडू सरकार के 100 दिन पूरे हुए। जो रिपोर्ट सामने आई उसमें लड्डू बनाने वाले घी में जो चीजें पाई गई थीं, वो बताती थी कि इसमें गाय के शुद्ध घी की जगह अन्य तिलहन और वस्पतियों के अलावा मछली के तेल और अन्य जानवरों की चर्बी हो सकती है। ये जांच नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड यानी एनडीडीबी के सेंटर फॉर एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड यानी सीएएलएफ लैब में कराई गई थी। इस सब को जाने दीजिये,क्योंकि लड्डू तो एक बहाना हैं लेकिन असल बात ये है कि देश के राजनितिक दलों के पास जितना पैसा था और है और आगे होगा उससे कई गुना पैसा तिरुपति के बालाजी भगवान के पास है।तिरुपति के बालाजी भगवान ने ये पैसा किसी इलेक्टोरल बांड के जरिये नहीं कमाया बल्कि ये अकूत दौलत देश के अमीर -गरीब भक्तों ने उन्हें स्वेच्छा से भेंट की है। साल 2023 में 773 करोड़ की कीमत का एक हजार 31 किलो सोना भगवान वेंकटेश को चढ़ाया गया. इतना ही नहीं, बालाजी मंदिर का बैंकों में 11 हजार 329 किलो सोना जमा है। मंदिर के नाम से 13 हजार 287 करोड़ रुपए फिक्स डिपॉजिट किया गया है. अप्रैल 2024 तक 18 हजार 817 करोड़ रुपए मंदिर के नाम से बैंक में जमा हो चुका है।टीटी डी ट्रस्ट बोर्ड ने 2024-2025 के लिए कुल 5 हजार 141.74 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है. ये पहली बार है, जब मंदिर का वार्षिक बजट 5,000 करोड़ रुपये के.आंकड़े को पार कर गया है। लड्डू पलटिक्स के जरिये जहाँ टीडीपी अपने राजनितिक प्रतिद्वंदियों को निबटना चाहती है वहीं भाजपा इनके जरिये अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों से हिसाब बराबर करना चाहती है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की और प्रसाद की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही जेपी नड्डा ने जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। सवाल ये है कि क्या इस मामले में केंद्र सरकार को हस्तक्षेप का अधिकार है? हर मामले में बिना बोले न रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तो दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कर दी है. वहीं, कांग्रेस ने सीएम नायडू पर सवाल खड़े किए हैं कि तीन महीने तक सीएम ने खुलासा क्यों नहीं किया। अब कांग्रेस ने सीबीआई जांच की मांग की है।

गुजरात की अमूल कम्पनी ने इस मामले में अपना नाम आते ही सफाई दी है की अमूल ने कभी भी टीटीडी को घी की आपूर्ति नहीं की। यानि चोर की दाढ़ी में तिनका। लड्डू पलटिक्स में अभी तक माननीय प्रधानमंत्री नहीं बोले है। वे इस समय चुनावी रैलियों में व्यस्त हैं,वैसे भी वे इस तरह के पचड़ों से दूर रहते हैं, पास तभी आते हैं जब उन्हें या उनकी सरकार और पार्टी को ऐसे मामलों से कोई लाभ हो। लेकिन लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तिरुपति के लड्डू से जुड़े मामले पर चिंता जताई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पूरे देश में प्रशासन को धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद के अपवित्र होने की खबरें परेशान करने वाली हैं। भगवान बालाजी भारत और दुनियाभर में लाखों श्रद्धालुओं के लिए पूजनीय देवता हैं। यह मुद्दा हर श्रद्धालु को आहत करेगा और इस पर गहराई से विचार करने की जरूरत है।

चूंकि भाजपा की नजर में राहुल गांधी देश के नंबर एक आतंकवादी हैं इसलिए उनकी बात सुनेगा कौन? सवाल ये है कि इस लड्डू पॉलटिक्स का अंत क्या होगा? क्या जगंमोहहं रेड्डी जेल जायेंगे? क्या आईएनडीआईए पर इन लड्डुओं के बहाने देश में हो रहे विधानसभा चुनावों में हमले किये जायेंगे? या सचमुच देश की जनता की आस्थाओं और जन स्वास्थ्य के प्रति खिलवाड़ को रूकने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर कोई कार्रवाई की जाएगी? मुमकिन है कि मामले का लाभ लेने के लिए राज्य सरकार इस मामले की सीबीआई जाँच के लिए अपनी सहयोगी केंद्र सरकार को खत लिख दे। मुमकिन है कि केंद्र सरकार इस जाँच की आड़ में कांग्रेस और कांग्रेस के सहयोगी जगन मोहन रेड्डी को जेल भेजने की तैयारी करे ,लेकिन कोई भी इस बात की गारंटी नहीं दे सकता कि भविष्य में प्रसादम के लड्डूओं में किसी चर्बी या मछली के तेल युक्त देशी घी का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन् 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार 'ग्राहमबेल' बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि हृदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे हृदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

खत्म होती नदियों की अविरलता

> केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में भारत ने नेपाल में कोसी, बागमती और कमला नदी पर उच्च-स्तरीय बांध बनाने और संबंधित डीपीआर तैयार करने के लिए 2004 में विराटनगर (नेपाल) में एक संयुक्त परियोजना कार्यालय स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार के बाढ़ को लेकर एक वैज्ञानिक ढंग से व्यापक अध्ययन की आवश्यकता है उसके बाद नदी जोड़ योजना का काम हो या फिर बराज बनाने का काम हो। विकास योजनाएं बनाते समय उसके सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय दुष्परिणामों को नजरअंदाज करने का क्या नतीजा हो सकता है, इसे समझने के लिए फरक्का बैराज को एक मॉडल के रूप में देखा जाना चाहिए।

कुमार कृष्णन

नदियों का शोषण एक खतरनाक स्तर तक कर चुके हैं। हमारी नदियाँ अपना मूल रूप खो चुकी हैं और बुरी तरह से अस्त-व्यस्त दशा में हैं। सिंचाई और हाइड्रोपावर के लिए बांध बने हैं, पानी को मनचाही दिशा में ले जाने के लिए बैराज बनाए गए हैं। फरक्का बराज के दुष्परिणाम को देख चुके हैं। फिर भी बिहार सरकार चेत नहीं रही है। बिहार सरकार कोई भी बराज बनाने से पहले फरक्का बराज के दुष्परिणामों से सीख ले। गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रमुख अनिल प्रकाश ने बिहार की नदियों पर इन बराजों के निर्माण पर आपत्ति जतायी है और कहा है कि — बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सात नदियों पर बराज बनाने की हड़बडी करनें से पहले गंगा पर बने फरक्का बराज से उत्पन्न विनाशकारी बाढ़, कटाव,जल जमाव, भूमियों के उसर होने, मछलियों के अकाल आदि भीषण स्थितियों का वैज्ञानिक आंकलन अवश्य करा लेना चाहिए।सरकार के बिहार की नदियों पर बराज बनाने फैसले से व्यापक आंदोलन की तैयारी आरंभ हो गयी है। इस फैसले के विरोध में बिहार, बंगाल और उत्तरप्रदेश में प्रथम चरण में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके उपरांत साथी संगठनों की बैठक कर आंदोलन की अगली रणनीति तय की जाएगी।अब तो मुजफ्फरपुर यानी तिरहुत में नारा गूंजने लगा है बागमती की धारा पर तटबंध बनाने आये हो, विश्वबैंक से कर्जा उठाकर हमें डूबाने आये हो।दरअसल में नेपाल में होने वाली बारिश से बिहार में होने वाली तबाही को रोकने के लिए बिहार सरकार ने चार बराज बनाने का निर्णय लिया है। ऐसे में फरक्का बैराज के निर्माण में दिखाई गई अदूरदर्शिता को एक सीख की तरह देखा जाना चाहिए। बिहार के जल संसाधन विभाग के मंत्री विजय चौधरी के अनुसार नेपाल में हाई डैम बनने का प्रस्ताव कई सालों से है, लेकिन वहां फिलहाल हाई डैम बनने की उम्मीद नहीं दिख रही है।कारण नेपाल में हाई डैम का मामला इसलिए अटका पड़ा है। कोई भी जल संधि तभी लागू की जाएगी जबतक कि वहां की संसद दो तिहाई बहुमत से मामले के पारित न कर दे। नेपाल के संसद के पेंच के कारण बिहार सरकार को बराज बनाने का फैसला लेना पड़ा। लिए गए फैसले के तहत नेपाल से आने वाली चार नदियों में चार जगह पर बराज बनाए जाएंगे।

यह बराज कोसी नदी पर डगमारा में, गंडक नदी पर अरेराज में, महानंदा नदी पर मसान में और बागमती नदी पर डिंग में बराज बनाया जाएगा। डीपीआर तैयार किया जा रहा है। बाढ़ नियंत्रण को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ी राशि दी है और हम लोग सोच रहे हैं कि नेपाल से आने वाले बाढ़ के पानी से जो नुकसान होता है उसे रोकने के लिए इन चार जगह पर बड़े बराज बनाया जाएं, जिससे कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए विश्व बैंक से 4400 करोड़ रुपये की सहायता ली जा रही है। यह डीपीआर मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। नेपाल सरकार से भारत सरकार की कई बार हाई डैम बनाने को लेकर बातचीत हुई है वर्ष 2004 में वहां संयुक्त रूप से विराटनगर में कार्यालय भी खोले गए हैं, लेकिन जहां भी सर्वे करने जाती है लोग हंगामा करने लगते हैं। यही कारण है कि नेपाल में हाई डैम बनाना मुश्किल हो रहा है। यही सोचकर बिहार सरकार ने अब बिहार में ही नेपाल से आने वाली चार नदियों पर बराज बनाने का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में बिहार के लिए प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ से संबंधित आपदाओं से निपटने के लिए 11,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की है।

केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में भारत ने नेपाल में कोसी, बागमती और कमला नदी पर उच्च-स्तरीय बांध बनाने और संबंधित डीपीआर तैयार करने के लिए 2004 में विराटनगर (नेपाल) में एक संयुक्त परियोजना कार्यालय स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार के बाढ़ को लेकर एक वैज्ञानिक ढंग से व्यापक अध्ययन की आवश्यकता है उसके बाद नदी जोड़ योजना का काम हो या फिर बराज बनाने का काम हो। विकास योजनाएं बनाते समय उसके सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय दुष्परिणामों को नजरअंदाज़ करने का क्या नतीजा हो सकता है, इसे समझने के लिए फरक्का बैराज को एक मॉडल के रूप में देखा जाना चाहिए। फरक्का बैराज 1975 में बनकर तैयार हुआ। मकसद था कि इसके जरिए 40 हजार क्यूसेक पानी का रुख बदल दिया जाये, ताकि कोलकोता बंदरगाह बाढ़ से बच सके। यह अनुमान करते नदी में आने वाले तलछट का अनुमान नहीं किया गया।परिणामस्वरूप,आवश्यकतानुरूप मात्रा में पानी का रुख नहीं बदला जा सका। दुष्परिणाम आज सामने है। बैराज का जलाश्य तलछट से ऊपर तक भरा है। पीछे से आनी वाली विशाल जलराशि पलटकर साल में कई-कई बार विनाश लाती है। ऊंची भूमि भी डूब का शिकार होने को विवश है। हजारों वर्ग किलोमीटर की फसल इससे नष्ट हो जाती हैं। फरक्का बैराज के बनने के बाद से समुद्र से चलकर धारा के विपरीत ऊपर की ओर आने वाली ढाई हजार रुपये प्रति किलो मूल्य वाली कीमती हिल्सा मछली की बडी मात्रा से हम हर साल खो रहे हैं, सो अलग। नदी किनारे की गरीब-गुरबा आबादी फरक्का को अपना दुर्भाग्य मानकर हर रोज कोसती है। फरक्का बराज के बनने के बाद से बिहार में बाढ़ की आपदा बढ़ी है। मगर जानकार यह भी मानते हैं कि बिहार में बाढ़ को नियंत्रित करने वाली तटबंध आधारित नीति ने भी बाढ़ के संकट को बढ़ाने का काम किया है। उत्तर बिहार की नदियों के जानकार दिनेश कुमार मिश्र के अनुसार आजादी के वक्त जब राज्य में तटबंधों की कुल लंबाई 160 किमी थी तब राज्य का सिर्फ 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बाढ़ पीड़ित था। अब जब तटबंधों की लंबाई 3760 किमी हो गयी है तो राज्य की लगभग तीन चौथाई जमीन यानी 72.95 लाख हेक्टेयर भूमि बाढ़ प्रभावित है। यानी जैसे-जैसे तटबंध बढ़े बिहार में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रफल भी बढ़ता चला गया।

सरकार का भी रवैया विचित्र है। एक ओर तो बिहार की बाढ़ के लिए फरक्का बराज को जिम्मेदार ठहराते हैं, तो दूसरी तरफ नए की वकालत भी करते हैं। अनिल प्रकाश के अनुसार फरक्का बराज के अनुभवों से ही समझ लेना चाहिए था कि नदियों को रोककर बाढ़ का मुकाबला नहीं किया जा सकता। 1870-75 से पहले बिहार में बाढ़ का जिक्र नहीं मिलता था। जबसे यहां रेलवे की शुरुआत हुई और नदियों के स्वतंत्र बहाव में बाधा उत्पन्न होने लगी बाढ़ की समस्या सामने आने लगी।

भूजल की कंगाली और अनुपम मिश्र की प्रासंगिकता

> भारत में हाल ही में आई जानलेवा गर्मी और सूखे के लिए आंशिक रूप से जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन ने ऐसी घटना की संभावना को लगभग 30 गुना बढ़ा दिया है। इसके अलावा, अतिरिक्त वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ इसी तरह की घटनाओं की संभावना बढ़ती रहेगी। अनुपम मिश्र को साल 1996 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित किया था। जमना लाल बजाज पुरस्कार सहित कई अन्य पुरस्कार भी उनके नाम हैं। अनुपम के पिता भवानी प्रसाद मिश्र हिंदी के प्रख्यात कवि थे।जल संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने काफी योगदान दिया है।

कुमार कृष्णन

हाल में दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल सप्ताह का उद्घाटन करते हुए कहा- संकट से जूझ रहे लोगों की संख्या को कम करने का लक्ष्य पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सतत विकास लक्ष्यों के तहत जल और स्वच्छता प्रबंधन में सुधार के लिए स्थानीय समुदायों की भागीदारी को जरूरी है।

जल-संचयन, जल निकासी और जलोपयोग के बीच पूर्ण अनुशासनहीनता जल संकट का मूल है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक ढाबों में एक सा खाना, भिन्न मौसम ताप के वाबजूद इमारतों की एक सी डिजाइन, एक से मेटेरियल का इस असंतुलन से गहरा नाता है। बारिश की बूंदों को संजोने की बजाय, पुरखों द्वारा संजोये पताली पानी को बोतलों में बंद करने,उससे मुनाफा कमाने,बांध, नहर नदी जोड़ जैसी मूढ़ परियोजनाओं के चित्र को जैसे ही सामने रखेंगें हम, समझ जाएंगें कि जल संकट प्राकृतिक नहीं, शैतानी इंसानी प्रवृति का दुष्परिणाम है। बात जब जल संकट की होती है तो अनुपम मिश्र सहज याद आ जाते हैं। उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है।अनुपम जी अपनी पीढ़ी के आखिरी ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत को पर्यावरण की राजनीति समझाई। वही वो व्यक्ति थे,जो चिपको आंदोलन में गए जब वापस आए तो एक हकीकत भरी कहानी उनके साथ लौटी।उन्होंने बताया कि चिपको आंदोलन सिर्फ पेड़ों तक सीमित नहीं था बल्कि लोगों के राजनीतिक पक्षपात से भी जुड़ा हुआ था। लोग पर्यावरण के लिए लड़ रहे थे क्योंकि यह उनके अस्तित्व की लड़ाई थी। उन्होंने पर्यावरण की विशुद्ध राजनीति को समझाया, यह भी समझाया कि इस देश में हाशिए पर खड़े गरीबों की राजनीति कौन सी है और आखिर उनका भूलाया हुआ और उपेक्षित किया जाने वाला ज्ञान कैसे विकास का हिस्सा बनेगा।अपने ढंग से उन्होंने गांधी के आश्रित हो लोक को समझने का प्रयास किया।

गांधी शांति प्रतिष्ठान में साथ बिताए वर्षों के दौरान, अनुपम मिश्र चंडी प्रसाद भट्ट के नेतृत्व वाले चिपको आंदोलन से बहुत प्रभावित हुए। सत्येंद्र त्रिपाठी के साथ, उन्होंने चिपको आंदोलन लिखा, जो भारत और दुनिया भर के लोगों का ध्यान "पेड़ों को गले लगाने" के इस अनूठे आंदोलन की ओर आकर्षित करने में बहुत प्रभावशाली था। सामूहिक अहिंसक प्रतिरोध के इस प्रेरक और प्रभावी रूप में, महिलाओं और पुरुषों ने मांग की कि अगर कोई पेड़ काटा जाना है, तो उन्हें भी उसके साथ काटा जाना चाहिए। भारत में सदियों से अपनाई जा रही जल संरक्षण तकनीकों की जानकारी में उन्हें महारथ हासिल था। उन्होंने देश-विदेश में बताया कि किस तरह भारत के अलग-अलह हिस्सों में रहने वाले लोग अपनी भौगोलिक स्थिति, संसाधनों की उपलब्धता और जरूरतों को समझते हुए जल संरक्षण के कारगर तरीके अपनाते थे। उनका कहना था कि आधुनिक जल परियोजनाएं इन पारंपरिक तरीकों के आगे फीकी और कम असरदार हैं। उनके निधन के बाद धीरे- धीरे लोगों ने उन्हें विस्मृत कर दिया। पर्यावरण के संदर्भ में वे देशज ज्ञान के वाहक थे। गांधी शांति प्रतिष्ठान जो उनकी कर्मभूमि थी, उनकी स्मृतियों को खत्म किया जा रहा है। वहीं झारखंड के रांची में 29 सितम्बर को गोदावरी फांउडेशन द्वारा अनुपम मिश्र को याद किए जाने के कई मायने हैं। वे ऐसे व्यक्ति थे जो बिना किसी नाम के, बिना आवाज के, बिना गाजे-बाजे के, बस अच्छे काम कर रहे थे। अनुपम जी व्यक्ति खोजते थे, उसे तराशते थे और उसके साथ काम करते थे। इनमें जल पुरूष राजेन्द्र सिंह के साथ साथ कई हस्तियों के नाम हैं। पर्यावरण संरक्षण आज के युग की बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। भारत में इसका असर विविध रूपों में देखने को मिल रहा है।देश में पर्यावरण का संरक्षण करने के लिए तक़रीबन 200 से भी अधिक कानून हैं, लेकिन लगभग सभी कानूनों का खुलेआम उल्लंघन होता है इसलिए भारत सर्वाधिक प्रदूषित देशों की सूची में आता है और पर्यावरण संरक्षण के लिए कोई कदम अभी तक प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाए हैं।गांधी ने अपनी जीवन यात्रा पहले पूरी की, पर्यावरण शब्द बाद में जन्मा। गांधी वातावरण का जिक्र करते। सारा कुछ प्राकृतिक संसाधनों के उपभोग का अतिरेक है,यह संकट। सूखा और जंगली आग अधिक बार होने लगी है, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं, ग्लेशियर और बर्फ पिघल रहे हैं और वैश्विक औसत समुद्र स्तर बढ़ रहा है।

भारत में हाल ही में आई जानलेवा गर्मी और सूखे के लिए आंशिक रूप से जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन ने ऐसी घटना की संभावना को लगभग 30 गुना बढ़ा दिया है। इसके अलावा, अतिरिक्त वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ इसी तरह की घटनाओं की संभावना बढ़ती रहेगी। अनुपम मिश्र को साल 1996 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित किया था। जमना लाल बजाज पुरस्कार सहित कई अन्य पुरस्कार भी उनके नाम हैं। अनुपम के पिता भवानी प्रसाद मिश्र हिंदी के प्रख्यात कवि थे।जल संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने काफी योगदान दिया है। भारत के गांवों में घूम-घूमकर वह लोगों को पानी बचाने और जल का संरक्षण करने के पारंपरिक तरीकों के बारे में जागरूक करते थे। भारत के पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों की उनकी समझ को लेकर वह ना केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी काफी मशहूर थे। उनकी पुस्तकें, खासकर "आज भी खरे हैं तालाब" तथा "राजस्थान की रजत बूंदें", पानी के विषय पर प्रकाशित पुस्तकों में मील के पत्थर के समान हैं, और आज भी इन पुस्तकों की विषयवस्तु से कई समाजसेवियों, वाटर हार्वेस्टिंग के इच्छुकों और जल तकनीकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को प्रेरणा और सहायता मिलती है। सबसे बड़ी खासियत है कि अनुपम जी ने खुद की लिखी इन पुस्तकों पर किसी प्रकार का "कॉपीराईट" अपने पास नहीं रखा है। इसी वजह से "आज भी खरे हैं तालाब" पुस्तक का अब तक विभिन्न शोधार्थियों और युवाओं द्वारा ब्रेल लिपि सहित 19 भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। सामाजिक पुस्तकों में महात्मा गाँधी की पुस्तक "माय एक्सपेरिमेंट्स विथ ट्रुथ" के बाद सिर्फ़ यही एक पुस्तक ब्रेल लिपि में उपलब्ध है। सन् 2009 तक, इस अनुकरणीय पुस्तक "आज भी खरे हैं तालाब" की एक लाख प्रतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं। सही अर्थों में भारतीय परिवेश, प्रकृति को गहराई तक समझने वाले अद्भुत विचारक,पर्यावरणविद, निश्चित ही अपनी तरह के विरले कर्मयोगी।

चुनाव की जीत बेगुनाही का सबूत नहीं

सनत कुमार जैन

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर लगे, दिल्ली शराब घोटाले के आरोपों और उनके इस्तीफे ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। केजरीवाल आरोपों को एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा बता रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जिस तरह से जमानत की शर्तें कोर्ट ने लगाई थी। उन शर्तों के कारण वह मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए भी कोई भी निर्णय करने की स्थिति में नहीं थे। नाही वह मुख्यमंत्री सचिवालय में जा पाते। इस स्थिति को देखते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जनता के बीच जाने का फैसला किया है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में यदि उन्हें बहुमत से जीत हासिल हो जाती है। तो उनका कहना है कि जनता की न्यायालय ने उन्हें ईमानदार माना है। वह जनता की अदालत से निर्दोष साबित होकर बाहर निकलेंगे। जिस तरह से चुनावी जीत को आरोपों से निर्दोष होने की बात उन्होंने कही है। इसे किस रूप में देखा जाए इसको लेकर अब राजनीतिक हल्कों में एक नई बहस छिड़ गई है। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद, नोटबंदी के फैसले को चुनावी जीत से जोड़ा था। पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने जनता के समर्थन को सबसे ऊपर रखते हुए, बार-बार कहा है। जनता ने उन्हें समर्थन दिया है। उनकी नीतियों को सही माना है। एक तरह से चुनावी जीत को केंद्र सरकार ने अपनी नीतियों की जीत बताया है। भाजपा की केंद्र सरकार और राज्यों की भाजपा सरकार बहुमत के आधार पर अपने हर निर्णय को चुनावी जीत से जोड़कर उसे बेगुनाही का सबूत बताती हैं। चुनावी जीत से किसी भी आरोप को समाप्त नहीं माना जा सकता है। चुनावी जीत का जनता के समर्थन का जुड़ाव हो सकता है। लेकिन चुनाव की जीत न्याय और अदालत के फैसले का विकल्प नहीं हो सकती है। नेता,चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, कानूनी प्रक्रिया से उसे गुजरना ही पड़ेगा। न्यायालय को ही यह अधिकार है, कानून के दायरे में रहते हुए अपने अधिकारों का प्रयोग किया है, या नहीं किया है। कानून के अनुसार अपराध निर्दोष होने का अंतिम फैसला न्यायालय का ही हो सकता है। 1975 में आपातकाल लगाया गया था। आज तक कांग्रेस को आपातकाल का दंस झेलना पड़ रहा है। जबकि लोकसभा और राज्यसभा में आपातकाल को लेकर बिल पास हुआ था। उसके बाद भी कांग्रेस यह कहकर आज भी नहीं बच पाती है, कि संसद ने आपातकाल का बिल पास किया था। निर्वाचित सरकारें बहुमत के आधार पर बहुत सारे निर्णय लेती हैं। जो समय-समय पर गलत भी साबित होते हैं। इलेक्ट्रॉल बांड वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उसे असवैधानिक बताकर निरस्त किया है। इलेक्ट्रोल बांड के जरिए कोई आर्थिक गड़बड़ी हुई है, तो उसके लिए संबंधित व्यक्ति, पार्टी अथवा जो भी जिम्मेदार होगा। वह न्यायिक समीक्षा के अधीन हमेशा रहेगा। इस मामले का फैसला जब भी करेगी, न्यायपालिका ही करेगी। कोई भी राजनीतिक दल या राजनेता यह कहकर नहीं बच सकता है, कि उसने चुनाव जीत लिया है। इसलिए उसके खिलाफ सारे आरोप खत्म हो गए हैं।

हिडिंबा मंदिर एक संरक्षित विरासत स्थल

मनाली में सबसे सुंदर, सबसे आकर्षक, सबसे रमणीय स्थान है- वन विहार नेशनल पार्क और उसकी परिधि पर स्थित हिडिंबा देवी मंदिर। चारों तरफ देवदार के ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से घिरा काष्ठ निर्मित भवन। हिडिंबा कुल्लू रियासत की अधिष्ठात्री देवी हैं और दशहरे के समय मनाली के मंदिर से बाहर निकल उनकी यात्रा कुल्लू तक जाती है। सबसे पहले उनकी पूजा, बाद में अन्य अनुष्ठान। भीम और हिंडिबा के बेटे प्रतापी घटोत्कच का मंदिर भी कुछ सौ मीटर की दूरी पर है। इस स्थान पर प्रकृति के सान्निध्य में आप घंटों बिता सकते हैं। उस दोपहर मंदिर में दर्शनार्थियों या पर्यटकों की संख्या काफी थी, लेकिन कहीं कोई हल्ला-गुल्ला नहीं, सब नैसर्गिक सुषमा का आनंद लेने में मगन थे। दर्शन के लिए पच्चीस-पचास जनों की कतार लगी थी, हम बाहर बैंच पर इत्मीनान से बैठे थे कि भीड़ कम होगी, तब भीतर जाएंगे।

कुल्लू-मनाली की वैसे तो बहुत ख्याति है और कुल्लू का दशहरा तो विश्वप्रसिद्ध हो चुका है, किंतु यह स्थान उनके लिए मनमाफिक है जो शांतिपूर्वक अवकाश के पल बिताना चाहते हैं। मनाली ही क्यों, हिमालय से लेकर सतपुड़ा, और नीचे मलयगिरि तक के सारे हिल स्टेशन निसर्ग की ममत्व भरी गोद में विश्राम करने के लिए निमंत्रित करते हैं, लेकिन आज जो यहां आते हैं, उनके पास शायद इतना समय नहीं होता कि प्रकृति की पुकार सुन सकें। वे उपभोक्ता बनकर आते हैं और पैसा वसूल की संतुष्टि लेकर लौट जाते हैं।

कुल्लू से मनाली की चालीस किमी की दूरी सामान्यतः डेढ़ घंटे में तय होना चाहिए थी, लेकिन सामरिक महत्व के भी इस राजमार्ग को फोरलेन करने का काम जारी था, जिसके चलते दो घंटे से भी अधिक समय लग गया। इस दरम्यान सड़क और नदी किनारे के कुछ गांवों की थोक फल मंडियां देखने का मौका अनायास ही मिल गया। फल, विशेषकर सेब की, सैकड़ों दूकानें सजी हुई थीं। मनाली व आसपास के इलाकों से फल उत्पादक किसान छोटे मालवाहकों से अपनी फसल लेकर आ रहे थे, मंडियों में नीलामी लग रही थी, और देश के दूरदराज क्षेत्रों से आए ट्रक चालक माल भरकर वापिस जाने की प्रतीक्षा में रुके हुए थे। इन बाजारों की सारी दूकानें अस्थायी थीं, बांस-बल्ली और तिरपाल के सहारे खड़ी की हुई। अभी मौसम है तो बाजार है, चहल-पहल है, दो माह बाद बर्फ गिरना शुरू होगी तो अगले कुछ माह तक की छुट्टी। कहना न होगा कि फल मंडियों की गहमागहमी के कारण भी यातायात में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा था। रह-रहकर बारिश हो रही थी तो उसका भी असर पड़ना ही था।

मनाली जब कोई दस-बारह किमी रह गई होगी, वहीं से होटलों व रिसोर्टों का लगभग अटूट सिलसिला प्रारंभ हो गया। एक से एक सुंदर नाम और हर तरह की सुविधा का वायदा करते उनके साइन बोर्ड। नगर की सीमा में प्रवेश किया तो चैन की सांस ली कि प्रतीक्षा समाप्त हुई, लेकिन कहां? हमारा होटल व्यास नदी के दूसरे किनारे पर प्रीणी गांव में था, जिसके लिए नगर के भीतर होटलों की कोई पांच किमी लंबी श्रृंखला पार करने के बाद पुल से दूसरी तरफ उतरे और यू-टर्न लेकर फिर होटलों के बोर्ड पढ़ते-पढ़ते अपने ठिकाने पर पहुंचे। सुबह से निकले हुए थे, खूब थक चुके थे, किंतु अपना होटल देखकर तबियत खुश हो गई। पहाड़ी के ऊपर सेव के बगीचे के बीच बसा छोटा सा होटल, जहां बालकनी से हिमालय की हिमटा पर्वत श्रृंखला के सुंदर दर्शन हो रहे थे। आसपास सेव के और बगीचे भी थे तथा निकट ही एक पहाड़ी झरना कलकल प्रवाहित हो रहा था। नदी भी सामने ही थी, लेकिन मकानों के पीछे दबने से दिखाई नहीं दे रही थी।

कुल्लू-मनाली की वैसे तो बहुत ख्याति है और कुल्लू का दशहरा तो विश्वप्रसिद्ध हो चुका है, किंतु यह स्थान उनके लिए मनमाफिक है जो शांतिपूर्वक अवकाश के पल बिताना चाहते हैं। मनाली ही क्यों, हिमालय से लेकर सतपुड़ा, और नीचे मलयगिरि तक के सारे हिल स्टेशन निसर्ग की ममत्व भरी गोद में विश्राम करने के लिए निमंत्रित करते हैं, लेकिन आज जो यहां आते हैं, उनके पास शायद इतना समय नहीं होता कि प्रकृति की पुकार सुन सकें। वे उपभोक्ता बनकर आते हैं और पैसा वसूल की संतुष्टि लेकर लौट जाते हैं। शहर में बीचोंबीच क्लब हाउस नामक स्थान है। यहां एक तरह का स्थायी कार्निवाल या मेला लगा हुआ है। नहर में बोटिंग, भवन के भीतर अनेक तरह के खेल-तमाशों का इंतजाम जो सामान्यतः किसी भी फन पार्क में पाए जाते हैं। यह क्लब हाउस सैलानियों के बीच खासा लोकप्रिय है। अगर मौसम उपयुक्त हो तो पर्यटक रोहतांग दर्रे या उसके पहले सोलांग की वादी तक जाते हैं। इनको छोड़ दें तो नगर की परिधि में दो-तीन स्थल ही दर्शनीय हैं।

वशिष्ट मंदिर समुच्चय एक प्रमुख दर्शनीय स्थल है। जैसा कि नाम से पता चलता है यहां वशिष्ठ ऋषि का मंदिर है, जिसके गर्भगृह में उनकी प्रतिमा स्थापित है। इसका एकमंजिला मुख्य भवन काष्ठ निर्मित है और उस पर सुंदर नक्काशी की गई है। बाजू में ही गरम पानी का सोता है, जिसे दीवारें खड़ी कर दो भागों में बांट दिया गया है। एक खंड पुरुषों और दूसरा महिलाओं के स्नान हेतु। मैं कल्पना कर रहा था कि बिना इस निर्माण के यह प्राकृतिक झरना मंदिर प्रांगण की शोभा कितनी बढ़ाता होगा, लेकिन यहां तो रेलमपेल मची थी।

तेल-साबुन लेकर पर्यटक कुंड के भीतर एक छोटी दीवाल खड़ी कर बना दिए गए छोटे हिस्से में स्नान कर रहे थे और बाकी बड़े हिस्से में देह से देह टकराते स्नान करते हुए अपना जीवन सार्थक करने में लगे थे। खैर, वशिष्ठ मंदिर के बाहर कुछ सीढ़ियां चढ़कर एक राममंदिर है। यहां सामने एक नया मंदिर बन गया है जिसमें पूजा-पाठ होता है; प्राचीन पाषाण मंदिर पीछे दब गया है, जिसकी कोई देखभाल नहीं है। उसके दो तरफ मटमैला पानी भरा था, याने आप मंदिर को चारों तरफ से देख भी नहीं सकते। इस प्राचीन भवन की नक्काशी भी दर्शनीय है। तीसरा इसके ठीक नीचे एक शिवमंदिर है, जो किसी मढ़िया जैसे आकार का है। इस मंदिर समुच्चय तक आने के लिए एक संकरी सड़क है, जिस पर एक साथ दो वाहन नहीं गुजर पाते।

मनाली में सबसे सुंदर, सबसे आकर्षक, सबसे रमणीय स्थान है- वन विहार नेशनल पार्क और उसकी परिधि पर स्थित हिडिंबा देवी मंदिर। चारों तरफ देवदार के ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से घिरा काष्ठ निर्मित भवन। हिडिंबा कुल्लू रियासत की अधिष्ठात्री देवी हैं और दशहरे के समय मनाली के मंदिर से बाहर निकल उनकी यात्रा कुल्लू तक जाती है। सबसे पहले उनकी पूजा, बाद में अन्य अनुष्ठान। भीम और हिंडिबा के बेटे प्रतापी घटोत्कच का मंदिर भी कुछ सौ मीटर की दूरी पर है। इस स्थान पर प्रकृति के सान्निध्य में आप घंटों बिता सकते हैं। उस दोपहर मंदिर में दर्शनार्थियों या पर्यटकों की संख्या काफी थी, लेकिन कहीं कोई हल्ला-गुल्ला नहीं, सब नैसर्गिक सुषमा का आनंद लेने में मगन थे। दर्शन के लिए पच्चीस-पचास जनों की कतार लगी थी, हम बाहर बैंच पर इत्मीनान से बैठे थे कि भीड़ कम होगी, तब भीतर जाएंगे। इतने में फुग्गे लेकर एक छोटा बालक आया, हमारे बाजू में एक परिवार बैठा था, उनका शिशु फुग्गे के लिए ललक रहा था। बेचने वाला बालक बार-बार उसके हाथ में गुब्बारा थमाता और शिशु की मां हर बार उसे लौटा देती।

मुझे कौतूहल हुआ। बालक से बातचीत करने लगा। पंजाब के किसी गांव से वह अपने माता-पिता के साथ आया है। पिता बढ़ई हैं, माँ मजदूरी करती है। इसकी उम्र छह-सात साल है। मनाली बाजार में कोई दूकानदार पांच सौ रुपए में पचास फुग्गे उधार दे देता है। दस रुपए नग का एक फुग्गा बीस में बेचकर यह बालक कुछ कमाई कर लेता है। उसके साथ थोड़ा बड़ा एक और बालक था। वह भी गुब्बारे लिए था। हमने एक फुग्गा खरीद लिया। बालक खुश। बोला- अपने स्मार्टफोन से हमारा फोटो खींचो। हमारे बाजू में दो युवक और बैठे थे। बंगलुरु से आए थे। उनके साथ बालक की दोस्ती पहले हो चुकी थी। वे एक बढ़िया कैमरे से तस्वीरें ले रहे थे और हमारे नन्हें मित्र को अपना वह कैमरा खुशी से इस्तेमाल करने दे रहे थे। बालक ने उनसे कहा- आपके कैमरे से मैं इनकी फोटो खींचूंगा और खटाखट हमारी दो-तीन तस्वीरें ले डालीं। इतनी छोटी उमर, इतनी समझदारी, इतना जिम्मेदारी का एहसास और इतनी ही वयसुलभ चंचलता। उस बच्चे की क्रीड़ाएं देखकर मन भर आया।

मैं बंगलुरु से आए युवकों से बातचीत करने लगा तो अपना परिचय देते हुए स्वाभाविक ही रायपुर का नाम आया। नजदीक खड़े एक अन्य युवक ने सुन लिया तो मेरे पास आया- आप रायपुर से हैं। हाँ। मैं भी बस्तर का हूं। अरे वाह, खुशी की बात है। क्या करते हो, अभी कहां रहते हो। उसने जानकारी दी कि माता-पिता जगदलपुर में हैं, वह पटियाला रहकर कोई काम करता है। इसके कुछ घंटे पहले वशिष्ठ मंदिर में महाराष्ट्र से आए एक दल के कुछ लोग मिले। वे यवतमाल, विदर्भ से थे। अच्छा, आप रायपुर से हैं। हम वहां से अपने काम के लिए मजदूर लेकर आते हैं। अभी भी पच्चीस-तीस मजदूर हैं। सड़क का काम बहुत अच्छा करते हैं। वे लोग हमारे पास खुश हैं। कई साल से आते हैं। धर्मशाला के बाद मनाली में भी रायपुर या छत्तीसगढ़ से जुड़े लोगों का मिलना एक ऐसा संयोग था, जिससे हमारे प्रदेश की आर्थिक-सामाजिक स्थिति का भी संक्षिप्त परिचय मिलता है। हिडिंबा मंदिर एक संरक्षित विरासत स्थल है। गनीमत है कि इसके मूलस्वरूप के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ नहीं की गई है।

मेकअप उतारने के लिए अपनायें प्राकृतिक तरीके

मेकअप उतारने के लिए हमेश ही प्राकृतिक नुस्खे अपनायें। प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल त्वचा की सेहत के लिए फायदेमंद है। अगर आप नियमित रूप से मेकअप करती हैं तो आपके लिए उसे ठीक तरह से उतारना भी बेहद जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि मेकअप ठीक से न उतारने की वजह से आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स की चपेट में आ सकती हैं।

चेहरे से मेकअप उतारने के लिए बेहतर मेकअप रिमूवर ढूंढना आपके लिए किसी कठिन चुनौती से कम नहीं है। कई तरह के मेकअप रिमूवर काफी ऑयली होते हैं, तो कुछ ऐसे भी होते हैं जो चेहरे पर गहरे धब्बे छोड़ जाते हैं। ऐसे में आपको चाहिए कि मेकअप हटाने के लिए प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें। जिनकी त्वचा कुछ ज्यादा सेंसिटिव होती है उनके लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होती। करें ये उपाय

ऑलिव ऑयल

थोड़ा सा ऑलिव ऑयल किसी सूती कपड़े पर लेकर उसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। यह आपके चेहरे की सारी गंदगी को दूर कर उसे पूरी तरह से साफ कर देगा।

खीरे का पेस्ट

खीरे की तासीर काफी ठंडी होती है, यह हम सभी जानते हैं। खीरे का पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट में एक चम्मच बादाम का तेल मिलाकर पूरे चेहरे पर रगड़िए। कुछ देर बाद गर्म पानी से इसे धो लीजिए। यह आपके चेहरे को प्राकृतिक सुंदरता देगा।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा त्वचा का काफी लोकप्रिय प्राकृतिक उपचार है। दो चम्मच एलोवेरा जेल को तीन चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं और सूती कपड़े की मदद से इसे पूरे चेहरे पर लगाएं। दो मिनट बाद इसे धोकर साफ कपड़े से पोछ लें। दूध – अगर आपकी त्वचा थोड़ी सेंसिटिव है तो आपके लिए दूध का प्रयोग मेकअप रिमूवर के बतौर ज्यादा सही रहेगा। कॉटन बॉल को दूध में भिगोकर इससे अपने चेहरे को साफ करें। यह आपके चेहरे को पूरी तरह से साफ कर देगा। दही – दही एक बेहतरीन मेकअप रिमूवर की तरह काम करता है। दही को अच्छी तरह से फेंटकर किसी कॉटन बॉल की सहायता से अपने चेहरे पर लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से रगड़ें। जब मेकअप पूरी तरह से उतर जाए तो चेहरे को पानी से अच्छी तरह से धो लें।

अपने पैरों का भी रखें ख्याल

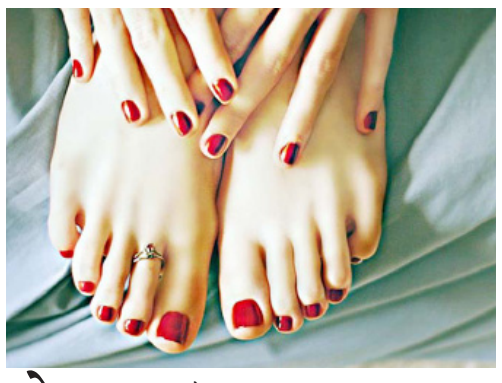

चेहरे के साथ-साथ पैरों की खूबसूरती का ख्याल रखना भी बहुत जरूरी होता है लेकिन कुछ महिलाएं अपने पैरों का बिल्कुल ध्यान नहीं देती और उनकी एड़ियां फट जाती हैं। एड़ियों में दरारें आने की वजह कई बार महिलाओं को शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर फटी एड़ियों को फिर से मुलायम बनाया जा सकता है।

नारियल का तेल

इसके लिए 1 बड़ा चम्मच नारियल तेल को हल्का गर्म करें और रात को सोने से पहले उससे एड़ियों की मसाज करें। अच्छी तरह एड़ियों की मसाज करने के बाद मोजे पहन लें और सुबह पैर धोएं। कुछ दिनों तक ऐसा करने से पैरों की एड़ियां मुलायम हो जाएंगी।

ग्लिसरीन और गुलाब जल

एड़ियों को मुलायम करने के लिए गुलाब जल और ग्लिसरीन भी काफी फायदेमंद साबित होती है। इसके लिए 3 चौथाई मात्रा में गुलाब जल और 1 चौथाई मात्रा में ग्लिसरीन लेकर मिश्रण तैयार करें। अब इसे एड़ियों पर कुछ देर के लिए लगा कर रखें और फिर गुनगुने पानी से पैरों को साफ करें। रोजाना ऐसा करने से बहुत जल्द फर्क दिखने लगेगा।

ओट्स और जोजोबा ऑयल

इसके लिए ओट्स को पीसकर पाउडर बना लें और इसमें जोजोबा तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को एड़ियों की दरारों में लगाएं और कुछ देर बाद गुनगुने पानी से धो लें। पैरों की एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए पानी में आधा कप शहद मिलाएं और इसमें कुछ देर के लिए पैरों को डुबो कर रखें। 20 मिनट के बाद पैरों को बाहर निकालें और तौलिए से अच्छी तरह पौंछ लें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे।

जैतून का तेल

इसके लिए रोजाना रात को सोने से पहले जैतून के तेल से पैरों की मसाज करें और आधे घंटे के बाद पैरों को धो लें। रोजाना ऐसा करने से बहुत जल्द एड़ियां मुलायम हो जाएंगी।

नौकरी से बाहर होने के समय करें ये काम

अगर किसी कारण से अपकी नौकरी या रोजगार में बाधा आई है और आप कुछ समय के लिए उसे जारी नहीं रख पा रहे हैं तो इस कठिन समय में भी आप कुछ तैयारियां करते रहें क्योंकि करियर में ब्रेक के बाद लोगों को नई नौकरी या रोजगार तलाशने में काफी सारी परेशानियों को सामना करना पड़ता है और अगर मिल जाए तो भी लय में आने में समय लगता है। इसलिए अगर आप भी करियर में ब्रेक के बाद फिर से नौकरी करने की तैयारी कर रहे है तो ये इन बातों का ध्यान रखें

फ्रीलांस

करियर में ब्रेक लेने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप बिल्कुल आराम से बैठे रहें बल्कि आप घर बैठे-बैठे ही फ्रीलांस के तौर पर काम कर सकते है। आमतौर पर नियोक्ता उन्हीं लोगों को प्राथमिकता देते हैं जो काम कर रहे हों। अगर आपका रेज्यूमे आपको जॉब मार्केट से बाहर दिखाता है तो काम मिलने में काफी परेशानी होती है।

ऐसे में फुल टाइम काम छोड़ने के बाद भी कुछ न कुछ फ्रीलांस लेते रहें, भले ही इसमें आपको टाइम मैनेजमेंट करना पड़े और पैसे भी आपके अनुसार न हों।

घर से कर सकते हैं काम

बड़े शहरों में दूरियों के कारण कई बड़ी कंपनियां अपने एम्प्लॉयीज को वर्क-फ्रॉम-होम या फ्लैक्जी- आर की सुविधा देती हैं। अगर कोई कंपनी कम घंटों का काम, घर से काम या प्रोजेक्ट-बेस्ड काम देती हैं और आपकी परिस्थितियां काम की इजाजत देती हैं, तो हर हाल में काम करें।

ब्रिज प्रोग्राम

कई बड़ी कंपनियां इस तरह के प्रोग्राम करती हैं ताकि वे करियर से ब्रेक लिए हुए स्किल्ड लोगों को खुद से दोबारा जोड़ सकें। यह किसी ब्रिज की तरह काम करता है और आपको तकनीकी रुप से या किसी भी तरह की अपेडट की ट्रेनिंग देती है ताकि आप अपने को अलग-थलग न पाएं। कंपनी आपको अस्थायी तौर पर काम पर रखती है, ट्रेनिंग देती है और अच्छे प्रदर्शन के बाद काम पर रख लेती है।

नेटवर्किंग करें

कई बार लम्बे समय तक काम से दूर रहने की वजह से अपने काम से जुड़े लोगों से नेटवर्क टूट जाता है, कम ही लोग हैं जो काम छोड़ने के बाद भी पेशेवर नेटवर्किंग कर पाते हैं। पेशेवर लोगों से दोबारा संपर्क और संबंध के लिए कई संस्थाएं वर्कशॉप चलाती हैं। इनका रजिस्ट्रेशन पहले से करवाना होता है और आमतौर पर इनका कोई शुल्क भी होता है।

मलाई से त्वचा निखारें

मलाई त्वचा के लिए बेहतरीन मॉइस्चराइजर के तौर पर काम करती है। कुछ मिनटों तक चेहरे पर मलाई से मसाज करने से त्वचा के डैमेज टीश्यूज ठीक हो जाते हैं, जिससे त्वचा स्वस्थ बनती है। मलाई चेहरे पर निखार भी लाता है। इसके लिए मलाई में थोड़ा सा शहद मिला कर के चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा पर चमक आएगी।मलाई त्वचा की रंगत को भी निखारती है। मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पर मौजूद टेनिंग को दूर कर के त्वचा को प्राकृतिक तरीके से निखारते हैं। कुछ लोगों के चेहरे पर अधिक काले धब्बे होते हैं, जिनपर कई महंगी क्रीम भी असरकारी नहीं होती है। लेकिन अब आप अपने धब्बों से राहत पा सकते हैं। इसके लिए धब्बों पर मलाई लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। जल्दी असर चाहती हैं तो मलाई में थोड़ा सा नींबू का रस मिला कर लगाएं। मलाई के सूखने पर ताजे पानी से मुंह धो लें। फर्क साफ नजर आने लगेगा।

इजरायल का बेरुत पर हवाई हमला, हिज्बुल्लाह कमांडर अकील समेत 59 की मौत

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजरायली सेना ने शुक्रवार को बेरूत में हवाई हमला किया, जिसमें हिज्बुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर इब्राहिम अकील समेत सात की मौत हो गई और 59 लोग घायल हो गए। इजरायल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से बेरूत के दक्षिणी में होने वाला यह तीसरा हवाई हमला था। इस क्षेत्र में जारी संघर्ष अब गाजा से लेबनान की तरह मुड़ गया है।

हिज्बुल्लाह को बीते दिनों इजरायल की ओर से अभूतपूर्व हमले का सामना करना पड़ा है। इसमें 16 सितंबर को हुआ पेजर अटैक भी शामिल है, जब हिजबुल्लाह के लड़ाकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हजारों संचार उपकरणों में अचानक विस्फोट होने लगा था। इस घटना में 37 लोग मारे गए और तीन हजार से

ज्यादा घायल हो गए थे हिज्बुल्लाह ने पेजर अटैक के पीछे इजरायल की साजिश होना बताया था।

इब्राहिम अकील हिजबुल्लाह की शीर्ष सैन्य इकाई, रादवान फोर्स का प्रमुख था। वह फुआद शुकर के बाद हिज्बुल्लाह सशस्त्र बलों का सेकंड कमांडर-इन-चीफ था। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से इब्राहिम अकील की मौत की पुष्टि हो गई है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक इब्राहिम अकील ने हिज्बुल्लाह के शीर्ष सैन्य निकाय, जिहाद परिषद में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

बता दें कि इस साल 27 जुलाई को हिज्बुल्लाह ने इजरायल के मजदल शम्स में एक फुटबॉल ग्राउंड पर रॉकेट दागा था, जिसमें 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इस हमले के लिए इजरायल ने फुआद शुकर को जिम्मेदार बताया था। इजरायल ने 30 जुलाई, 2024 को बेरूत में हवाई हमला करके हिज्बुल्लाह के शीर्ष कमांडर फुआद शुकर को मार दिया था। इस हमले में शुकर का सहयोगी और हमास लीडर सालेह अल-अरुरी भी मारा गया था। इस बीच इजरायल ने हिज्बुल्लाह के संभावित खतरों से अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपना अभियान जारी रखने की कसम खाई है।

आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि हिजबुल्लाह ने इजरायली नागरिकों पर आठ हजार से ज्यादा रॉकेट, मिसाइल और यूएवी से विस्फोटक दागे हैं, जिससे 60 हजार से ज्यादा इजरायलियों को अपने घरों से निकलने के लिए मजबूर हो गए है। उन्होंने कहा कि इजरायली नागरिकों की सुरक्षा के लिए हम लेबनान के सभी क्षेत्रों में अपना ऑपरेशन जारी रखेंगे।

इटली के मिलान में फैशन वीक के दौरान गुच्ची स्प्रिंग/से समर 2025 कलेक्शन प्रस्तुत करती एक मॉडल।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिए इन पर्सन वोटिंग शुरू, कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर

मिनियापोलिस,(ईएमएस)।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए आधिकारिक मतदान 5 नवंबर को होना है। इससे पहले इन पर्सन वोटिंग शुरू हो गई है। मिनेसोटा, साउथ डकोटा, और वर्जीनिया जैसे राज्यों में लोग मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े होकर मतदान कर रहे हैं। अक्टूबर के मध्य तक करीब एक दर्जन और राज्यों में इसी तरह व्यक्तिगत रूप से वोटिंग की शुरुआत की जाएगी। इस बार की इन पर्सन वोटिंग का महत्व और बढ़ गया है, क्योंकि यह अमेरिकी राजनीति के उथल-पुथल भरे दौर के बाद हो रही है। राष्ट्रपति जो बाइडन दौड़ से बाहर हो गए हैं, और उनकी जगह डेमोक्रेटिक पार्टी ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। रिपब्लिकन

पार्टी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर से मैदान में हैं। इन पर्सन वोटिंग की शुरुआत का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दिन संभावित भीड़ और अराजकता से बचाव करना है। इस व्यवस्था के तहत, पहले से ही वार्ड स्तर पर पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, जहां अशक्त और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। अमेरिका में इस बार का चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है, और दोनों प्रमुख पार्टियों के उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय जासूस मामले में अमेरिका और कनाडा से अलग रुख अपनाया, पीएम एंथनी ने भारत के साथ संबंधों को मजबूत बताया

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भारतीय जासूस के कथित मामले पर अमेरिका और कनाडा से अलग रुख अपनाते हुए कहा कि इस तरह के मामलों को निजी तौर पर और राजनयिक तरीके से उठाया जाता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में इस सप्ताह के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन होने वाला है, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अल्बानीज भी भाग लेंगे।

अमेरिका की यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से भारतीय जासूस से जुड़े आरोपों पर सवाल किया गया था। जवाब में अल्बानीज ने स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने के बजाय इसे निजी और कूटनीतिक

स्तर पर उठाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, मैं राजनयिक तरीके से काम करता हूं और चर्चाएं निजी तौर पर करता हूं। निस्संदेह, यह मामला उठाया जाएगा, लेकिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं।

ऑस्ट्रेलिया का यह रुख अमेरिका और कनाडा से भिन्न है। खासतौर पर तब जबकि अमेरिका और कनाडा द्वारा भारत पर अपने ही नागरिकों को निशाना बनाने और चुनावों में हस्तक्षेप जैसे आरोप लगाए गए हैं। कनाडा में तो इस मुद्दे पर न्यायिक जांच भी हो रही है और संसद में बहस छिड़ी हुई है। कनाडा की सुरक्षा एजेंसी ने भारत पर चुनावों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने इस मामले में अपने फाइव आइज गठबंधन के सदस्यों (अमेरिका, यूके, कनाडा और न्यूजीलैंड) से एक अलग रुख अपनाया है। बताते चलें कि फाइव आइज एक खुफिया साझेदारी है, जिसके सदस्य अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में सहयोग करते हैं। प्रधानमंत्री अल्बानीज की इस टिप्पणी को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, खासतौर पर ऐसे समय में जबकि वे क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका दौरे पर हैं।

लेबनान के बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में इजरायली हमले की जगह का निरीक्षण करते लोग और सैन्यकर्मी।

मोल्दोवन की मौजूदा राष्ट्रपति और आगामी राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार मैया सैंडू, मोल्दोवन के प्रधानमंत्री डोरिन रेसियन और संसद अध्यक्ष इगोर ग्रोसू मोल्दोवा के चिसीनाउ में सैंडू की अभियान रैली में शामिल हुए।

अमेरिकी यात्रा पर पीएम मोदी.....खालिस्तान समर्थक सिखों से मिला बाइडेन प्रशासन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने शनिवार को अमेरिका पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की तीन दिन की यात्रा पर भारत और अमेरिका ही नहीं दुनिया की नजरें है। वहीं पीएम मोदी के इस दौरे से ठीक पहले अमेरिका ने कुछ ऐसा किया है, जो भारत को नाराज कर रहा है। ये मामला खालिस्तानी पन्नू की हत्या की साजिश से जुड़ा है। अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने खालिस्तान समर्थक सिख नेताओं से मुलाकात की है। वहीं एनएसए अजीत डोभाल को भी अमेरिकी कोर्ट ने समन जारी किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सिख नेताओं से मुलाकात की। व्हाइट हाउस और अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के साथ सिख नेताओं की यह बैठक जो बाइडन और नरेंद्र मोदी से मुलाकात से दो दिन पहले हुई।

अमेरिका की ओर से भारत पर गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ हत्या की साजिश के मामले में उंगली उठाई गई है। इस बैठक में अमेरिकी अधिकारियों ने सिख नेताओं को इस संबंध में भारत के साथ सरकार की चल रही बातचीत के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सिख समुदाय को आश्वस्त करने की कोशिश की कि उनकी सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में शामिल हुए अमेरिकन सिख कॉकस कमेटी के संस्थापक प्रीतपाल सिंह ने कहा, हमने अपने समुदाय की सुरक्षा में सतर्कता के लिए वरिष्ठ संघीय सरकारी अधिकारियों को धन्यवाद किया। हाल ही में पन्नू ने खुद को मारने की कोशिश को लेकर भारत के खिलाफ एक नागरिक मुकदमा भी दायर किया है।

डोभाल को अमेरिकी कोर्ट का समन

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की ओर से दायर मुकदमे में अमेरिकी कोर्ट ने भारत के एनएसए अजीत डोभाल सहित कुछ अन्य भारतीयों के नाम समन जारी किया है। न्यूयॉर्क स्थित कोर्ट ने 21 दिन में समन का जवाब देने के लिए कहा है। इस समन पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने समन पर कहा है कि यह पूरी तरह से अनुचित और निराधार आरोप हैं।

चेचन्या के लीडर कादिरोव का चौंकाने वाला दावा.....मैंने साइबरट्रक को जंग के मैदान में उतारा

कीव (ईएमएस)। चेचन्या के लीडर और वॉरलार्ड रमजान कादिरोव ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका दावा है कि उसने दो साइबरट्रक को यूक्रेन के खिलाफ जंग के मैदान में उतारा है। साइबरट्रक को एलन मस्क की कंपनी टेस्ला बनाती है। लोगों को पास अभी तक यह गाड़ी ढंग से पहुंची नहीं लेकिन जंग के मैदान में उतार दी गई है।

कादिरोव ने पहले दावा किया था कि मस्क ने साइबरट्रक गिफ्ट की है। लेकिन मस्क ने इसका खंडन कर दिया। मस्क ने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है। कादिरोव ने कहा कि मस्क ने उसके साइबरट्रक को कथित तौर पर रिमोटली डिस्कनेक्ट कर दिया है। लेकिन इससे मैं परेशान नहीं हूं। मैं अपना काम करता रहूंगा। ये गाड़ियां बिना रिमोट के भी सही ढंग से काम करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी यूक्रेन के खिलाफ मैंने दो साइबरट्रकों को मशीन गैंन से लैस करके यूक्रेन के खिलाफ जंग में भेजा है।

जानिए क्या है साइबरट्रक का खासियत...

ये मस्क की कंपनी टेस्ला की बैटरी इलेक्ट्रिक पिक-अप ट्रक है। एक बार चार्ज करने पर यह 400 से 545 किलोमीटर जाती है। रेंज एक्सटेंडर लगा दिया जाए, तब इसकी रेंज बढ़कर 710 से 755 किलोमीटर तक हो जाती है। इसमें 123 किलोवॉटप्रतिघंटा लिथियन आयन बैटरियां लगी हैं। इसका व्हीलबेस 143.11 इंच हैं। यह ट्रक अधिकतम 180 से 210 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल सकती है। किसी भी तरह की जगह पर इसकी गति कम नहीं होती।

एम2 ब्राउनिंग मशीन गन की ताकत...

1993 से अब तक दुनिया के कई देशों में उपयोग हो रहा है। भारत में एम2एचबी वैरिएंट का उपयोग होता है। यानी एम2 हैवी बैरल का यूज किया जा रहा है। इसका वजन 38 किलोग्राम होता है। इसी मशीन गन का दूसरा वैरिएंट ब्राउनिंग एम1919 का उपयोग केजीएफ 2 फिल्म में किया गया है। एम2 ब्राउनिंग मशीन गन के बैरल की लंबाई 45 इंच है। इसमें .50 बीएमजी कार्टिरेज लगती है। जो 450 से 600 राउंड प्रति मिनट फायर करती है। गोली 890 मीटर प्रति सेकेंड की गति से दुश्मन की ओर बढ़ती है। इसकी रेंज बहुत खतरनाक है।

58 कर्मचारियों के साथ यौन संबंध, चीन की खूबसूरत गवर्नर को मिली 13 साल की सजा

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में एक महिला गवर्नर, झोंग यांग, को भ्रष्टाचार और गलत आचरण के आरोप में 13 साल की जेल और एक मिलियन युआन (लगभग 1.18 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। झोंग यांग पर 58 पुरुष कर्मचारियों के साथ यौन संबंध बनाने और लगभग 60 मिलियन युआन रिश्वत लेने के गंभीर आरोप हैं।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, झोंग यांग गुइझोउ प्रांत में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की गवर्नर और उप सचिव के रूप में कार्यरत थीं। उनकी सुंदरता और शक्ति की वजह से उन्हें खूबसूरत गवर्नर के रूप में भी जाना जाता था।

52 वर्षीय झोंग यांग पर आरोप है कि उन्होंने अपने 58 पुरुष कर्मचारियों के साथ यौन संबंध बनाए। कुछ कर्मचारियों ने लाभ पाने के लिए उनका प्रेमी बनना चुना। जबकि अन्य ने नौकरी खोने के डर से ऐसा किया। झोंग ओवरटाइम काम और व्यावसायिक यात्राओं के बहाने अपने प्रेमियों के साथ समय बिताया करती थी।

झोंग यांग 22 वर्ष की आयु में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हुईं और बाद में नेशनल पीपुल्स कांग्रेस में डिप्टी बनीं। वे किसानों की मदद और जरूरतमंद बुजुर्गों की सहायता के लिए जानी जाती थीं।

डॉक्यूमेंट्री से रिश्वत लेने का खुलासा

2023 में गुइझोउ रेडियो और टेलीविजन द्वारा निर्मित एक डॉक्यूमेंट्री में झोंग यांग की भ्रष्ट गतिविधियों का पर्दाफाश हुआ। यह सामने आया कि उन्होंने कई बार रिश्वत ली और पद का दुरुपयोग कर अपनी पसंदीदा कंपनियों को टेंडर दिलवाए। झोंग यांग को अप्रैल 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सितंबर में उन्हें पद से हटा दिया गया और कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। इसके बाद उन्हें 13 साल की सजा सुनाई गई।

रूस के दो लोगों ने अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया

मास्को (ईएमएस)। रूस के दो नागरिकों ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में सबसे लंबे समय तक लगातार रहने का रिकॉर्ड बनाया। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉस्मोस ने कहा कि ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब ने 370 दिन, 21 घंटे और 22 मिनट का पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जो सितंबर 2023 में रूस के सर्गेई प्रोकोपीव और दमित्री पेटेलिन तथा अमेरिकी फ्रांसिस्को रुबियो द्वारा स्थापित किया गया था। चूब और कोनोनेंको के रिकॉर्ड में सोमवार को पृथ्वी पर लौटने से पहले कई दिन और जुड़ जाएंगे। कोनोनेंको (59) के नाम अंतरिक्ष में बिताए गए समय के अन्य रिकॉर्ड भी हैं। अगले सप्ताह कजाकिस्तान पहुंचने तक वे पांच अभियानों के दौरान 1,110 दिन अंतरिक्ष में बिता चुके होंगे।

चीन में बेरोजगारी चरम पर, बच्चे पैदा करने की जगह कुत्ते और बिल्ली पाल रहे लोग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में हुई अजीब घटना से पूरी सरकार बुरी तरह से घबरा गई है। पूरा भारत भी इस खबर को सुनकर हैरान होगा। चीन में ऐसा बवाल शुरू हुआ है कि इस साल बच्चों से ज्यादा पालतू कुत्ते और बिल्ली हो जाएंगे। यानी खुद को महाशक्ति बोलने वाले चीन में अब बच्चों से ज्यादा पालतू जानवर होंगे। रिपोर्ट कहती है कि इस साल के आखिर तक चीन के शहरों में पालतू जानवरों की संख्या चार साल के उम्र के बच्चों से भी ज्यादा होगी। जानकारों ने कहा कि चीन में युवा जोड़े बेरोजगारी की वजह से कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन लोगों के लिए बच्चे पालना काफी महंगा हो चुका है। इसकारण अब चीन के लोग बच्चों की जगह पालतू जानवर पाल रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा कुत्ते और बिल्ली शामिल है। कई चीनी जोड़े बच्चों के लिए नहीं इसके बजाय, वे पालतू माता-पिता बन गए हैं। अनुमान के अनुसार, 2030 तक सिर्फ शहरी चीन में पालतू जानवरों की संख्या देश भर में छोटे बच्चों की संख्या से लगभग दोगुनी होगी। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में कुत्तों और बिल्लियों की संख्या को शामिल किया जाए, तब देश की पालतू स्वामित्व दर और भी अधिक होगी। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत में उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर देकर कहा है कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है, इसलिए वह बेरोजगारी नहीं है, जबकि भारत और अमेरिका सहित पश्चिमी देश बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि जुलाई के महीने में चीन में युवाओं की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

ब्रिटेन में तूफान, ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी

लंदन,(ईएमएस)। भारत में खराब मौसम के बाद अब ब्रिटेन में भी मौसम विभाग ने गंभीर चेतावनी जारी की है। शनिवार को ब्रिटेन के कई हिस्सों में तूफान और ओलावृष्टि के कारण जीवन के लिए खतरा पैदा हो जाने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें कुछ ही घंटों में 70 मिलीमीटर तक बारिश की संभावना है। यह अलर्ट विशेष रूप से वेल्स, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड, मिडलैंड्स और दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के कुछ हिस्सों के लिए जारी किया गया है। यहां बताते चलें कि शुक्रवार को भी दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड, वेल्स के कुछ हिस्सों, मिडलैंड्स और पश्चिमी लंदन के लिए चेतावनी जारी की गई थी। मौसम विभाग ने बताया कि तूफानी हवाओं की रफ्तार 500 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके साथ ही बिजली गिरने, ओलावृष्टि और भारी बारिश से इमारतों को नुकसान पहुंचने, सार्वजनिक परिवहन में बाधा उत्पन्न होने और बाढ़ की आशंका भी जताई गई है। मौसम विभाग के मुख्य मौसम विज्ञानी जेसन केली ने कहा, यह चेतावनी उन क्षेत्रों के लिए जारी की गई है जहां गरज के साथ भारी बारिश का सबसे अधिक जोखिम है। उप मुख्य मौसम विज्ञानी डैन हैरिस ने भी अगले हफ्ते भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे सोमवार के लिए भी नई चेतावनी जारी की जा सकती है। इस खराब मौसम को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, विशेषकर वेल्स, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड और मिडलैंड्स में। तूफानी हवाओं के साथ ओले गिरने और बिजली गिरने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की चेतावनी दी गई है।

अमेरिका में भारतीय दूतावास में अधिकारी की लाश देख मची अफरा-तफरी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास में अचानक से उस समय सनसनी मच गई, जबकि दूतावास कैंपस में एक भारतीय अधिकारी की लाश पाई गई। कैंपस में अधिकारी की लाश देख हर कोई सन्न रह गया। अधिकारी की मौत ने सभी को चौंका दिया है, और स्थानीय पुलिस तथा खुफिया एजेंसियां उनकी मौत के कारणों की जांच में जुट गई हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने यह माना है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। इस संबंध में भारतीय दूतावास ने बयान जारी करते हुए अधिकारी की मौत होने की पुष्टि की है, लेकिन मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा, कि 'अत्यंत खेद के साथ हम यह सूचित करना चाहते हैं कि भारतीय दूतावास के एक सदस्य का 18 सितंबर 2024 की शाम को निधन हो गया। हम पार्थिव शरीर को जल्द भारत भेजने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों और परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं।' इस बयान के अलावा ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है। बस यही कहा गया है कि, 'परिवार की गोपनीयता की चिंता के चलते मृतक अधिकारी के बारे में ज्यादा डिटेल जारी नहीं की जा रही है। दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।' स्थानीय पुलिस ने अभी तक अधिकारी की मौत की जांच को लेकर कोई औपचारिक जानकारी साझा नहीं की है। घटनास्थल पर जांच जारी है और सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

यूएनएचआरसी में पाकिस्तान की जुल्कों की खुली पोल

जिनेवा (ईएमएस)। 'गिलगित-बाल्टिस्तान या पीओजीबी में लोगों की दुर्दशा बेहद परेशान करने वाली है। यह क्षेत्र गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन, प्रणालीगत उत्पीड़न और पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा गंभीर दमन से पीड़ित है। यह पाकिस्तान का एकमात्र शिया और इस्माइली बहुल प्रशासनिक क्षेत्र है, स्थानीय आबादी व्यापक भेदभाव और हाशिए पर है। जबरन गायब किए जाने, न्यायेतर हत्याओं और मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने की कई रिपोर्टें मिली हैं।बडगाम के कश्मीरी कार्यकर्ता जावेद बेग ने जिनेवा में यूएनएचआरसी के 57वें सत्र में गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों पर पाकिस्तान के अत्याचारों को उजागर किया। पिछले सात दशकों में यह पहली बार था कि गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों की दुर्दशा का मुद्दा कश्मीर के किसी भारतीय कार्यकर्ता ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उठाया गया। उन्होंने यूएनएचआरसी के 57वें सत्र में आगे बताया कि अनुचित टैक्स और संसाधन दोहन के खिलाफ पीओजीबी में हाल ही में विरोध प्रदर्शनों में वृद्धि का सामना सुरक्षा बलों द्वारा क्रूर दमन से किया गया है। पाकिस्तानी शासन की प्रतिक्रिया असहमति को दबाना, कार्यकर्ताओं को चुप कराना और बुनियादी स्वतंत्रता को कम करना रही है, जो मानवाधिकारों के हनन के एक परेशान करने वाले पैटर्न को उजागर करती है। जावेद ने यूएनएचआरसी में गुहगार लगाई कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पीओजीबी में लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इन मानवाधिकार उल्लंघनों में पाकिस्तानी राज्य की निष्क्रियता और सक्रिय भागीदारी तत्काल ध्यान देने की मांग करती है।

यूक्रेन के कीव में रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेते यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की।

बाप रे बाप.....इस देश में एक-दूसरे की बीवियों को चुराने की परंपरा

साहेल (ईएमएस)। दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ये जनजातियां अपने आप में किसी रहस्य से कम नहीं हैं। इन समाज का अपना एक अलग ही कायदा और कानून होता है। किसी जनजाति में मर्दानगी साबित करने के लिए खतरनाक चीटिंयों से खुद कटवाना पड़ता है, तब किसी ट्राइब की महिलाएं शादी से पहले ही अपने पसंदीदा पुरुष से सुहागरात मना लेती हैं। ऐसी ही एक रहस्यमय जनजाति का नाम वोदाबे ट्राइब है, जो पश्चिमी अफ्रीका में रहती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जनजाति के लोगों में एक-दूसरे की बीवियों को चुराने की अजीबोगरीब परंपरा है। लेकिन उसके पहले एक काम करना होता है।

ग्रहों का पड़ता है गहरा प्रभाव

ग्रह कई बीमारियों के लिए भी जिम्मेदार होते हैं

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन पर काफी प्रभाव पड़ता है। ग्रह कई बीमारियों के लिए भी जिम्मेदार होते हैं। आइए जानते हैं किस ग्रह की वजह से कौन सी बीमारी हो सकती है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए। शरीर में कुल मिलाकर पांच तत्व और तीन धातुएं होती हैं। ये पांचों तत्व और तीनों धातुएं 9 ग्रहों से नियंत्रित होती हैं। जब कोई तत्व या धातु कमजोर होती है, तब शरीर में बीमारियां बढ़ जाती हैं। छोटी हो या बड़ी, हर बीमारी इन 9 ग्रहों से संबंध रखती है। इनसे संबंधित ग्रहों को ठीक करके हम शरीर की बीमारियों को दूर कर सकते हैं।

सूर्य और इसकी बीमारियां-

सूर्य ग्रहों का राजा है। हर ग्रह की शक्ति के पीछे सूर्य ही होता है। सूर्य के कारण हड्डियों की और आंखों की समस्या होती है। हृदय रोग, टीबी और पाचन तंत्र के रोग के पीछे सूर्य ही होता है।

उपाय-

- प्रातः जल्दी सोकर उठें।
- नित्य प्रातः सूर्य को जल अर्पित करें।
- भोजन में गेंहू का दलिया जरूर खाएं।
- तांबे के पात्र से जल पीएं।

चंद्रमा और इसकी बीमारियां-

चंद्रमा व्यक्ति के मन और सोच को नियंत्रित करता है। इसके कारण व्यक्ति को मानसिक बीमारियां होती हैं। व्यक्ति को चिंताएं परेशान करती रहती हैं। नींद, घबराहट, बेचैनी की समस्या हो जाती है।

उपाय-

- देर रात तक जागने से बचें।
- पूर्णिमा या एकादशी का उपवास रखें।
- शिव जी की उपासना करें।
- चांदी का छल्ला या चांदी की चेन धारण करें।

मंगल की बीमारियां-

मंगल मुख्य रूप से रक्त का स्वामी होता है। यह रक्त और दुर्घटना की समस्या देता है। यह उच्च रक्तचाप और बुखार के लिए भी जिम्मेदार होता है। यह कभी कभी त्वचा में संक्रमण भी पैदा कर देता है।

उपाय-

- मंगलवार का उपवास रखें।
- चीनी खाने के बजाय गुड़ का सेवन करें।
- जमीन पर या लो फ्लोर के पलंग पर सोएं।
- घड़े का जल पीना अद्भुत लाभकारी होगा।

बुध और इसकी बीमारियां-

बुध शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का स्वामी होता है। इसके कारण संक्रमण वाली बीमारियां होती हैं। यह कान नाक गले की बीमारियों से संबंध रखता है। इसके अलावा त्वचा के रोग भी बुध के कारण ही होते हैं।

उपाय-

- भोजन में सलाद और हरी सब्जियों का प्रयोग करें।
- कुछ देर उगते हुए सूर्य की रौशनी में बैठें।
- प्रातःकाल खाली पेट तुलसी के पत्तों का सेवन करें।
- गायत्री मंत्र का जप भी विशेष लाभकारी होता है।

बृहस्पति की बीमारियां-

यह व्यक्ति को स्वस्थ भी रखता है। साथ ही गंभीर बीमारियां भी देता है। कैंसर, हेपटाइटिस और पेट की गंभीर बीमारियां यही देता है। यह आमतौर पर छोटी मोटी बीमारियां नहीं देता।

उपाय-

- प्रातःकाल सूर्य को हल्दी मिलाकर जल अर्पित करें।
- शुद्ध सोने का छल्ला तर्जनी अंगुली में धारण करें।
- हल्दी का तिलक अवश्य लगाएं।
- विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ अवश्य करें।

शुक्र और बीमारियां-

यह शरीर के रसायनों को नियंत्रित करता है। इसके कारण हार्मोन्स और मधुमेह की समस्या हो जाती है। कभी-कभी यह आंखों को भी प्रभावित करता है।

उपाय-

- दोपहर के भोजन में दही जरूर खाएं।
- चावल, चीनी और मैदा कम से कम खाएं।
- भोर में उठकर जरूर टहलें।
- एक सफ़ेद स्फटिक की माला गले में धारण करें।

शनि और बीमारियां-

शनि के कारण लंबे समय तक चलने वाली बीमारियां होती हैं। यह स्नायु तंत्र और दर्द की समस्या देता है। यह व्यक्ति का चलना फिरना रोक देता है। आम तौर पर शरीर को विकृत बना देता है।

उपाय-

- सात्विक और सादा भोजन ग्रहण करें।
- रहने के लिए हवादार और साफ सुथरे घर का प्रयोग करें।
- एक लोहे का छल्ला जरूर धारण करें।
- प्रातःकाल पीपल के नीचे कुछ समय जरूर बैठें।

राहु और बीमारियां-

यह हमेशा रहस्यमयी बीमारियां देता है। इसकी बीमारियां शुरू में छोटी पर बाद में गंभीर हो जाती हैं। इसकी बीमारियों का कारण अक्सर अज्ञात रहता है। ये खुद आती हैं और खुद ही चली जाती हैं।

उपाय-

- चंदन की सुगंध का खूब प्रयोग करें।
- गले में एक तुलसी की माला धारण करें।
- आहार को सात्विक रखें।
- चमकदार नीले रंग का खूब प्रयोग करें।

केतु और बीमारियां-

केतु भी रहस्यमयी बीमारियां देता है। आमतौर पर त्वचा की और रक्त की विचित्र बीमारियों के पीछे यही होता है। इसकी बीमारियों का कारण और निवारण समझ नहीं आता। यह कल्पना की बीमारियां भी देता है।

उपाय-

- नित्य प्रातः स्नान जरूर करें।
- धर्मस्थानों या धर्म सभाओं में अवश्य जाएं।
- निर्धनों को भोजन कराएं।
- माह में कुछ न कुछ गुप्त दान अवश्य करें।

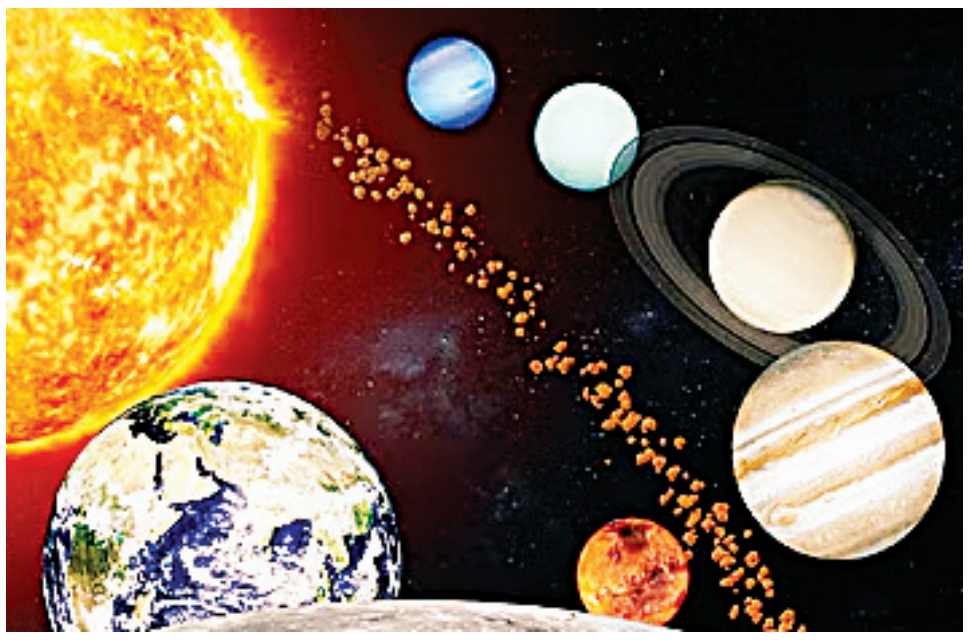

हर मौसम में खास है खादी

आजकल खादी का प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसके परिधान अब स्टायलिश होने के साथ ही हर अवसर पर एक विशेष लुक देते हैं। आजकल खादी पहनना एक स्टेटस सिंबल भी बनता जा रहा है। बदलते मौसम में कपड़ों के लिए फैब्रिक चुनना जरा मुश्किल लगता है पर खादी ऐसा मैटेरियल है जो आप हर मौसम में बिंदास पहन सकते हैं। खास तौर से हर कोई ऐसे कपड़े पहनना चाहता है, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी हों। अगर आप भी अपने लिए कंफर्ट और स्टाइल की तलाश कर रही हैं तो खादी से बेहतर विकल्प क्या हो सकता है।

खादी में हैं कई विकल्प

फैशन के रोजाना बदलते ट्रेंड में खादी फैब्रिक्स की खासी डिमांड है। इसमें पैच, कांथा, फुलकारी वर्क और ब्लॉक प्रिंटिंग जैसे कई वरायटीज वाले आउटफिट्स इन दिनों ट्रेंड में हैं। प्रिंट्स और डिजाइंस से अलग प्लेन खादी ड्रेस भी अलग लुक देती है। इस फैब्रिक से बने नेहरू जैकेट्स यंगस्टर्स के बीच खासे पसंद किए जाते हैं। साड़ी और सलवार-सूट्स से अलग अब शर्ट, पैंट और स्कट्र्स में भी कई तरह

के आउटफिट्स देखे जा सकते हैं। अलग अंदाज और स्टाइल में नजर आने के लिए स्पेगेटी टॉप को स्कर्ट या लुक पैंट्स के साथ पहना जा सकता है। खादी के क्रॉप टॉप और रैप-अराउंड स्कर्ट का कॉम्बो बेहद आकर्षक लगता है।

खास है खादी की साड़ी

खादी की हाथ से बनी साड़ी को बेहद पसंद किया जाता है। ये विभिन्न रंगों और स्टाइल में मिलती हैं। मॉडर्न लुक के लिए जरदोंजी की कढ़ाई और ब्लॉक प्रिंट वाली साड़ी चुनें। रंगीन प्लेन साड़ी को कढ़ाईदार शर्ट ब्लाउज के साथ भी पहन सकती हैं, जो आपको एकदम नया लुक देगी।

खादी के कुर्ते देते हैं सोबर लुक

अगर आप हमेशा सहज महसूस करना चाहती हैं तो खादी के कुर्ते या शॉर्ट ड्रेस पहन सकती हैं। गले पर बढिय़ा कढ़ाई वाली कुर्ती के साथ कुछ आभूषण भी पहन सकती हैं, जिससे आपके लुक में चार-चांद लग जाएंगे। गहरे रंग के स्कार्फ या दुपट्टे को प्लेन ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। दुपट्टे को हलके रंग की कुर्ती के ऊपर पहनें, जिससे आप निश्चित रूप से भीड़ से अलग नजर आएंगी। खादी के शॉर्ट पैंट या श्रग भी पहन सकती हैं। शॉर्ट्स पर श्रग आपको बेहद स्मार्ट लुक देगा।

गर्भावस्था के दौरान प्लास्टिक बोतल से पानी न पीयें...

गर्भावस्था के दौरान दौरान खराब क्वालिटी या बीपीए युक्त प्लास्टकि बोतल में पानी पीने वाली महिलाओं के होने वालों बच्चों को पेट की बीमारियां हो सकती हैं। प्लास्टकि में पाया जाने वाले बीपीए रसायन के कारण पेट में मौजूद अच्छे और बुरे जीवाणुओं का संतुलन बिगड़ जाता है। इसके अलावा यह लीवर में दर्द और कोलोन में सूजन का कारण बन सकता है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि जन्म से पहले गर्भ में रहने के दौरान ही बच्चे खतरनाक रसायनों के संपर्क में आ सकते हैं। यहां तक कि जन्म के ठीक बाद भी मां के दूध से उनमें खतरनाक रसायन जा सकते हैं। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार जन्म लेने के ठीक बाद मां के दूध से रसायनों के संपर्क में आए बच्चों को आगे की जिंदगी में पेट से संबंधति परेशानियां हो सकती हैं.

दरअसल, बीपीए के नाम से प्रचलित बिस्फेनॉल ए एक तरह का औद्योगिक रासायन है, जिसे साल 1960 से प्लास्टकि बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. बीपीए प्लास्टकि के कई कंटेनरों और बोतलों में पाया जाता है. खासतौर सस्ते और खराब क्वालिटी वाले बोतलों में इसका मिलना आम है। शोध में दावा किया गया है कि ऐसे ऐसे प्लास्टकि के बर्तनों में रखा गया खाना आसानी से बीपीए रसायन को सोख लेता है। अध्ययनकर्ताओं ने यह अध्ययन खरगोशों पर किया है।

अध्ययन के दौरान पाया गया कि जो खरगोश प्रेग्नेंसी के दौरान बीपीए रसायन के संपर्क में रहे या बीपीए से दूषति खाने व पानी का सेवन किया, उनके बच्चों में जन्म लेने के 7 दिनों बाद से ही पेट से संबंधति परेशानियां उत्पन्न होने लगीं। शोधकर्ताओं ने अध्ययन से निष्कर्ष निकाला कि बीपीए एक्सपोज होने वाले बच्चों में गट बैक्टीरियल डिसबायोसिस विकसित हो जाता है, जिसके कारण उनके लीवर में दर्द, कोलोन सूजन आदि होता है। इसलिए शोधकताओं ने गर्भवती महिलाओं को सुझाव दिया है कि वो खाना या पानी रखने के लिए ऐसी कंटेनर या बोतल का ही इस्तेमाल करें जो बीपीए मुक्त हों।

इस प्रकार करें ब्यूटी प्रोडक्ट का बेहतर इस्तेमाल

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं। लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें। स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं। गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडऩे के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडऩे के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

बांग्लादेश को हराने से 6 विकेट दूर भारतःखराब रोशनी के कारण स्टंप्स जल्दी; बांग्लादेश 158/4, टारगेट- 515

चेन्नई. टीम इंडिया चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में जीत से 6 विकेट दूर है। बांग्लादेश की टीम ने शनिवार को मैच के तीसरे दिन स्टंप्स तक अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर 158 रन बनाए हैं। टीम अभी 515 रन के टारगेट से 357 रन पीछे है। कप्तान नजमुल हसन शांतो 51 और शाकिब अल हसन 5 रन बनाकर नॉटआउट हैं। भारत के लिए रविचंद्रन अश्विन ने तीन विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह को 1 विकेट मिला है। तीसरे दिन खराब रोशनी की वजह से 10 ओवर खेल कम हुआ। बांग्लादेश की पारी के दौरान पहले खेल काफी देर तक रुका रहा, फिर स्टंप्स कर दिया गया। इससे पहले, भारत ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन के स्कोर पर घोषित कर दी। शुभमन गिल (119 नाबाद) और ऋषभ पंत (109) ने शतक बनाए। यह गिल के टेस्ट करियर की पांचवीं और पंत के करियर छठी सेंचुरी है। भारत ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर सिमट गई थी।

सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे गिल ने शतक ठोंक विरोधियों को दिया जबाव

स्टार युवा बल्लेबाज शुभमन गिल जब पहली पारी में बिना खाता खोले पवैलियन लौटे तब सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस ने उन्हें खूब ट्रोल किया। गिल की तुलना पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम से करते हुए तंज मारे अब दूसरी पारी में गिल की बारी थी। उन्होंने मोर्चा संभाला और ताबड़तोड़ अंदाज में हाफ सेंचुरी जड़ी। वह 39 रनों पर थे तब मेहदी हसन मिराज को एक ही ओवर में दो छक्के उड़ाते हुए हाफ सेंचुरी पूरी की तब विरोधी टीम के गेंदबाज हैरान थे। इसके बाद गिल रुके नहीं। उन्होंने ऋषभ पंत के शतक बनाकर आउट होने के कुछ ही देर बार टेस्ट करियर का 5वां शतक पूरा किया, जबकि लगातार दूसरा टेस्ट शतक है।

दरअसल, 29वें ओवर तक गिल 39 रन पर थे। दिन का खेल शुरू होने से अब तक उनके बल्ले से कोई बाउंड्री नहीं निकाली थी। विरोधी टीम के गेंदबाज मिराज भी उन्हें हल्के में ले रहे थे। तभी ओवर की दूसरी गेंद पर गिल ने पैरों का इस्तेमाल किया और गेंद को वाइड लॉन्ग ऑन पर हवा में टांग दिया। गेंद बिल्कुल रॉकेट की गति से बाउंड्री से बाहर गई। गिल ने 5वीं गेंद को इसी अंदाज में फिर वाइड लॉन्ग ऑन पर छक्का जड़ दिया। गिल ने आखिरी गेंद पर 2 रन हासिल किए। इस तरह एक ओवर में कुल 14 रन बनाए और अपनी हाफ सेंचुरी 79 गेंदों में पूरी की। यह लगातार चौथे टेस्ट मैच है, जब गिल ने दूसरी पारी में 50 या उससे अधिक रनों का स्कोर किया। इस तरह से दूसरी पारी में प्रदर्शन को देखकर भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर है। अधिकतर पिच पुरानी होने के बाद बल्लेबाजों के लिए स्कोर करना मुश्किल होता है, लेकिन गिल इस मामले में अधिक विश्वसनीय बल्लेबाज दिख रहे हैं।

उन्होंने न केवल जबरदस्त अंदाज में शतक पूरा किया, बल्कि बता दिया कि गिल की बैटिंग पर क्यों शक नहीं किया जा सकता है। बता दें कि गिल ने शतक के लिए 161 गेंदे खेली, जबकि 9 चौके और 3 छक्के उड़ाए। उल्लेखनीय है कि बाबर आजम को ऐसा बल्लेबाज माना जाता है, जो छोटी टीमों के खिलाफ अधिक चलता है। सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स ने वहीं आरोप गिल पर लगाते हुए निशाना साधा था।

400 सौ क्लब में शामिल हुए बुमराह...बीसीसीआई सचिव शाह ने दी बधाई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में 400 अंतर्राष्ट्रीय विकेट पूरे करने पर बधाई दी। बुमराह ने चाय के ब्रेक से ठीक पहले अपना 400वां विकेट हसन महमूद को आउट करके पूरा किया। बुमराह 400 विकेट लेने वाले भारत के 10वें गेंदबाज और छठे तेज गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले कपिल देव, जवागल श्रीनाथ, जहीर खान, ईशांत शर्मा और मोहम्मद शमी ये उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

बीसीसीआई सचिव शाह ने एक्स पर लिखा, बुमराह ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 400 विकेट पूरे कर एक और कीर्तिमान बनाया है। आपकी शानदार यॉर्कर और मैच जिताने वाली गेंदबाजी ने हमेशा टीम को प्रभावित किया है। इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए बधाई, जसप्रीत! आगे और भी विकेटों की उम्मीद है। चेन्नई में 4 विकेट लेने के बाद बुमराह के अंतर्राष्ट्रीय करियर में अब कुल 401 विकेट हो गए हैं। उन्होंने 196 मैचों में 21.01 की औसत से ये विकेट हासिल किए हैं, इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6 विकेट पर 19 रन है। 37 टेस्ट मैचों में बुमराह ने 20.49 की औसत से 163 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6 विकेट पर 27 रन रहा है। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 10 बार पांच विकेट भी हैं।

30 साल के बुमराह ने वनडे मैचों में 149 विकेट 23.55 की औसत से लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6 विकेट पर 19 रन है। वनडे में भी उनके नाम दो बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड है। 70 टी20 मैचों में उन्होंने 17.74 की औसत से 89 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3 विकेट पर 7 रन रहा है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले (953 विकेट), रविचंद्रन अश्विन (744 विकेट), और हरभजन सिंह (707 विकेट) हैं।

पंत ने मारा छक्का...कैमरामैन का हाथ टूटने से बचा

चेन्नई के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने दूसरे ही दिन अपनी पकड़ मजबूत की है। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को पहली पारी में 149 रन पर निपट कर 81 रन बना लिए हैं। इसके उनके पास 308 रन की लीड हो गई है। क्रीज पर अभी शुभमन और पंत मोर्चा संभले हुए हैं। मैच के दौरान पंत फिर से आक्रमक नजर आए। पहली पारी में जब शुभमन, रोहित और कोहली जल्द आऊट हो गए थे। पंत ने दूसरी पारी में भी पूरे विश्वास के साथ शुरूआत की। तभी उन्होंने शाकिब की गेंद पर ऐसा शॉट मारा कि बाऊंड्री पार खड़े कैमरामैन का हाथ टूटने से बच गया। बता दें कि पंत भारत की ओर से बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज 4 हजार रन पूरे कर चुके हैं। पंत से आगे 17092 इंटरनेशनल रन के साथ महेंद्र सिंह धोनी बने हुए हैं। इस सूची में सैय्यद किरमानी (3132), फारूख इंजीनियर (2725), नयन मोंगिया (2714), राहुल द्रविड़ (2300), किरन मोरे (1848) और केएल राहुल (1804) का भी नाम है।

गुरबाज की शतकीय पारी से अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को दी करारी हार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच वनडे सीरीज खेली जा रही है। दूसरा वनडे शुक्रवार को खेला गया। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 177 रन से हरा दिया। यह अफगानिस्तान की साउथ अफ्रीका पर बड़ी जीत मानी जा रही है। अफगानिस्तान के धाकड़ ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए शतक लगाया। इससे पहले अफगानिस्तान के कप्तान हसमतउल्लाह शहीदी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, जो उनकी टीम के लिए कारगर साबित हुआ। अफगानिस्तान की ओर से रहमानुल्लाह गुरबाज और रियाज हसन पहले बल्लेबाजी करने उतरे। रियाज 29 रन बनाकर पवेलियन लौट गए लेकिन रहमानुल्लाह गुरबाज का बल्ला मैदान पर चलता रहा। उन्होंने शतक ठोका। गुरबाज ने 110 गेंदों का सामना कर 105 रन बनाए। उन्होंने कुल 10 चौके और 3 छक्के जड़े। उनका स्ट्राइक रेट 95 के आसपास था। गुरबाज के वनडे करियर का यह 7वां शतक था। वह अब अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले वह मोहम्मद शहजाद के साथ 6-6 शतक लगाकर बराबरी पर थे। अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार को हुआ था। यहां अफगानिस्तान ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। साउथ अफ्रीका की टीम 106 रन पर ही ढेर हो गई थी। 3 मैचों की वनडे सीरीज में अफगानिस्तान 2-0 से आगे है और उसने सीरीज पर कब्जा कर लिया है।

पोंटिंग ने साझा किए दिल्ली कैपिटल्स के अनुभव

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग को अब पंजाब किंग्स का कोच नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को छोड़ने के बाद अपनी आईपीएल यात्रा के दौरान हुए बेहतरीन अनुभवों और गिरते प्रदर्शन पर अपने विचार साझा किए। पोंटिंग ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स का चेंजिंग रूम उनके लिए एक विशेष स्थान रहा है, भले ही टीम ट्रॉफी नहीं जीत पाई। उन्होंने एमआई को कोचिंग देने को अद्भुत अनुभव बताया और कहा कि 2022 की मेगा नीलामी में उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण गलतियाँ की थीं, जिससे टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने बताया, हमने कुछ खिलाड़ियों को बरकरार रखा, जिससे हम पिछड़ गए। इस साल भी छोटी चीजें हमारे खिलाफ गईं। ऋषभ पंत का निलंबन एक बड़ा मोड़ था। पोंटिंग ने आईपीएल में कोचिंग के विकास पर भी चर्चा की, यह बताते हुए कि कोचिंग अब अधिक विशिष्ट हो गई है। उन्होंने कहा, टीमें विभिन्न भूमिकाओं के लिए कोच नियुक्त कर रही हैं, जिससे हर पहलू का ध्यान रखा जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब सर्वश्रेष्ठ कोच और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलते हैं, तो एक अच्छी गुणवत्ता वाली टीम बनती हैं। पोंटिंग ने बताया कि अब सभी फ्रेंचाइजी पूर्ण कोचिंग स्टाफ रखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के कारण कई स्टाफ उपलब्ध नहीं थे। अब उन्हें पंजाब किंग्स की टीम को मजबूत करने की चुनौती का सामना करना है, जिसमें हर्षल पटेल, शशांक सिंह, आशुतोष शर्मा, अर्शदीप सिंह, और सैम कुरेन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

शिखर धवन के संन्यास लेने के बाद, नए कप्तान की नियुक्ति भी बहुत महत्वपूर्ण होगा। पोंटिंग को रिटेंशन के मुद्दे पर भी विचार करना होगा कि किन खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा जाए। उनकी कोचिंग में पंजाब किंग्स के प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद की जा रही है, जिससे टीम अगले सीजन में मजबूत वापसी कर सके।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में नजर आ सकते हैं हार्दिक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या लंबे समय के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। खबर है कि आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके खेलने की उनकी योजना हैं। खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले बड़े दौरे की तैयारी को ध्यान में रखते हुए मैदान में नजर आएगें। हार्दिक का मैदान में होना भारतीय क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। सूत्रों की माने तो पंड्या ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को घरेलू सफेद गेंद क्रिकेट में खेलने की इच्छा व्यक्त की है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और फिटनेस को बढ़ावा मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, पंड्या की यह पहल न केवल उनकी खुद की खेल में वापसी के लिए है, बल्कि यह भारतीय टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने के प्रयास का भी एक हिस्सा हो सकता है। हाल ही में पंड्या ने रणजी ट्रॉफी में भी खेलने की इच्छा जताई है। उनके इस फैसले को भारतीय क्रिकेट की चयन प्रक्रिया में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है, खासकर जब उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, पंड्या मौजूदा दलीप ट्रॉफी में शामिल नहीं हैं, लेकिन उनके रणजी ट्रॉफी में खेलने के इरादे को आगामी बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला में शामिल होने के लिए एक अवसर के रूप में देखा जा रहा है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने हाल ही में खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने के महत्व पर जोर दिया था। कई प्रमुख खिलाड़ियों ने दलीप ट्रॉफी में भाग लिया है, जिसमें ईशान किशन भी शामिल हैं, जिन्होंने शतक के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अब भारतीय टीम में पंड्या की संभावित वापसी, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को और बढ़ाने में मदद कर सकती है। पंड्या ने आखिरी बार जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ दो टी20 मैच खेले थे। अब वह अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहे हैं और टेस्ट सेटअप में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आगामी बांग्लादेश टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में कई खिलाड़ियों की वापसी हुई है, और पंड्या की वापसी भी टीम के लिए एक बड़ा सहारा हो सकती है। इस प्रकार, हार्दिक पंड्या की वापसी की संभावना भारतीय क्रिकेट के लिए एक उत्साहजनक विकास है, जो उनके फैंस और क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छे संकेत देती है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बोला, डब्ल्यूटीसी अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताओं से अलग

ऑकलैंड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने लियोन ने डब्ल्यूटीसी के दो-वर्षीय प्रारूप को भी बेहतर बताया, इसको लेकर उनका कहना है कि यह अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताओं से अलग है क्योंकि इसमें टीमों को लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है। लियोन ने कहा, यह टूर्नामेंट का खेल नहीं है। आप केवल सेमीफाइनल में पहुंचकर दो गेम हारकर या कुछ और करके नहीं रह सकते। आपको चक्र के दो वर्षों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

उन्होंने कहा, एक चीज जो मैं देखना चाहता हूं, वह यह कि मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल संभावित रूप से तीन मैचों की सीरीज में देखना चाहता हूं। यह थोड़ा बेहतर हो सकता है क्योंकि आप संभावित रूप से एक सत्र में टेस्ट मैच का उपयोग करके हार सकते हैं, जहां तीन मैचों की सीरीज में टीमों को अपना दबदबा दिखाने और 3-0 से जीतने का मौका दे सकता है। वैसे भी हमारे पास समय की कमी है और यह एक चुनौती होगी, लेकिन यह एक चीज है जिसे मैं बदलना चाहूंगा।

उन्होंने कहा, आप संभावित रूप से इंग्लैंड में एक, भारत में एक, ऑस्ट्रेलिया में एक खेल सकते हैं, इसलिए आपके पास सभी अलग-अलग स्थितियां हैं, लेकिन जाहिर है इसका समय सब कुछ बदल देता है। मुझे नहीं लगता कि हम अगस्त के मध्य में एमसीजी पर उतरेंगे, बस इसे वहां रख रहे हैं।

लियोन ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूटीसी प्रारूप व्यक्तिगत श्रृंखलाओं में डेड रबर की संभावना को दूर करता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण और प्रतिस्पर्धी बना रहे, जिसमें दो साल के चक्र के भीतर प्रत्येक अंक का महत्व हो।

इस क्रिकेटर ने कहा, ओह, हां। मैं बस इतना कहूंगा कि यह (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) टेस्ट क्रिकेट का शिखर है। लोग कहते हैं कि कभी-कभी जब आप तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे हो जाते हैं या जो भी हो, यह एक बेजान रबर होता है पर मुझे लगता है कि अब कोई बेजान रबर नहीं है। लियोन ने डब्ल्यूटीसी को टेस्ट क्रिकेट का विश्व कप बताया है जिससे लिए टीमों को काफी मैच खेलने पड़ते हैं।

ओपन इनामी रैपिड शतरंज स्पर्धा आज

इन्दौर (ईएमएस) डॉक्टर अजीत कुमार सिंह कासलीवाल की 85 वीं जन्म जयंती के अवसर पर ऑल इंदौर चेस एसोसिएशन द्वारा 22 सितंबर रविवार को एक दिवसीय ओपन इनामी रैपिड शतरंज स्पर्धा एकेडमी सभागार 52 कंचन बाग पर आयोजित की जा रही है।

विराट कोहली का स्पिनर्स के खिलाफ संघर्ष जारी, बांग्लादेश टेस्ट में खराब प्रदर्शन

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर एशियाई पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में पहले टेस्ट मैच कि दोनों पारियों में कोहली स्पिन गेंदबाजों के सामने जूझतें नहीं आए। कोहली ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 17 रन बनाकर एक बार फिर अपनी कमजोरियों को उजागर किया। पहली पारी में, कोहली को हसन महमूद की ऑफ-स्टंप डिलीवरी पर आउट होना पड़ा, जबकि दूसरी पारी में वह मेहदी हसन मिराज के खिलाफ पगबाधा आउट हुए। अल्ट्राएज के अनुसार, वह गेंद पहले बल्ले का किनारा लेकर गई थी, और यदि उन्होंने डीआरएस (डीसिजन रिव्यू सिस्टम) लिया होता, तो वह बच सकते थे। लेकिन कोहली ने ऐसा नहीं किया, जिससे एशिया में स्पिनरों के खिलाफ उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला जारी रहा।

2021 से टेस्ट फॉर्मेट में स्पिनरों के खिलाफ कोहली ने 1094 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ 499 रन बनाए हैं, जिसमें 18 बार आउट होने का सामना करना पड़ा। उनका औसत 27.72 और स्ट्राइक रेट 45.61 रहा है। इस वर्ष, सभी प्रारूपों में उनका प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है। 2024 में, उन्होंने 15 मैचों की 17 पारियों में केवल 319 रन बनाए हैं, जिसमें औसत 18.76 है और सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। कोहली के टेस्ट फॉर्म का औसत इस समय आठ साल के निचले स्तर पर है।

किंग्स्टन अपॉन थेम्स, इंग्लैंड में किंग्समीडो में चेल्सी और एस्टन विला के बीच बार्कलेज महिला सुपर लीग मैच के दौरान चेल्सी की जोहाना राइटिंग केनेरीड ने अपनी टीम का पहला गोल किया।

पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के चांगझोउ में चाइना ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान रिटर्न मारती हुई जापान की ओहोरी आया।

इटली का मुकाबला अर्जेंटीना, अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा

लंदन (ईएमएस)। डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे। इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजेता रही इटली की टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को बेहतर करने के प्रयास करेंगी। उसके शीर्ष खिलाड़ी जैपनिक सिनर, ग्रुप चरण से बाहर थे पर वह अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन और कनाडा जैसे जैसी टीमों के कठिन ग्रुप में जीत के साथ ही यहां तक का सफर तय किया है। वहीं अर्जेंटीना की टीम दो एकल मैच और एक युगल मैच में इटली पर जीत का प्रयास करेगी। एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने तैयार रहेगी। ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित नहीं थे पर क्वार्टर फाइनल में वे नजर आ सकते हैं। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान स्पेन और नीदरलैंड खेलेगी जबकि कनाडा का मुकाबला जर्मनी से होगा।

जम्पा एकदिवसीय में हमारे महत्वपूर्ण गेंदबाज : मार्श

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने लेग स्पिनर एडम जम्पा की जमकर प्रशंसा की है। मिशेल ने कहा कि वह एकदिवसीय क्रिकेट में टीम के महत्वपूर्ण गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा कि जंपा ने करियर में उतार चढ़ाव के बाद भी 100 मैच खेले हैं और से एक अहम उपलब्धि है। उन्होंने कहा, जम्पा के करियर में निश्चित रूप से उतार-चढ़ाव आए हैं, कई बार वे टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं, लेकिन पिछले चार या पांच सालों में जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया है, वह सराहनीय है। मार्श ने कहा कि एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में जम्पा का काफी विकास हुआ। मार्श ने कहा, अब वह जिस तरह का खिलाड़ी बन गया है, उसके लिए हम वास्तव में आभारी हैं। वह निश्चित रूप से हमारे सबसे महान एकदिवसीय खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। मार्श ने कहा कि वह 50 ओवर के क्रिकेट में हमारे बड़े खिलाड़ियों में से एक है।

अश्विन ने किया जडेजा के प्रतिभा पर तारीफ, कहा जडेजा की प्रतिभा से होती हैं ईर्ष्या

चेन्नई (ईएमएस)। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने जोड़ीदार रविंद्र जडेजा की असाधारण प्रतिभा की जमकर प्रशंसा की। अश्विन ने कहा कि वह जडेजा की प्रतिभा से ईर्ष्या करते हैं और उनकी तरह बनने की ख्वाहिश रखते हैं। दोनों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में एक नई स्पिन जोड़ी बनाई है, जिसने बांग्लादेश के खिलाफ हालिया टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

अश्विन और जडेजा ने मिलकर पहले टेस्ट की पहली पारी में 7वें विकेट के लिए 199 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत ने खराब शुरुआत के बावजूद चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। मैच के दूसरे दिन संवाददाताओं से बात करते हुए, अश्विन ने कहा, मैं हमेशा उससे ईर्ष्या करता हूं कि वह कितना प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उसने अपनी क्षमता को अधिकतम स्तर तक पहुंचाने के तरीके ढूंढ लिए हैं। काश मैं वैसा बन पाता। उन्होंने जडेजा की बल्लेबाजी शैली की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ होने से उन्हें अपना छठा टेस्ट शतक बनाने में मदद मिली। अश्विन ने कहा, वह एक असाधारण क्रिकेटर है। मैं उसके लिए खुश हूं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में उसे बल्लेबाजी करते हुए देखकर मुझे यह पता चला है कि मैं कितना बेहतर हो सकता हूं।

गेंदबाजी के मामले में, अश्विन और जडेजा की अलग-अलग शैलियाँ हैं, लेकिन दोनों ने मिलकर टीम को लाभ पहुंचाने के लिए एक-दूसरे का साथ देना सीख लिया है। यह जोड़ी जनवरी में अनिल कुंबले और हरभजन सिंह (501 विकेट) को पीछे छोड़कर भारत की सबसे सफल गेंदबाजी जोड़ी बन गई। अश्विन ने कहा, वह इसे सरल बनाए रखता है। हम दोनों एक साथ आगे बढ़े हैं और कुछ खास चीजें की हैं। इस स्तर पर हम वास्तव में एक-दूसरे को महत्व देते हैं और एक-दूसरे की सफलता का आनंद लेते हैं। इस प्रकार, अश्विन और जडेजा की यह स्पिन जोड़ी न केवल गेंदबाजी में, बल्कि बल्लेबाजी में भी भारतीय टीम के लिए एक बड़ी ताकत बनकर उभरी है, जो आने वाले मैचों में उनके प्रदर्शन को और भी प्रभावी बना सकती है।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट : बुमराह को पिच से नहीं मिल रही थी मदद, अपनाया घरेलू तरीका

बांग्लादेश को पहली पारी में 149 रन पर ढेर करने में बुमराह का बड़ा हाथ रहा है। चेन्नई टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुमराह ने अपनी घातक गेंदबाजी से बांग्लादेश के चार विकेट गिराए। चेन्नई की चेपॉक के विकेट से बुमराह को मदद नहीं मिल रहा थी फिर भी उन्होंने एक के बाद एक विकेट चटकाए। खेल के बाद बुमराह ने बताया कि पिच से मदद नहीं मिल रही थी इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अपनाई रणनीति का सहारा लिया जो कामयाब साबित हुई।

जसप्रीत बुमराह ने विकेट से मदद नहीं मिलने के बावजूद बांग्लादेश की पहली पारी में 50 रन देकर चार विकेट चटकाए। उन्होंने कहा कि मेरे पास इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं था क्योंकि जब मैं लेंथ पर गेंद कर रहा था तो उससे कोई फायदा नहीं मिल रहा था। इसके अलावा गेंद रिवर्स भी नहीं हो रही थी। चेन्नई टेस्ट में दूसरे दिन कुल 17 विकेट गिरे। चेपॉक में यह एक दिन में गिरने वाला सर्वाधिक विकेट है।

चेपॉक में अभी तक जितने भी टेस्ट मैच हुए थे उनमें एक दिन में सबसे ज्यादा विकेट 15 गिरे थे तब 1979 में भारत वर्सेस विंडीज के बीच खेले गए टेस्ट के तीसरे दिन इतने विकेट गिरे थे। बुमराह ने इस दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 400 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह 10वें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह ने कहा मुझे कुछ नया करने की जरूरत थी। जब विकेट से मदद नहीं मिल रही हो फिर एक गेंदबाज के रूप में आपको कुछ प्रयोग करने पड़ते हैं। इसलिए मैंने उस रणनीति को आजमाया जिनका इस्तेमाल घरेलू क्रिकेट में खेलते समय किया करता था। आज यह रणनीति कामयाब हुई और मुझे सफलता मिली।

टीसीएस का मार्केट कैप इस हफ्ते 85,731 करोड़ कम हुआः टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू 1.97 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्लीः इस हफ्ते (16 से 20 सितंबर) के कारोबार के बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप इस दौरान 85,731 करोड़ रुपए कम हो गया है। एक सप्ताह पहले कंपनी का मार्केट कैप 16.36 लाख करोड़ रुपए था, जो अब 15.50 लाख करोड़ रुपए रह गया है। वहीं, मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू इस हफ्ते कंबाइंड रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपए (1.97 लाख करोड़ रुपए) बढ़ी है। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर रहा। हफ्तेभर के कारोबार के दौरान प्राइवेट सेक्टर बैंक वैल्यूएशन में 63,359.79 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई।

अब कंपनी का मार्केट कैप 9.44 लाख करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक के अलावा, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी ने भी इस दौरान बाजार में खूब कमाई की।

सेंसेक्स और निफ्टी में डेढ़ फीसदी से अधिक की रही तेजी

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में डेढ़ फीसदी से अधिक की तेजी देखी गई। बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। लेकिन सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार में सभी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए। अमेरिकी फेड की ओर से इन्टरेस्ट रेट में कटौती के दो दिन बाद भारतीय शेयर बाजार ने नया कीर्तिमान रचा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि फेड रिजर्व की ओर से की गई ब्याज कटौती और आगे भी ब्याज कटौती के संकेत, विदेशी निवेशकों की ओर से शेयर मार्केट में किया गया निवेश और बैंकिंग स्टॉक में हुई जमकर खरीदारी का भी असर शेयर बाजार में दिखाई दिया। शेयर बाजार में सप्ताह में दो दिन बढ़त और तीन दिन तेजी दर्ज की गई। भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को तेजी

के साथ खुले। सीमित दायरे में कारोबार के बावजूद, प्रमुख भारतीय सूचकांक अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 180.92 अंक चढ़कर 83,071.86 पर खुला और 98 अंक की बढ़त के साथ 82,989 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी-50 में भी बढ़त देखी गई और यह 55.1 अंक के साथ 25,411.60 पर खुला और 25,384 पर 27 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार करीब सपाट स्तर पर खुला। बीएसई का सेंसेक्स 78 अंक की गिरावट के साथ 82,909 पर खुला और अमेरिका में ब्याज दर घटने के अनुमानों के बीच 90.88 अंक चढ़कर 83,079.66 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 12 अंक की गिरावट के साथ 25,370 पर खुला और 25,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 130.24 अंक गिरकर 82,949.42 पर खुला और 131.43 अंकों की गिरावट के साथ 82,948.23 पर बंद हुआ। निफ्टी 37.75 अंक गिरकर 25,380.80 पर खुला और 41.00 अंक फिसलकर 25,377.55 पर बंद हुआ। भारतीय प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने गुरुवार को बाजार खुलते ही नए सर्वकालिक उच्च स्तर को छू लिया। यह तेजी एशिया-पैसिफिक बाजारों और वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स में उछाल के बाद आई, क्योंकि जेरोम पॉवेल की अगुवाई वाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार शाम को 50 बेसिस पॉइंट की दर में कटौती की घोषणा की थी। बाजार खुलते समय बीएसई सेंसेक्स 441 अंकों की बढ़त के साथ 83,389 के स्तर पर खुला और 236.57 अंक चढ़कर 83,184.80 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 165 अंकों की बढ़त के साथ 25,542 पर दिखा और थोड़ी देर बाद ही यह 224 अंक बढ़कर 25,602 पर खुला और 38.25 अंक बढ़कर 25,415.80 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 234.4 अंक बढ़कर 25,611.95 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 421 अंकों की बढ़त के साथ 0.51 प्रतिशत ऊपर 83,606 पर खुला और 1,359.51 (1.63 फीसदी) अंक चढ़कर 84,544.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 112 अंक की बढ़त के साथ 25,528 पर खुला और 375.16 (1.48 फीसदी) अंकों की मजबूती के साथ 25,790.95 पर बंद हुआ।

स्पाइसजेट-बोर्ड ने 48.7 करोड़ शेयर जारी करने की मंजूरी दीः 61.60 प्रति शेयर होगा इश्यू प्राइस

मुंबईः स्पाइसजेट का 16 सितंबर को ओपन हुआ 3,000 करोड़ रुपए का क्यूआईपी 20 सितंबर को क्लोज हो गया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स को 61.60 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 48.7 करोड़ (48,70,12,986) शेयरों का एलोकेशन मंजूर किया है। क्यूआईपी के लिए फ्लोर प्राइस 64.79 रुपए प्रति शेयर रखा गया था। अब कंपनी की पेड अप इक्विटी शेयर कैपिटल बढ़कर 1,281 करोड़ (12,81,68,57,030) रुपए हो गई है, जो पहले 794 करोड़ (7,94,67,27,170) रुपए थी। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स से क्यूआईपी के जरिए हासिल पैसों का इस्तेमाल कंपनी लेनदारों, पट्टेदारों, वेंडर्स और फाइनेंसर्स का बकाया सेटल करने के लिए करेगी।

स्पाइसजेट के ऊपर 15 सितंबर तक बकाया 601.5 करोड़ रुपए था

स्पाइसजेट के ऊपर 15 सितंबर तक बकाया 601.5 करोड़ रुपए था। कुल राशि में से 297.5 करोड़ रुपए टीडीएस से संबंधित है, 156.4 करोड़ रुपए कर्मचारियों के प्रोविडेंट फंड और 145.1 करोड़ रुपए जीएसटी से जुड़े हैं।

20 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा

20 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा। जिसमें स्पाइसजेट को 3 एयरक्राफ्ट इंजन का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया गया था। इंजन लीज पर देने वालों यानि लेसर्स को स्पाइसजेट की ओर से भुगतान में चूक के कारण यह निर्देश दिया गया था। 20 सितंबर को चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने दिल्ली हाई कोर्ट के 11 सितंबर के फैसले के खिलाफ स्पाइसजेट की अपील खारिज कर दी। बेंच ने कहा, 'हम दखलंदाजी नहीं करेंगे। यह एक सही आदेश है।'

दिल्ली हाई कोर्ट ने 3 एयरक्राफ्ट इंजन का इस्तेमाल बंद करने का आदेश दिया था

पहले दिल्ली हाई कोर्ट की सिंगल जज बेंच ने 14 अगस्त को स्पाइसजेट को 3 एयरक्राफ्ट इंजन का इस्तेमाल 16 अगस्त तक बंद करने और उन्हें लेसर्स-टीम फ्रांस 01 एसएएस और सनबर्ड फ्रांस 02 एसएएस को सौंपने का आदेश दिया था। उसके बाद स्पाइसजेट ने इस आदेश को चुनौती दी और दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस राजीव शकधर और जस्टिस अमित बंसल की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज बेंच के आदेश में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी दखलंदाजी करने से इनकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है।

भारत का यूरोपीय संघ से आयातित वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव

मुंबई (ईएमएस)। भारत ने यूरोपीय संघ से आयातित कुछ वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस्पात उत्पादों पर यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों पर आम सहमति नहीं बनने के बाद भारत ने यह फैसला किया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को भेजे गए एक संदेश में भारत सरकार ने कहा कि रियायतों का निलंबन यूरोपीय संघ में उत्पादित चुनिंदा उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने का काम करेगा। वर्ष 2018 से 2023 तक यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों की वजह से भारत को 4.41 अरब डॉलर का कुल व्यापार घाटा हुआ है जिस पर शुल्क संग्रह 1.10 अरब डॉलर होगा। इस हिसाब से भारत द्वारा रियायतों को निलंबित किए जाने पर यूरोपीय संघ में उत्पादित माल पर समान राशि का शुल्क एकत्रित होगा। इस संदेश के मुताबिक पर्याप्त रूप से समान रियायतों को निलंबित करने के अपने अधिकार के प्रभावी प्रयोग के लिए भारत प्रस्तावित निलंबन को तुरंत प्रभावी करने और उत्पादों के साथ सीमा शुल्क दरों को समायोजित करने का अधिकार भी सुरक्षित रखता है। भारत अगले उचित कदमों के बारे में माल व्यापार परिषद और सुरक्षा समिति दोनों को सूचित करेगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय संघ ने 25 प्रतिशत के कोटा-मुक्त शुल्क के साथ कुछ इस्पात उत्पाद श्रेणियों के आयात पर सुरक्षा शुल्क को 2026 तक बढ़ा दिया है। इसे पहली बार वर्ष 2018 में लगाया गया था जो बाद में जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। यूरोपीय संघ ने 29 मई, 2024 को कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के अपने प्रस्ताव के बारे में डब्ल्यूटीओ को सूचित किया। भारत इस उपाय से प्रभावित देशों में से एक है।

हवाई टिकट के भाव बढ़े, दीवाली पर यात्रियों को देना होगा ज्यादा किराया

मुंबई (ईएमएस)। दीवाली के आसपास फ्लाइट टिकट तेजी से महंगे होते जा रहे हैं। एयरलाइन्स की बुकिंग में भी लगभग दोगुना उछाल आया है। एक रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार दीवाली की फ्लाइट बुकिंग्स में करीब 85 फीसदी की तेजी आई है। लोग औसतन 27 दिन पहले ही अपना टिकट बुक कर ले रहे हैं। किराया भी लगभग 15 फीसदी बढ़ चुका है। पिछले साल हवाई किराया दीवाली से एक हफ्ते पहले तक दोगुना हो चुका है। ऐसे आशंका जताई जा रही है कि इस साल भी किराया तेजी से उछाल मारेगा। एयरलाइन्स को सबसे ज्यादा बुकिंग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर, चेन्नई, लखनऊ, पोर्ट ब्लेयर और पटना जैसी जगहों की मिल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गुवाहाटी के लिए सबसे ज्यादा 386 फीसदी बुकिंग बढ़ी है। लोग त्यौहार पर अपने घर जाने के लिए लालायित हैं। इसके बाद जयपुर के लिए 306 फीसदी और पटना के लिए 271 फीसदी बुकिंग बढ़ी हैं। अन्य शहरों की बुकिंग में भी तेज उछाल जारी है।

लॉफिंग ज़ोन

बंता अमेरिका गया था। एक दिन वह वहां के एक किराने दुकान में गया। जरूरत की सारी चीजें चुनकर वह काउंटर पर आया।

वहां खड़े कर्मचारी ने बिल बनाकर उसकी तरफ बढ़ा दिया। मगर बंता उनसे फैट मांगने लगा, मेरा फैट कहां है? कर्मचारी उसकी बात समझ नहीं रहे थे। अंत में बंता चीखने-चिल्लाने लगा।

उसकी चिल्लाहट सुनकर दुकान में खड़े सभी लोग वहां जुट गए। दुकान का मैनेजर भी बंता के पास आ गया। मैनेजर को देखते ही बंता ने चीखते हुए कहा, ओए मैनेजर, मैंने यह दही खरीदा है। इसके ऊपर लिखा है फैट फ्री, अब बताओ तुम्हारे लोग मुझे फैट नहीं दे रहे हैं।

☺ ☺ ☺

शराबी : हे भगवान ! क्या आप मेरी शराब छुडवा देंगे ?

भगवान : जरूर वत्स।

शराबी : तो मेरी 14 शराब की बोतलें पुलिस ने जब्त कर ली हैं , उन्हें छुड़वा दीजिए प्लीज. !

☺ ☺ ☺

संता काफी परेशान था। उसने अपने दोस्त से कहा - यार मुझे तेलुगु सीखनी है , वह भी छह महीने में।

दोस्त- क्यों यार ?

संता - हमने तेलुगु बच्चा अडॉप्ट किया है। जब वह छह महीने बाद बोलने लगेगा तो हम उसके साथ बात कैसे करेंगे ?

आज का इतिहास

1934 वेल्स की एक खान दुर्घटना में 28 श्रमिक मारे गए.

1937 पोर्ट ब्लेयर से राजनीतिक बंदियों का आखिरी जत्था रवाना हुआ .

1949 सोवियत संघ ने प्रथम परमाणु परीक्षण किया.

1974 होंडुरास में तूफान से पांच हजार से अधिक लोग मारे गए.

1977 जमात ए इस्लामी के संस्थापक मौलाना अब्दुल अली मौदूदी का निधन.

1981 इराक द्वारा ईरान पर हमले के साथ खाड़ी युद्ध भड़का.

1986 सोवियत संघ का एक विमान अपहृत कर अपहर्ताओं ने दो व्यक्तियों की गोली मार दी, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने बाद में विमान पर पुनः कब्जा कर अपहर्ताओं को मार दिया.

1997 जापान के एक सैनिक शीइशी योकोओ ने द्वितीय विश्व युद्ध में आत्मसमर्पण नहीं किया और 26 वर्ष तक गुआम के जंगलों में रहने के बाद स्वदेश लौटे तो राष्ट्रीय नायक बन गए.

दैनिक पंचांग

22 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.25 बजे से
चंद्र	मेष में	तुला	07.40 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	09.55 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.11 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	14.16 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.02 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	17.35 बजे से
राहु	मीन में	मेष	19.06 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	20.46 बजे से
		मिथुन	22.44 बजे से
		कर्क	00.57 बजे से
		सिंह	03.14 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2024 वर्ष का 266 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 15.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 23.03 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 08.17 बजे तदनन्तर वज्र 05.27 बजे प्रात: को समाप्त।
करण तैतिल 15.44 बजे तदनन्तर गर 02.43 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 12'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872110
जूलियन दिन 2460575.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446 **महीना** रवि उलावल
तारीख 18
विशेष पंचमी श्राद्ध, शरत्काल विषुव।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7415

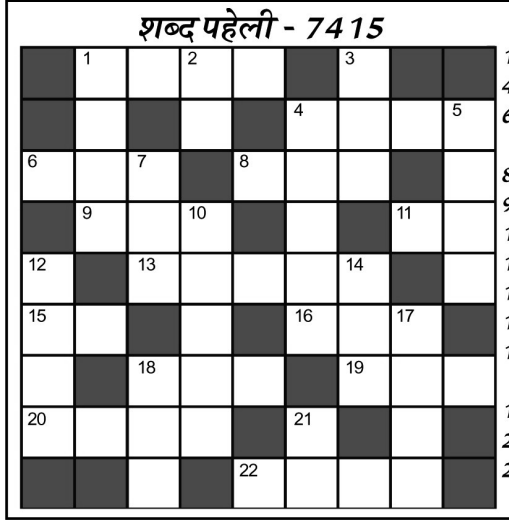

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली - 7414 का हल

फ	न	का	र	■	ग	ज	रा	■
ला	त	■	वै	■	ज	■	ह	क
हा	■	या	या	व	र	■	■	ल
र	स	द	■	ध	■	प	ला	श
■	■	गा	ल	■	जी	त	■	■
क	हा	र	■	आ	■	झ	र	ना
हा	■	■	ग	ठ	जो	ड़	■	म
नी	र	■	म	■	क	■	ना	व
■	ब	द	न	■	र	ह	ब	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6236

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	18	11	37	37	■	■	14	17
22	■	4	■	8	■	7	■	5
21	7	■	5	■	■	■	2	■
■	■	5	■	7	■	6	■	5
■	■	■	2	■	5	■	6	■
32	■	8	■	3	■	6	■	■
34	7	■	2	■	1	■	6	■
16	■	8	■	■	■	2	■	4
18	5	■	7	■	8	■	1	■
■	25	25	■	■	30	52	10	9

■	15	19	21	■	36	16	14	19	■
14	2	7	5	■	8	5	4	9	26
15	7	5	3	■	8	2	7	3	20
12	4	2	6	■	7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5	■	■	■	■
■	■	■	■	7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	6	4	2	12
■	21	15	16	30	■	21	16	16	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5180

2	1	7		5	6	3
	29		32		32	
4		5	3		2	7
	36	6	28	4	28	
5		2		3		1
7	37		26		37	6
		4	1	2		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5179 का हल

1	7	3	4	5	6	2
6	37	6	32	2	26	1
5	2	7	4	1	6	3
4	32	4	32	4	32	4
3	6	1	4	7	2	5
7	33	2	29	6	40	7
2	7	5	1	3	4	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली -4540

33		62		2		22	=	75
	■		■		■		■	
22		20		5		2	=	8
	■		■		■		■	
2		50		54		10	=	36
	■		■		■		■	
40		75		40		25	=	50
=	■	=	■	=	■	=	■	=
49		17		21		9	=	97/20

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली -4539

50	÷	2	-	5	x	2	=	40
+	■	x	■	-	■	x	■	+
20	+	45	+	2	-	20	=	47
-	■	-	■	+	■	-	■	-
64	-	55	+	47	-	35	=	21
+	■	-	■	-	■	x	■	-
30	x	3	-	40	÷	2	=	25
=	■	=	■	=	■	=	■	=
36	-	32	+	10	-	10	=	41/4

शब्दजाल - 6227

श	स	बी	ला	प	इ	ज	हा	र	क	मां
ग	दा	औ	प	रिं	लै	ला	दि	शा	को	क
इ	व	म	रि	दा	ल	अ	प	रि	हा	र
कु	हा	रु	हा	त	स	द	व	हा	र	म
व	र	ब्न	र	क	ते	री	ग	स	ता	द
म	रि	प	व	गा	स	मा	हा	र	न	ती
गा	नु	स	अं	प	म	खे	क	ला	व	क
उ	जी	हा	ला	क	शा	सौ	व	हा	जू	क
प	थो	तें	र	ल	ज	का	त	न	नी	द
हा	ल	व्य	व	हा	र	ऐ	हा	न	हा	थ
र	सा	ल	व	कु	श	जा	एं	र	क	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'हार' शब्द लगा है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

उपहार, परिहार, अपरिहार, समाहार, मनुहार, सदाबहार, शाकाहार, खेवनहार, इजहार, व्यवहार

शब्दजाल - 6226 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सीसीएल में राष्ट्र कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के 50वें पुण्य स्मृति वर्ष के अवसर पर 'रश्मिरथी पर्व' का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सीसीएल में राष्ट्र कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के 50वें पुण्य स्मृति वर्ष के अवसर पर 'रश्मिरथी पर्व' मनाया गया। आज अपराह्न सीसीएल मुख्यालय के कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम का उद्घाटन सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने अन्य गणमान्य अतिथिओं के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। 'दिनकर जन्मोत्सव' एवं 'हिंदी पखवाड़ा' के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में निदेशकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा भारी संख्या में सीसीएल के अधिकारी, कर्मचारी एवं समाज अन्य प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

अवसर विशेष पर सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए राष्ट्र कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के समरस समाज के निर्माण में उनके बहुमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आये हुए अन्य अतिथिगणों ने भी अपने - अपने विचार व्यक्त किये।

'रश्मिरथी पर्व' को सफल और आकर्षक बनाने हेतु 'समरस समाज के निर्माण में राष्ट्र कवि 'दिनकर' का योगदान' विषय पर एक राष्ट्रीय सगोष्ठी आयोजित की गयी। एक ओर जहाँ लिम्का बुक ऑफ़ रिकार्ड्स एवं वर्ल्ड वाइड रिकार्ड्स में दर्ज, आईडिया, मुंबई के प्रमुख, श्री मुजीब खान के निर्देशन में खंडकाव्य 'रश्मिरथी' के नाटक का मंचन किया गया, वहीं दूसरी ओर 'रश्मिरथी, तृतीय सर्ग, कृष्ण की चेतावनी' विषय पर आधारित 'सामूहिक सस्वर पाठ' भी आयोजित किये गए थे। जिसका उपस्थित दर्शक एवं श्रोताओं ने खूब आनंद लिया और खूब सराहा।

अर्पिता महिला मंडल, सीसीएल की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह ने भी दिनकर जी की शान में वक्तव्य देते हुए अपने विचार प्रकट किया ।

इस भव्य आयोजन में' रश्मिरथी ' पर्व के संयोजक राष्ट्र कवि ' दिनकर ' के सुपौत्र श्री ऋत्विक उदयन, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह ' दिनकर ' स्मृति न्यास, दिल्ली के अध्यक्ष श्री नीरज कुमार के साथ अन्य विद्वान साहित्य प्रेमियों ने ' दिनकर ' के कृतियों एवं उनकी जीवनी के बारे में विस्तार से बताया।

इस आयोजन के तहत दिनकर साहित्य की प्रदर्शनी भी लगायी गयी थी, जिसने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।

राज्यपाल ने वर्ल्ड फूड इंडिया फेस्टिवल-2024' में झारखंड पवेलियन का अवलोकन किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 'वर्ल्ड फूड इंडिया फेस्टिवल-2024' में झारखंड पवेलियन का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाने का वर्ल्ड फूड इंडिया भारत सरकार की उल्लेखनीय पहल है। राज्यपाल महोदय ने वहाँ लगे स्टालों का परिभ्रमण किया एवं स्टॉलधारकों से उत्पादों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। माननीय राज्यपाल ने यहां पर लगे झारखंड के परंपरागत व्यंजन की सराहना की तथा यहां के परम्परागत खाद्य पदार्थ से बने उत्पाद के प्रति लोगों के आकर्षण को देखकर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के श्री अन्न मडुआ (रागी) के अतिरिक्त अन्य परम्परागत खाद्य से बने उत्पादों की लोकप्रियता में अपार वृद्धि हुई है एवं इसकी मांग देश ही नहीं, विदेशों में भी है।

टाटा स्टील यूआईएसएल ने किया साइक्लोथन और सांस्कृतिक महोत्सव का सफल आयोजन

जमशेदपुर । टाटा स्टील यूआईएसएल और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (JNAC) के संयुक्त तत्वावधान में "स्वच्छता ही सेवा है" अभियान के तहत एक साइक्लोथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में टाटा स्टील, टाटा स्टील यूआईएसएल, शहर के युवा, NGO और स्वच्छता से जुड़े कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आयोजन में 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का प्रदर्शन किया। टाटा स्टील यूआईएसएल शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी श्रृंखला में 20 सितंबर को झारखंड की संस्कृति और संस्कार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी प्रस्तुत की। सभी कार्यक्रम 2024 की थीम "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" पर आधारित थे। स्वच्छता और संस्कृति के प्रति यह जागरूकता न केवल समुदाय को एकजुट करती है, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी पारुल सिंह का तबादला,शताब्दी मजूमदार लेंगी उनकी जगह

जमशेदपर । झारखंड सरकार ने धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी पारुल सिंह का तबादला कर दिया है। उनकी जगह शताब्दी मजूमदार लेंगी, जो वर्तमान में वित्त विभाग में अवर सचिव हैं। शताब्दी मजूमदार धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगी। वहीं पारुल सिंह के नए पदस्थापन की जानकारी अभी तक नहीं मिली है।

एसडीडीएस के वार्षिक उत्सव में छात्रों ने दी शानदार प्रस्तुतियाँ, सक्षम बच्चों की शिक्षा पर जोर

जमशेदपुर। रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट और रोटरी सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित सिद्धेश्वर डेफ एंड डम्ब स्कूल (एसडीडीएस) ने अपने वार्षिक उत्सव 2024 का भव्य आयोजन किया, जिसमें छात्रों ने अद्वितीय प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। दीप प्रज्वलन के साथ ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक मानकर समारोह का शुभारंभ हुआ। रोटरी क्लब के अध्यक्ष सुब्रजीत बसु ने अपने स्वागत भाषण से उपस्थित छात्रों, अभिभावकों, रोटरी के विशिष्ट अतिथियों और अन्य आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान रोटरी क्लब और रोटरी सेवा ट्रस्ट के द्वारा विशेष रूप से सक्षम बच्चों की शिक्षा और समावेशिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जेसीएपीसीपीएल के प्रबंध निदेशक अभिजीत नानोटी ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए, विशेष रूप से सक्षम बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया। रोटरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. जौहर बनर्जी ने विद्यालय के इतिहास और गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर छात्रों ने आदिवासी नृत्य, रवींद्र संगीत नृत्य, योग प्रदर्शन और एक नाटक प्रस्तुत किया। छात्रों की प्रत्येक प्रस्तुति ने छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

माईकल जॉन सभागार में जिला पुलिस की ओर से जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया

जमशेदपुर। झारखण्ड पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक के निर्देश के तहत शुक्रवार को जमशेदपुर के बिस्टुपुर स्थित माइकल जॉन सभागार मे जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन जिला पुलिस के द्वारा किया गया। जिले के एसएसपी किशोर कौशल एवम डालसा सचिव राजेंद्र प्रसाद के द्वारा दीप जलाकर इसका विधिवत उद्घाटन किया गया । बता दें कि राज्य भर मे पुलिस से जुड़े वैसे मामले जिनका निष्पादन रुका हुआ है उनके त्वरित समाधान हेतु इसका आयोजन किया जा रहा है । उद्घाटन समारोह के दौरान जिले के तमाम पुलिस के आला अधिकारी समेत डालसा के पीएलवी उपस्थित रहे । मौके पर जिले के एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि झारखण्ड पुलिस का यह एक सार्थक प्रयास है, जिसके माध्यम से मामलों का निष्पादन त्वरित रूप से किया जाना है । इसके अलावे ऑनलाइन माध्यम से भी लोग अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं । उन्होने कहा कि इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से घरेलु हिंसा के मामले ज्यादा आ रहे हैं । साथ ही इसमें लोग सामाजिक शिकायत जैसे बेवजह सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी, छेड़खानी जैसी शिकायत भी लोग यहाँ दर्ज करवा सकते हैं , जिन्हे गुप्त रखा जायेगा और उसपर त्वरित करवाई भी की जाएगी। वहीं डालसा सचिव राजेंद्र प्रसाद ने डालसा के कार्यक्रम व उसके उद्देश्यों के बारे में चर्चा की और किसी भी समस्या के समाधान के लिए न्यायसदन स्थित डालसा कार्यालय में सम्पर्क करने को कहा । साथ ही समझौते योग्य मामले को लोक अदालत के माध्यम से कम पैसे में शीघ्र व त्वरित समाधान पा सकते हैं और वंचित व जरूरतमंद लोग निःशुल्क कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में कैथोलिक महाधर्मप्रांत रांची के नए आर्चबिशप विन्सेंट आईंद ने मुलाकत की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। मौके पर आर्चबिशप सतीश, बिशप विनय कंडुलना, फादर अजीत खेस, फादर डेविड खलखो, फादर मुकुल कुल्लू, फादर महेंद्र तिग्गा, पास्टर जे0 कुजूर एवं डेविड उपस्थित रहे।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड पर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में दो दिवसीय एचपीसी (होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड) पर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसमें बुनियादी, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक स्तरों पर एचपीसी के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। यह प्रशिक्षण कार्यशाला एनसीईआरटी की 'परख' इकाई तथा राँची सहोदया स्कूल कॉम्पलेक्स के द्वारा संचालित की गई, जिसमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। प्रो. (डॉ) इंद्राणी भादुड़ी, सीईओ एंड हेड, परख और एजुकेशनल सर्वे डिविजन, एनसीईआरटी ने भी एचपीसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभा को वर्चुअली संबोधित किया। कार्यशाला में झारखंड के 49 स्कूलों के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल सहित कुल 110 शिक्षकों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य मौजूदा मूल्यांकन पद्धति में सुधार करते हुए गुणवत्तापूर्ण और समग्र मूल्यांकन की दिशा में परिवर्तन को समझना था जो एनईपी 2020 और एनसीएफ 2023 का एक अभिन्न अंग है। इसमें रांची के विभिन्न स्कूलों से शिक्षक,शिक्षिका और प्रशिक्षक शामिल हुए। सत्र में रांची सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के अंतर्गत आने वाले स्कूलों को उनके शैक्षणिक ढांचे में एचपीसी को सम्मिलित करने के तरीकों पर मार्गदर्शन किया गया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल की प्राचार्या, श्रीमती परमजीत कौर ने एनसीईआरटी का आभार व्यक्त किया और कहा कि सीबीएसई लगातार शैक्षणिक पद्धतियों में बदलाव कर रहा है। एचपीसी के माध्यम से यह मूल्यांकन प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार लाएगा, जिससे प्रतिस्पर्धा आधारित मूल्यांकन की दिशा में एक बड़ा बदलाव आएगा।

आरुषी वंदना बनी कांग्रेस छात्र संगठन एन.एस.यू.आई कि राष्ट्रीय संयोजक

झारखंड की पहली महिला जिन्होंने एनएसयूआई की राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : कांग्रेस छात्र संगठन एन.एस.यू.आई झारखंड प्रदेश की नेत्री आरुषी वंदना को एन.एस.यू.आई के राष्ट्रीय मेन बॉडी में राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है। विदित हो कि एन.एस.यू.आई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी जी ने पूरे देश से मेहनती, छात्र हित के लिए काम करने वाले लोगो को राष्ट्रीय में जगह दी है। झारखंड से आरुषी वंदना एव आयुष सिन्हा को जगह मिली है। आरुषी वंदना 2016 से लगातार एन.एस.यू.आई के लिए काम कर रही है । अनेकों पोस्ट में रहने के बाद अब जा कर राष्ट्रीय में जगह मिली है।

आरुषी वंदना ने राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया एव कहा कि झारखंड जैसे राज्य से एक महिला को राष्ट्रीय टीम में जगह मिला उनका लिए गर्व की बात है। राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा जो भी काम या जिम्मेवारी दी जाएगी उसे बखूबी निभाऊंगी।

राष्ट्रीय संयोजक बनने पर प्रदेश कांग्रेस के सभी पदाधिकारी गण, मंत्री, विधायक, आयोग के अध्यक्ष, एव समस्त कांग्रेस जानो ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

पारस हॉस्पिटल धुर्वा में नौ साल के बच्चे का हुआ सफल इलाज

रांचीः एचइसी स्थित पारस हॉस्पिटल, धुर्वा के डॉक्टर संजीव कुमार शर्मा ने कोडरमा के रहने वाले नौ साल के मरीज का सफल इलाज किया। उस बच्चे को लगातार मिर्गी के दौरे आ रहे थे। कई माह से मनोचिकित्सक व्यवहार के कारण लोगों से गाली गलौज करना, कपड़े खोल देना, मारना, जोर जोर से चिल्लाना आदि कर रहा था। इसका इलाज बाहर के हॉस्पिटल में चल रहा था। इसके बाद उस मरीज के परिजनों ने पारस हॉस्पिटल के न्योरोलॉजी डॉ संजीव कुमार शर्मा से संपर्क किया। डॉ संजीव ने उनका इलाज प्रारंभ किया। जांच के बाद मरीज में ऑटोइम्यून एन्सेफ़ेलाइटिस चिन्हित हुआ। ऑटोइम्यून एन्सेफ़ेलाइटिस एक दुर्लभ बीमारी है जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से मस्तिष्क पर हमला करती है. इससे मस्तिष्क में सूजन आ जाती है, जिससे कई तरह के लक्षण दिख सकते हैं। एंटी-एनएमडीए रिसेप्टर एन्सेफलाइटिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है जो तब होती है जब शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा उत्पादित एंटीबॉडी मस्तिष्क में एनएमडीए रिसेप्टर्स पर हमला करती है। एनएमडीए रिसेप्टर्स प्रोटीन होते हैं जो मस्तिष्क में विद्युत आवेगों को नियंत्रित करते हैं। उनके विघटन से कई न्यूरोलॉजिकल समस्याएं हो सकती हैं। यह परीक्षण मस्तिष्कमेरु द्रव (सीएसएफ) में एनएमडीए रिसेप्टर के खिलाफ आईजीजी एंटीबॉडी का पता लगाता है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के आसपास का तरल पदार्थ है। एक माह के इलाज के बाद बच्चा पुरी तरह स्वस्थ है। बच्चे को किसी भी तरह की परेशानी नहीं है।

डॉ संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि इस बीमारी में कुछ ऐसे एंटी बॉडी बनते हैं, जो अपने ब्रेन को डैमेज करते हैं। जिसमें एनएमडीए एक मुख्य कारण होता है। जिसमें मरीज को साइकेट्रिक व्यवहार होते है। मरीज मानसिक संतुलन खो देता है और मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। इसमें एमआरआइ की जांच में 30 से 40 प्रतिशत मरीज का रिपोर्ट नॉर्मल आता है। इस मरीज में एमआरआइ टेस्ट का रिपोर्ट नॉर्मल आया था। पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफ़ी (पेट) सिटी ब्रेन में कुछ एनके फ्लाइ टेस्ट के लक्षण थे। इसको एनएमडीए एंटी बॉडी पॉजीटिव आया। इसके बाद इलाज प्रारंभ किया गया। मरीज अब नॉर्मल जिदंगी जी रहा है।

पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में कई क्रिटकल बीमारियों का इलाज अनुभवी डॉक्टरों और उनकी टीम की ओर से किया जा रहा है। कई ऐसे मरीज हॉस्पिटल आते हैं, जिसका इलाज कई अन्य हॉस्पिटल नहीं कर पाते हैं। कोडरमा का रहने वाला बच्चा का भी केस बहुत ही क्रिटकल था। पारस हॉस्पिटल में उनका इलाज हुआ और अब वह ठीक है एवं सामान्य जीवन बिता रहा है।

राजेश कच्छप के द्वारा लगातार क्षेत्र में विकास योजनाओं के शिलान्यास करने से विपक्षियों में बढ़ रही हैं घबराहट

नामकुम(मोहसीन आलम):राजेश कच्छप जब से खिजरी विधानसभा सभा के विधायक बने हैं चारों ओर चौमुखी विकास हुआ है, लंबा चौड़ा विधानसभा होने के बावजूद भी चारों दिशा में विकास की धारा बह रही है, लगातार विधायक द्वारा क्षेत्र की उन्नति के लिए कार्य किया जा रहे हैं इसी कड़ी में शनिवार क़ो खिजरी विधायक राजेश कच्छप नगड़ी प्रखण्ड में ग्रामीण कार्य विभाग से स्वीकृत कुल लागत दस करोड़ बैयालीस लाख सरसठ हजार नौ अंठानब्बे रूपये से पथों का शिलान्यास विधि विधान से नारियल फोड़कर किया। जिसमें पतराटोली टुंडूल भाया महुआ टोली -डोरया टोली पथ (4.75 कि.मी.), होटवासी महुआटोली से तिरिल आश्रम पथ (3.17 कि.मी.) रिंग रोड सेम्बो से बारेडीह सी आर पी एफ कैम्प भाया बालालौंग पथ (1.98 कि.मी.) तथा सेम्बो से हल्हू पथ (4.30 कि.मी.) है। जब से खिजरी के विधायक राजेश कच्छप बने हैं चारों ओर विकास की धारा बह रही है, कोई ऐसा क्षेत्र नहीं जहां पर विकास की करण ना पहुँची हो, राजेश कच्छप अपने नाम से नहीं अपने कार्य से जाने जाते हैं, अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास योजनाओं के शिलान्यास किए जाने से विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं में काफी घबराहट है, उन्हें अभी से डर का भय सता रहा है,मौके पर जिला परिषद सदस्य पुनम देवी,रोशन कुजूर, संजय सारिया, धरमु नायक, सुकरा उरांव, मनोज तिर्की, मेरी तिर्की, बजरंग महतो, रंजन यादव, महादेव तिर्की, करमदेव सिंह परमेश्वर सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

24 सितंबर को निर्धारित राज्य के मुख्यमंत्री के इटखोरी आगमन को लेकर उपायुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) मुख्यमंत्री झारखंड सरकार श्री हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार जिले के सभी पंचायतों में लाभुकों को लाभान्वित करने हेतु आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन रोस्टर अनुसार किया जा रहा है।इसी कार्यक्रम के तहत इटखोरी भद्रकाली मैदान में 24 सितंबर 2024 को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री झारखंड सरकार श्री हेमंत सोरेन बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण योजनाओं का स्वीकृति पत्र समेत करोड़ों के विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश से आज जिले के उपायुक्त रमेश घोलप इटखोरी कार्यक्रम स्थल पहुंचे उन्होंने हेलीपैड स्थल, लोगों के आवागमन, समेत अन्य आवश्यक तैयारियों को लेकर उन्होंने अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय, उप विकास आयुक्त पवन कुमार मंडल, जिला परिवहन पदाधिकारी इंद्र कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला खेल कूद पदाधिकारी तुषार रॉय,जिला जनसंपर्क कार्यालय से रंजन कुमार समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

नेवरी पंचायत सचिवालय में महिला समिति की दीदियों का वार्षिक आम सभा आयोजित

ओरमांझी(मोहसीन आलम):जेएसएलपीए स के अंतर्गत शनिवार क़ो नेवरी आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड ने वार्षिक आम सभा का आयोजन नेवरी पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर एवं अतिथियों का स्वागत कर किया गया,कार्यक्रम मे नेवरी सीएलएफ का एक साल 2023-24का प्रगति आडिट किया गया साथ ही अगले वर्ष का कार्ययोजना एवम जेआरसी के बारे में उपस्थित महिलाओं के सामने प्रस्तुत किया गया।साथ ही नया 4 फूलो झानो योजना के लाभुको के बीच 25-25हजार रूपये राशि का वितरण किया गया. इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला परिषद सदस्य कांके के संजय महतो ने अपने संगठन में कहा कि महिलाएं जागरूक हो रही है, समूह बनाकर महिलाएं तरक्की की ओर बढ़ रही है, महिलाएं सशक्त एवं जागरूक होगी तो समाज और राष्ट्र जागरूक होगा,वहीं उन्होंने महिलाओं से कहा कि समाज के उत्थान के लिए अपने बाल बच्चों को अच्छा शिक्षा दें,और समाज में फैली कुर्तियों को दूर करने में अपना अहम योगदान दे, आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं यह सब जेएसएलपीएस की देन है. इस अवसर पर मुख्य रूप से बीपीएम अभिषेक कुमार राव नेवरी उपमुखिया मजहर, मुखिया रजनी देवी,लक्ष्मी देवी , पंचायत समिति सदस्य ,नेवरी के प्राचार्य महोदय सीएलएफ की अध्यक्ष लक्ष्मी देवी सचिव सरस्वती देवी,कोषाध्यक्ष वाजदा खातून,कुमारी सरिता ,प्रियंका कुमारी,डॉली देवी , सृष्टि महतो अर्चना देवी नारायण महतो कार्तिक कुमार एवम सीएलएफ के सभी सदस्य उपस्थित थे।

विधायक उमाशंकर अकेला ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग): बीते दो दिनों से चौपारण के चतरा मोड़ के निवासी अंधकार मे जीने को मजबूर हो गए थे कारण ट्रांसफार्मर का जलना। बाजार के लोगों ने बहुत हाथ पैर इधर उधर मारने के बाद बरही विधानसभा के लोकप्रिय विधायक उमाशंकर अकेला को ट्रांसफार्मर जल जाने का सुचना दिया। विधायक ने ट्रांसफार्मर की गंभीर समस्या को तुरंत संज्ञान मे लिया और एक दिन के अंदर ही ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराकर चतरा मोड़ का बिजली बहाल करवाने का कार्य किया। इस संबंध मे विधायक उमाशंकर अकेला ने बताया की हमारे क्षेत्र में कोई भी घर अंधेरे मे ना रहे इसके बारे मे मै पहले सोचता हूँ हमारी गठबंधन की सरकार है जो बिजली को लेकर इतनी ज्यादा सक्रिय है और उपभोक्ताओं का बिजली बिल भी माफ कर रही है। मेरे विधानसभा मे ट्रांसफार्मर की समस्या नही है अगर कहीं भी ट्रांसफार्मर जल जाने की समस्या है तो लोग मुझे सुचना दें तुरंत ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया जाएगा। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मंटु यादव,विधायक प्रतिनिधि रामफल सिंह,जीप सदस्य भाग-2 रविशंकर अकेला,नवीन यादव,नकीब खान,नकुल यादव,घनश्याम राणा,अजय केशरी, बिनोद केशरी,पंकज रविदास,प्रकाश केशरी,दिलीप केशरी,धीरज सिंह,सत्यनारायण पांडेय,मोहन दास,सोनू दास,बबलू केशरी, राजेन्द्र ठाकुर,श्री ठाकुर इत्यादि सहित अन्य लोग शामिल थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।